ख़बरों के 70 साल, ख़बरें लगातार, ई पेपर - www.deshbandhump.com

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

जबलपुर, मंगलवार 06 अक्टूबर 2026 । वर्ष – 70 । अंक – 313 पृष्ठ – 12 मूल्य – 3.00 रु.

■ मताधिकार पर जस्टिस... ■ बच्चों के पोषण में... 04
■ इमरान खान की खातिर सड़कों पर उतरी... ■ नरेन्द्र मोदी ने रचा 25 वर्षों के स्वर्णिम... 09
■ 6 अक्टूबर से महंगी होगी हवाई यात्रा ■ शेयर बाजार ने पकड़ी रफ्तार 11
■ वेस्टइंडीज के खिलाफ... ■ वैभव को अपने मौके... 10

सुप्रीम कोर्ट से ज्ञानेश कुमार को झटका भी.. राहत भी

बर्खास्त करने से इनकार, गैर कानूनी काम पर नतीजे भुगतने की चेतावनी

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि- 'हमने .फ़ॉर्म 6 में बदलावों को मंज़ूरी नहीं दी है। कोर्ट यह पता लगाने के लिए रिकॉर्ड की जांच करना चाहता है कि बदलाव किसने किए?

नई दिल्ली, देशबन्धु। *एसआईआर और उसके तहत फार्म -6 में बदलाव तथा मुख्य निवार्चन आयुक्त की शक्तियों को लेकर दायर याचिकाओं में देश की शीर्ष अदालत ने जहां निवार्चन आयोग और ज्ञानेश कुमार को राहत दी है, वहीं गैर कानूनी काम पाये जाने पर नतीजे भुगतने की सख्त चेतावनी भी दी है। सुप्रीम कोर्ट ने इस विषय पर केन्द्र सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस भी जारी किए हैं। और फार्म-6 के बदलाव का रिकॉर्ड स्वयं देखने के बाद आवश्यक फैसला लेने की बात भी कही। इस घटनाक्रम के बाद राजनीतिक हलकों में समर्थन-विरोध का सिलसिला और तेज हो गया है। सत्तारूढ एनडीए जहां इसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया करार दे रहा है वहीं विपक्ष ने सीधे शब्दों में कहा है कि- निचार्वन आयोग की धांधली का अब पूरा खुलासा हो गया है। ज्ञानेश कुमार को पद से हटना ही पड़ेगा।*

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को साफ किया कि उसने नए वोटरों के रजिस्ट्रेशन के लिए इस्तेमाल होने वाले 'फॉर्म-6' में किसी भी बदलाव को मंजूरी नहीं दी है। कोर्ट यह बात 'स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न' के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की शक्तियों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान कही है। यह स्पष्टीकरण तब आया जब कोर्ट को , एसआईआर प्रक्रिया के तहत फ़ॉर्म 6 में किए गए बदलावों के बारे में बताया गया। बेंच ने साफ़ किया कि उसने ऐसे किसी बदलाव को मंज़ूरी नहीं दी है। मुख्य न्यायधीश सूर्यकांत ने कहा, 'जब रिकॉर्ड पेश किया जाएगा, तो हम देखना चाहेंगे कि फॉर्म 6 में बदलाव किसने किया है?

फॉर्म-6 में क्या बदलाव हुआ है- फॉर्म 6 का विवाद चुनाव आयोग के एक अतिरिक्त एसआईआर डिक्लेरेशन से जुड़ा है, जिसमें नए वोटरों को पुरानी वोटर लिस्ट से लिंक देने की ज़रूरत होती है। चुनाव आयोग का कहना था कि यह सिर्फ़ एक एनेक्शर है, जबकि आलोचकों का तर्क था कि इसने तय कानूनी प्रक्रिया का पालन किए बिना असल में एक कानूनी फॉर्म को बदल दिया। सुको ने ईसीआई से फैसलों का रिकॉर्ड लाने को कहा है ताकि यह देखा जा सके कि फैसला सिर्फ ज्ञानेश कुमार ने लिया था या ईसीआई ने बहुमत से या सर्वसम्मति से लिया था। चीफ जस्टिस ने कहा है कि अगर कोई गैर-कानूनी काम हुआ है, तो उसके नतीजे भी भुगतने होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश को सस्पेंड करने के लिए कोई अंतरिम आदेश जारी करने से इनकार कर दिया। ज्ञानेश पर आरोप था कि उन्होंने अन्य दो चुनाव आयुक्तों की सहमति के बिना एकतरफा फैसले लिए। सर्वोच्च अदालत पटना के रहने वाले राकेश कुमार सिंह की याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

सार संक्षेप

उप्र राज्यसभा चुनाव : भाजपा ने जारी की 8 उम्मीदवारों की सूची

मंत्री हरदीप सिंह पुरी को नहीं मिली जगह

नई दिल्ली, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश में 16 अक्टूबर को होने वाले राज्यसभा चुनाव की दस सीटों के लिए होने वाले मतदान के लिए सोमवार को अपने 8 प्रत्याशियों के नाम का ऐलान कर दिया है। पार्टी की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, यह सूची भाजपा के राष्ट्रीय मुख्यालय प्रभारी और राज्यसभा सांसद तरुण चुग ने जारी की है। भाजपा ने इस बार कई नए चेहरों को मौका दिया है। वहीं, मौजूदा राज्यसभा सांसद और केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी को इस सूची में जगह नहीं मिली है। भाजपा की लिस्ट में सामाजिक समीकरण का ध्यान रखा गया है। 3 ओबीसी, 2 दलित, 2 ब्राह्मण और 1 ठाकुर समुदाय के उम्मीदवार को मौंका मिला है। **ये हैं उम्मीदवार-** सूची में धर्मपाल सिंह, राधाकांत ओझा, प्रकाश पाल, विद्यासागर सोनकर, गोपी कृष्ण पाण्डेय, प्रियंका सिंह रावत, राम प्रताप सिंह चौहान, श्रुति गंगवार शामिल हैं।

कड़ी सुरक्षा के बीच नंदीग्राम व रेजीनगर में आज मतदान

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पूर्वी मिदनापुर जिले की नंदीग्राम विधानसभा सीट और मुर्शिदाबाद जिले की रेजीनगर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए मंगलवार को कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान किया जाएगा। दो विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए सुरक्षा बलों की 71 कंपनियों को तैनात किया जाएगा। सुरक्षा बलों की 37 कंपनियां नंदीग्राम और 34 कंपनियां रेजीनगर में तैनात की जाएंगी। इसके अलावा, 15,119 राज्य पुलिस के कर्मियों को तैनात किया जाएगा।

बिरादरी की बात

चूहा-सुनती हो- सुप्रीम कोर्ट से निवार्चन आयोग को राहत भी मिली है और चेतावनी भी।

चुहिया- हां प्रिये- न्याय होते भी तो दिखना चाहिए।

ज्ञानेश के खिलाफ विपक्षी सांसदों का मार्च आज

चौथे दिन भी जारी रहा विरोध प्रदर्शन

सिविल सोसायटी के लोग भी सड़क पर

नई दिल्ली, देशबन्धु। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार गुप्ता को पद से हटाने और एसआईआर रद्द कराने की मांग को लेकर विपक्ष के सभी सांसद मंगलवार को संसद भवन के मकर द्वार से चुनाव आयोग तक पैदल मार्च करेंगे। इस बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि विपक्ष अपनी तीन मांगों से पीछे नहीं हटेगा।

इसमें पहली यह है कि मुख्य चुनाव आयुक्त इस्तीफा दें, दूसरी एसआइआर को रद्द किया जाए और तीसरी मांग यह है कि चुनाव ईवीएम के बजाए बैलेट पेपर से कराए जाएं। उन्होंने अन्य संगठनों व सिविल सोसायटी के संघर्ष को भी अपना समर्थन दिया है। इस बीच चौथे दिन सोमवार को भी दिल्ली में इस मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन हुए। एक तरफ कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई का प्रदर्शन हुआ तो दूसरी तरफ भारत सरकार को पूर्व गृह सचिव गोपाल कृष्ण पिल्लई समेत कई पूर्व ब्यूरोक्रेट्स व सिविल सोसायटी के लोगों ने चुनाव आयोग जाने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने उन्हें बीच में ही रोक दिया। कांग्रेस के संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश व केसी वेणुगोपाल ने बताया कि सांसदों का मार्च सुबह साढ़े 10 बजे से शुरू होगा और चुनाव आयोग के मुख्यालय तक जाएगा। इसमें सभी विपक्षी पार्टियों के सांसदों को शामिल होने का न्योता दिया गया है।

ज्ञानेश ने फॉर्म-6 में बदलाव कर भाजपा की मदद की: राहुल

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने ऑनलाइन फॉर्म-6 में अवैध और एकतरफा बदलाव किए जाने का आरोप लगाते हुए कहा है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने पद का दुरुपयोग कर भाजपा की मदद की है।

'सीएम यूथ कॉन्क्लेव-2026' आज भोपाल में

मुख्यमंत्री युवाओं से करेंगे सीधा संवाद

- आईआईटी मुंबई, आईआईटी रुड़की के विशेषज्ञ और एम्स के मनोचिकित्सक देंगे मार्गदर्शन
- शिक्षा, कौशल, नवाचार, उद्यमिता और रोजगार पर होगी विशेष चर्चा
- जुबिन नौटियाल और कबीर कैफे की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां रहेंगी आकर्षण का केंद्र

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 6 अक्टूबर को भोपाल के लाल परेड मैदान में आयोजित 'सीएम यूथ कॉन्क्लेव-2026' में प्रदेश के युवाओं से सीधा संवाद करेंगे। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित इस कॉन्क्लेव का उद्देश्य युवाओं को नई दिशा, प्रोत्साहन और अवसर उपलब्ध कराना है।

कॉन्क्लेव में प्रदेश से 20 हजार से अधिक युवा सहभागिता करेंगे। कॉन्क्लेव में युवाओं के लिए शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार, स्वरोजगार, उद्यमिता, नवाचार, अनुसंधान और उभरती प्रौद्योगिकियों से जुड़े अवसरों की जानकारी एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव युवाओं से संवाद कर उनकी आकांक्षाओं, विचारों और अपेक्षाओं को जानेंगे तथा उच्च शिक्षा एवं तकनीकी विकास पर आधारित विशेष प्रदर्शनी का अवलोकन भी करेंगे। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार भी उपस्थित रहेंगे। कॉन्क्लेव में युवाओं के लिए सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आयोजित की जाएंगी। प्रसिद्ध पार्श्व गायक जुबिन नौटियाल तथा कबीर कैफे द्वारा प्रस्तुतियां दी जाएंगी, जो कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षणों में शामिल रहेंगी। कॉन्क्लेव में आईआईटी मुंबई और आईआईटी रुड़की के विशेषज्ञ युवाओं ➤➤शेष पृष्ठ 2 पर

शिक्षक भर्ती पर राहुल का मुख्यमंत्री को पत्र

कहा- एक लाख पद खाली तो इतनी कम भर्ती क्यों?

नई दिल्ली, देशबन्धु। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर शिक्षक भर्ती-2025 में वर्ग-2 और वर्ग-3 के पदों की संख्या बढ़ाने की मांग की है। 29 सितंबर 2026 को लिखे पत्र में राहुल गांधी ने सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के खाली पदों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि इसका सीधा असर बच्चों की पढ़ाई पर पड़ रहा है।

राहुल गांधी ने पत्र में लिखा कि इंदौर में छात्रा की गूंज कार्यक्रम के दौरान शिक्षक अभ्यर्थियों ने वर्ग-2 और वर्ग-3 की भर्ती में पदवृद्धि की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के सरकारी स्कूलों में पहले से ही एक लाख से ज्यादा शिक्षकों के पद खाली हैं और इसका सीधा असर बच्चों की पढ़ाई पर पड़ रहा है। इसके बावजूद शिक्षक भर्ती-2025 में वर्ग-3 के केवल 13,089 और वर्ग-2 के केवल 10,800 पदों पर भर्ती निकाली गई है।

राहुल गांधी ने कहा कि युवा अभ्यर्थियों की मांग है कि शिक्षक भर्ती में पदों की संख्या बढ़ाई जाए, जिससे बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल सके और हजारों युवाओं को नौकरी का मौका मिल सके। उन्होंने पत्र में कहा कि कई अभ्यर्थी परीक्षा में अच्छे अंक ला चुके हैं और कई अतिथि शिक्षक के रूप में पढ़ा भी रहे हैं। लेकिन सीमित पदों के कारण वे पक्की नौकरी से वंचित हैं। इंतजार करते-करते कई अभ्यर्थी आयु सीमा के करीब पहुंच चुके हैं।

लखनऊ में बाढ़ से तबाही: 40 हजार घरों में घुसा पानी, सड़क पर नाव

लखनऊ (उत्तर प्रदेश)। लखनऊ में आई भीषण बाढ़ ने तबाही मचा दी है। गोमती नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। जिसका पानी राजधानी के 40 हजार घरों में घुस गया है। आलम यह है कि करीब 10 हजार लोग अपने घरों को छोड़कर जाना पड़ा है। लखनऊ की गलियों में नावें चल रही हैं। वहीं जिला प्रशासन ने शनिवार को गोमती रिवरफ्रंट को अगले आदेश तक के लिए बंद कर दिया है। नदी के दोनों किनारों पर बने रास्तों और बाकी हिस्सों में पानी ही पानी नजर आ रहा है। पिछले एक सप्ताह से जबकि लखनऊ और उत्तर प्रदेश में बारिश नहीं हुई है। इसके बाद भी शहर से लेकर गांव तक जलमग्न हो गए हैं। क्योंकि पड़ोसी राज्य बिहार और पहाड़ों के साथ साथ बांधों से छोड़े गए पानी के कारण यूपी के 11 जिलों की 10 नदियां खतरे के निशान से ऊपर हैं।

एसआईआर को लेकर मुख्यमंत्री की अपील

अफवाहों पर ध्यान न दें, पात्र युवा मतदाता सूची में नाम जुड़वाएं

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मतदाता सूची के एसआईआर को लोकतंत्र के लिए जरूरी प्रक्रिया बताया है। उन्होंने मतदाताओं से अपील की है कि एसआईआर को लेकर किसी भी तरह के भ्रम या अफवाह पर भरोसा न करें और निर्वाचन आयोग की तय प्रक्रिया के अनुसार ही जानकारी लें। डॉ. यादव ने कहा कि लोकतंत्र तभी मजबूत होगा, जब मतदाता सूची अद्यतन, पारदर्शी और विश्वसनीय हो। एसआईआर के जरिए मतदाता सूची का सत्यापन किया जा रहा है। इसमें हर जागरूक मतदाता की भागीदारी जरूरी है।

उन्होंने कहा कि- नागरिक अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए मतदाता सूची में अपने नाम की पुष्टि करें और निर्धारित प्रक्रिया में सहयोग करें। फॉर्म 6 और डिक्लेयेरशन सहित पूरी प्रक्रिया निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित है। सही जानकारी के लिए सिर्फ निर्वाचन आयोग की आधिकारिक जानकारी और निर्धारित प्रक्रिया पर ही विश्वास करें। सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मेरा आग्रह है कि 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके सभी युवा अपना नाम मतदाता सूची में अवश्य दर्ज कराएं और प्रत्येक नागरिक अपने नाम की भी पुष्टि करे। आइए, अपनी जिम्मेदारी निभाएं और एक विश्वसनीय मतदाता सूची के निर्माण में सहभागी बनें।

दुष्कर्म की घटनाओं पर कोर्ट सख्त

अपराधियों में डर पैदा करने की जरूरत

- पुलिस को अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में रेप की हालिया घटनाओं पर सख्ती दिखाते हुए दिल्ली पुलिस को अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से कहा है कि आपको अपराध करने की सोच रखने वाले व्यक्ति के मन में डर पैदा करना होगा। दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते रेप और दूसरे अपराधों पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लिया है। सोमवार को इसी 'सुओ मोटो' मामले में जस्टिस जेबी पार्दीवाला की बेंच ने सुनवाई की। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से कहा है कि जरूरत पड़ने पर वे सख्त रुख अपनाएं।

कोर्ट ने टिप्पणी की कि ऐसे लोग भी होंगे जो आर्टिकल 21 की बात करेंगे, यानी वे मानवाधिकार समूह जो अपराधियों के साथ बुरे बर्ताव का विरोध करते हैं। कोर्ट ने कहा कि अधिकारी ऐसे समूहों की परवाह किए बिना, रेप जैसे घिनौने अपराध करने वाले अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर सकते हैं। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से कहा कि जब तक आप अपराधियों के मन में यह डर पैदा नहीं करते कि 'अगर हमने ऐसा कुछ किया तो मारे जाएंगे', तब तक आप ऐसे अपराधों को रोक नहीं पाएंगे। आपको ऐसे अपराध करने की सोच रखने वाले व्यक्ति के मन में डर पैदा करने की जरूरत है। जस्टिस जेबी पार्दीवाला ने कहा, 'दुर्गा पूजा और दिवाली जैसी छुट्टियों के दौरान, ये बदमाश और गुंडे अधिक सक्रिय हो जाते हैं। आपको उनके मन में डर पैदा करना होगा।

JAN JYOTI SUPER SPECIALITY EYE HOSPITAL
अब पाइये चश्मे से छुटकारा मात्र कुछ सेकेण्ड्स में
Teneo- 2 तकनीक से इलाज
TRANS EPI सबसे आधुनिक और सुरक्षित
आज ही विजिट करें
9165108121 janjyotieyehospital.com
1051, Gol Bazar, Near Keshwarwani College, Wright Town, Jabalpur

Excellence in Education, Excellence in Life
A.P.N. C.B.S.E. SENIOR SECONDARY SCHOOL
(C.B.S.E. Affiliated Reg. No. 1031302)
ADMISSION OPEN FOR SESSION 2026-27
Class Nursery to XII Science I Commerce I Humanities
Special Discount in Admission fee & School fee for the State and National Players for all the Games
राष्ट्र स्तरीय एवं प्रदेश स्तरीय सभी खेलों के खिलाड़ियों के लिये प्रवेश शुल्क एवं मासिक शुल्क में विशेष छूट
Ph.: 0761-2676360, 8349593500, 9826587200

मेडिसिन के लिए नोबेल पुरस्कार का ऐलान

डेइसेरोथ, हेगेमैन और जॉर्ज नागेल को मिला पुरस्कार

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। स्टॉकहोम में कैरोलिंस्का इंस्टीट्यूट की नोबेल असेंबली ने सोमवार को बताया कि फिजियोलॉजी या मेडिसिन के लिए 2026 का नोबेल पुरस्कार कार्ल डेइसेरोथ, पीटर हेगेमैन और जॉर्ज नागेल को दिया गया है। उन्हें यह पुरस्कार लाइट-गेटेड आयन चैनल और ऑप्टोजेनेटिक्स से जुड़ी खोजों के लिए मिला है। ऑप्टोजेनेटिक्स एक ऐसी तकनीक है जिसने दिमाग की स्टडी के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है। दिमाग कैसे यादें, भावनाएं और व्यवहार बनाता है, इसे समझना लंबे समय से रिसर्च करने वालों का सपना रहा है। ऑप्टोजेनेटिक्स की मदद से जीवित दिमाग में अलग-अलग नर्व सेल्स (तंत्रिका कोशिकाओं) की एक्टिविटी को चालू या बंद करना संभव हो गया है। फिजियोलॉजी या मेडिसिन के लिए नोबेल कमेटी के चेयरमैन पेर स्वेनिंगसन ने कहा, 'ऑप्टोजेनेटिक्स दिमाग की मैपिंग के ऐसे मौके देता है जिनके बारे में हम कभी सिर्फ सपने ही देख सकते थे।' एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, हेगेमैन और नागेल ने 'चैनलरोडोप्सिन' की खोज की, जो खास गुणों वाला एक प्रोटीन है। उन्होंने पाया कि चाहे वे प्रोटीन को किसी भी सेल में डालें, वे सेल रोशनी के प्रति संवेदनशील हो जाते थे। बयान में कहा गया है, 'डाइसेरोथ ने चूहों की नर्व सेल्स में 'चैनलरोडोप्सिन' का जीन डाला। नीली रोशनी से सेल्स को रोशन करके, वे नर्व सिग्नल शुरू करने में कामयाब रहे। बाद में, उन्होंने नर्व सेल्स के लिए रोशनी से कंट्रोल होने वाले इस स्विच को जिंदा चूहों के दिमाग में काम करने लायक बनाया।'

रोशनी से नर्व सिग्नल्स को कंट्रोल करने के इस तरीके को अब ऑप्टोजेनेटिक्स कहा जाता है और इसने तेजी से दुनिया भर में अपनी पहचान बनाई है। हेगेमैन की रिसर्च से यह पता लगाने में मदद मिली कि कुछ सूक्ष्मजीव खास प्रोटीन्स के जरिए रोशनी को कैसे महसूस करते हैं। इसके बाद नागेल ने यह दिखाने में मदद की कि ये प्रोटीन्स रोशनी से कंट्रोल होने वाले आयन चैनल्स के तौर पर काम कर सकते हैं। डाइसेरोथ अमेरिका की स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में बायोइंजीनियरिंग, साइकियाट्री और बिहेवियरल साइंसेज के प्रोफेसर हैं। हेगेमैन एक जर्मन बायोफिजिसिस्ट हैं, उन्होंने माइक्रोऑर्गेनिज्म में रोशनी के प्रति संवेदनशील प्रोटीन की स्टडी की। जर्मन न्यूरोसाइंटिस्ट नागेल ने माइक्रोबियल ऑप्सिन की खोज और उनकी विशेषताओं को समझने में योगदान दिया और यह दिखाया कि वे रोशनी से कंट्रोल होने वाले आयन चैनल के तौर पर काम कर सकते हैं।

भावनाओं और व्यवहारों को कंट्रोल करते हैं- ऑप्टोजेनेटिक्स का इस्तेमाल करके, रिसर्चर उन न्यूरल सर्किट का पता लगाने में कामयाब रहे हैं जो न्यूरोलॉजिकल और साइकियाट्रिक बीमारियों से जुड़ी खास यादों, भावनाओं और व्यवहारों को कंट्रोल करते हैं। क्लीनिकल मेडिसिन में रिसर्चर इस तरीके का इस्तेमाल उन लोगों की नजर वापस लाने की कोशिश में कर रहे हैं, जिन्हें देखने में परेशानी है।

ओमानी को-पायलट पूछताछ में खेल रहा राज

'फ्लाईदुबई ज्वाइन से पहले ही बना क्रैश का प्लान'

फ्लाईदुबई। फ्लाईदुबई की उड़ान स्र्न1073 में भारतीय कैप्टन स्मित मच्छार पर हुए जानलेवा हमले की जांच में कई चौंकाने वाली बातें सामने आ रही हैं। पूछताछ के दौरान ओमानी को-पायलट हमाम अल-हमामी ने जो खुलासे किए हैं, वे हैरान करने वाले हैं। उसने साफ माना कि उसका मकसद कैप्टन स्मित मछार को मार करके 174 यात्रियों से भरे प्लेन को बेन गुरियन एयरपोर्ट की किसी ऊंची इमारत में दे मारना था। अब जांच से जुड़े मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि यह कोई अचानक लिया गया फैसला नहीं था। हमान ने कथित तौर पर एयरलाइन में नौकरी मिलने से पहले ही विमान क्रैश की योजना बना ली थी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक पूछताछ में हमाम ने बताया कि उसने ऐसी एयरलाइन की तलाश की थी, जो सीधे तेल अवीव जाती हो। इसी वजह से उसने फ्लाईदुबई को चुना। उसका कथित प्लान पहले कैप्टन को रास्ते से हटाने और फिर विमान को इजराइल के बेन गुरियन एयरपोर्ट के आसपास किसी इमारत या विमान से टकराने का था। हालांकि, इन दावों की जांच अभी जारी है। पूछताछ में को-पायलट ने

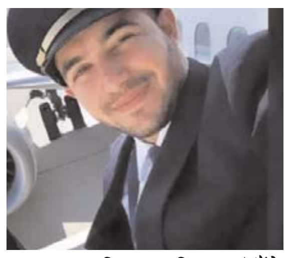

खुलासा किया कि- 'मैंने बाकायदा रिसर्च की थी कि कौन सी एयरलाइन सीधे तेल अवीव की उड़ान भरती है। इसीलिए फ्लाईदुबई को चुना और नौकरी में आने से पहले ही हमले का खाका तैयार कर लिया था। रिपोर्ट में यह भी दावा है कि हमामी पिछले महीनों में कई बार बेन गुरियन एयरपोर्ट आया था। जून में इजराइल की यात्रा के दौरान उसने कथित तौर पर एयरपोर्ट और आसपास के इलाके की जानकारी जुटाई। वह जुलाई में ही हमला करने वाला था, लेकिन उस उड़ान में उसका करीबी दोस्त क्रू में शामिल था। इसी वजह से उसने उस समय अपना इरादा टाल दिया। कुछ रिपोर्ट्स ने इसकी तुलना 11 सितंबर 2001 के अमेरिका में हुए विमान हमलों से की है। भारतीय कैप्टन को जान से मारने का प्लान! क्या किसी आतंकी ग्रुप से लिंक को-पायलट पर जांच में क्या आया सामने?

पीएम मोदी से मुलाकात के बाद क्या बोले पार्मेलिन?

भारत-स्विट्जरलैंड संबंधः एआई से व्यापार तक बढ़ेगी साझेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाइ पार्मेलिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी मुलाकात को दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण अवसर बताया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के रिश्ते आपसी सम्मान, विश्वास और मजबूत आर्थिक संबंधों पर आधारित हैं। दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के बाद पार्मेलिन ने कहा, 'यह बैठक स्विट्जरलैंड और भारत के बीच उत्कृष्ट संबंधों को दर्शाती है, जो आपसी सम्मान, विश्वास और मजबूत आर्थिक संबंधों पर आधारित हैं। यह महत्वपूर्ण साझेदारी को और मजबूत करने की हमारी साझा प्रतिबद्धता को दोहराने का एक महत्वपूर्ण अवसर था। पार्मेलिन ने कहा कि भारत वैश्विक शासन में एक महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में उभर रहा है और भू-राजनीतिक स्तर पर उसकी भूमिका लगातार बढ़ रही है। पार्मेलिन ने कहा कि दुनिया में बढ़ते विखंडन के बीच स्विट्जरलैंड संवाद और सहयोग के प्रति भारत की प्रतिबद्धता तथा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उसकी सक्रिय भूमिका को महत्व देता है। उन्होंने कहा, 'हमारे लिए भारत जैसे महत्वपूर्ण देशों के साथ करीबी और गतिशील साझेदारी बहुपक्षीय सहयोग को मजबूत करने और वैश्विक चुनौतियों से मिलकर निपटने के लिए जरूरी है।

भारत-यूएई संयुक्त सैन्य अभ्यास 'माउंटेन गार्डियन' शुरू

नई दिल्ली। उत्तराखंड के चौबटिया स्थित फॉरेन ट्रेनिंग नोड में भारत और संयुक्त अरब अमीरात, यूएई की सेनाओं का संयुक्त सैन्य अभ्यास 'माउंटेन गार्डियन 2026' सोमवार से शुरू हो गया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि यह अभ्यास 18 अक्टूबर तक चलेगा और इसका उद्देश्य दोनों सेनाओं के बीच तालमेल, आपसी समझ और सहयोग बढ़ाना है। अभ्यास में पहाड़ी युद्ध पर खास ध्यान दिया जा रहा है। अभ्यास में दोनों देशों के कुल 92 सैन्यकर्मी हिस्सा ले रहे हैं। दोनों सेनाओं की बराबर भागीदारी है। भारतीय दल में भैरव बटालियन के जवान और यूएई के दल में माउंटेन इन्फैंट्री बटालियन के जवान शामिल हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष

मुख्यमंत्री युवाओं से...

को शिक्षा, तकनीकी विकास, नवाचार और भविष्य की संभावनाओं से जुड़े विषयों पर मार्गदर्शन देंगे। एम्स के मनोचिकित्सक मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन और विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी देंगे।

17 शासकीय विभागों एवं विभिन्न संस्थाओं की सहभागिता–कॉन्क्लेव में 17 शासकीय विभागों एवं विभिन्न संस्थाओं की सहभागिता रहेगी। उच्च शिक्षा, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, तकनीकी शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, श्रम, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, परिवहन, आयुष तथा पुलिस एवं साइबर सुरक्षा सहित विभिन्न विभाग युवाओं को अपने-अपने क्षेत्र से संबंधित योजनाओं, अवसरों और गतिविधियों से परिचित कराएंगे। मध्यप्रदेश स्टार्टअप सेंटर एवं सेडमैप द्वारा स्वरोजगार, उद्यमिता, कौशल विकास और नवाचार से संबंधित गतिविधियां प्रस्तुत की जाएंगी।

80 से अधिक प्रदर्शनी कक्षों में दिखेगी अवसरों और संभावनाओं की तस्वीर–कॉन्क्लेव में विभागों, संस्थाओं, विश्वविद्यालयों और नवोदित उद्यमों के 80 से अधिक प्रदर्शनी कक्ष लगाए जाएंगे। इनमें रोजगार, प्रशिक्षण, कॅरियर, उद्यमिता, अनुसंधान, प्रौद्योगिकी और शासकीय योजनाओं से संबंधित जानकारी एवं गतिविधियां प्रदर्शित की जाएंगी।

विश्वविद्यालयों द्वारा शिक्षा, नवाचार, अनुसंधान, प्रौद्योगिकी, उद्यमिता, कॅरियर मार्गदर्शन और ड्रोन प्रौद्योगिकी सहित भविष्य की आवश्यकताओं से जुड़े विषयों पर प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

विचार से नवाचार और नवाचार से उद्यमिता तक–मध्यप्रदेश स्टार्टअप सेंटर के माध्यम से विभिन्न नवोदित उद्यम अपने उत्पादों और नवाचारों का प्रदर्शन करेंगे। युवा इन नवाचारों के माध्यम से विचार को उत्पाद और उत्पाद को उद्यम में बदलने की प्रक्रिया को समझ सकेंगे। इससे उन्हें स्वयं का उद्यम स्थापित करने तथा नए विचारों पर कार्य करने के लिए प्रेरणा और मार्गदर्शन मिलेगा।

उभरती प्रौद्योगिकियों पर विशेष फोकस–कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, ड्रोन प्रौद्योगिकी, अर्धचालक प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा और विद्युत वाहन (श्वङ्क) जैसी उभरती प्रौद्योगिकियां कॉन्क्लेव के प्रमुख विषयों में शामिल रहेंगी। इन क्षेत्रों में शिक्षा, प्रशिक्षण, अनुसंधान, नवाचार और रोजगार की संभावनाओं से युवाओं को परिचित कराया जाएगा।

कॅरियर से साइबर सुरक्षा तक विविध विषयों पर मार्गदर्शन–कॉन्क्लेव में कॅरियर मार्गदर्शन, कौशल विकास, मानसिक स्वास्थ्य, स्वास्थ्य, आयुष, उद्योग एवं रोजगार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, उद्यमिता और साइबर सुरक्षा सहित विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों एवं संबंधित विभागों द्वारा जानकारी दी जाएगी। पुलिस विभाग द्वारा महिला सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, यातायात जागरूकता, सामुदायिक पुलिसिंग, जन-सुरक्षा और युवा संवाद से जुड़े विषयों पर जागरूकता गतिविधियां भी आयोजित की जाएंगी। **सीएम यूथ कॉन्क्लेव**–2026 युवाओं को शिक्षा से कौशल, कौशल से रोजगार, विचार से नवाचार और नवाचार से उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए एक सशक्त मंच उपलब्ध कराएगा।

निविदा/नियुक्ति/जाहिरात

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार आधार हाउसिंग कंपनी लिमिटेड द्वारा श्रीमती अन्नपूर्णा केशरवानी पति श्री संतोष केशरवानी, निवासी 123, लार्डगंज बैंड गली, नर्मदा बाई का बाड़ा, जवाहरगंज वार्ड, जबलपुर म.प्र. के हक की क्रयशुदा संपत्ति महात्मा गांधी वार्ड क्र. 25, तह. व जिला जबलपुर में स्थित नगर निगम कारपोरेशन नं. 626 निवाड़गंज नजूल ब्लॉक नं. 54 प्लाट नं. 65/1 का भाग प्लाट रकवा 469 वर्गफुट जिसके तल मंजिल पर निर्मित दुकान रकवा 469 वर्गफुट एवं प्रथम मंजिल में निर्मित आवासीय रकवा 469 वर्गफुट तथा द्वितीय मंजिल पर निर्मित 469 वर्गफुट मकान को बंधक किया जा रहा है, जिसकी चौहद्दी–

उत्तर में– साईड रोड, पूर्व में –आशाराम गुप्ता का मकान, दक्षिण में– आशाराम गुप्ता का मकान, पश्चिम में–श्रीराम पानवाले का मकान स्थित है।

उक्त संपत्ति बंधकर्ता की क्रयशुदा संपत्ति है। जिसे बंधककर्ता श्रीमती अन्नपूर्णा केशरवानी पति श्री संतोष केशरवानी ने श्रीमती अहिल्या बाई केशरवानी पति श्री ताराचंद केशरवानी निवासी- 1054, पांडे चौक, निवाड़गंज, जबलपुर म.प्र. वालो से दिनांक 27.03.2026 को ई-पंजीकरण संख्या MP50IGR 17582026 A100373644 के माध्यम से क्रय की थी। उक्त संपत्ति के संबंध में यदि किसी व्यक्ति, फर्म, बैंक, शासकीय, अशासकीय, संस्था, निकाय आदि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावजों सहित प्रकाशन के 07 दिवस के अंदर डाक द्वारा निम्नलिखित पते पर अपनी आपत्ति मेरे अधिवक्ता कार्यालय में प्रेषित करे। अन्यथा समय सीमा के पश्चात् प्रस्तुत की गई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

र.नं. 2514

मोहित हान्डा (एडवोकेट)
म.प्र. उच्च न्यायालय
ऑफिस- बेदी नगर, गुरुदेव कॉलोनी,
जबलपुर मध्य प्रदेश
मो.नं.: 9589932773, 7724916699

In The Court Of II Civil Judge, Class-II, District Court, Jabalpur
Presiding Officer: मीनाक्षी दंडेलिया खण्डेलवाल
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(RCS A/0001088/2026)
श्रीमती शेख जरीना बी............................वादी
Vs
ब्रांच रीजनल मैनेजर बैंक ऑफ महाराष्ट्र .... प्रतिवादी
Process Id-/2026
पेशी दिनांक- 16/10/2026

प्रेषिती–
(1) डेविस स्वामी पिता एस.आर. स्वामी पता- प्लाट नं 22 जॉनसन स्कूल कैम्पस नर्मदा रोड तह व जिला जबलपुर म.प्र.
(2) संत कुमार तिवारी एस के तिवारी पिता श्री कृष्ण कुमार तिवारी के सी तिवारी पता- जी.सी. एफ. इस्टेट कॉलोनी सतपुला किराना दुकान के पास जबलपुर म.प्र.

यह कि प्रार्थी श्रीमती शेख जरीना बी ने आपके विरूद्ध सिविल सूट ए वाद वास्ते घोषणा हेतु के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात / हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते हैं, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें यह आज तारीख 21 सितंबर 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

न्यायालय की मुद्रा–

टिप्पणी: उपस्थिति हेतु नोटिस के साथ वाद वास्ते घोषणा हेतु मूल्यांकित 2400 रु. वास्ते स्थायी निषेधाज्ञा हेतु मूल्यांकित 1000 रु. वास्ते विक्रय के निष्पादन हेतु 2400 रु. कुल मूल्यांकन 5800 रु. संलग्न की छाया प्रति संलग्न

कृपया ध्यान दें–
1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

(मीनाक्षी दंडेलिया खण्डेलवाल)
द्वितीय सिविल न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड
र.नं. 2501 जबलपुर, म.प्र.

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती ज्ञानवती देवी पति श्री अनिरूद्ध प्रताप सिंह, निवासी– लखनवारा सतना म.प्र. द्वारा मौजा टेमर, न.ब. 250, प.ह.नं. 25/57, रा.नि.मं. जबलपुर, खसरा नं. 39, 45, 43, 44 एवं 70, नामान्तरण पश्चात 39/6/6/1, 39/8/6, 41/5/6, पर विकसित कालोनी, सैनिक गृह निर्माण सहकारी समिति के लेआउट प्लाट नं. जे–13, प्लाट रकवा 1200 वर्गफुट एवं उस पर निर्मित दो मंजिला भवन सहित, जिसकी चौहद्दी उत्तर में प्लाट नं. 18, दक्षिण में साईड रोड, पूर्व में प्लाट नं. जे 13 का भाग, पश्चिम में प्लाट नं. 11 है जो डुमना रोड नगर निगम वार्ड नं. 79, जबलपुर पर स्थित है को विक्रेतागण एवं वर्तमान स्वामी श्रीमती नीना देवी माखीजा पति श्री रूपचंद माखीजा एवं श्री संजय माखीजा पिता श्री रूपचंद माखीजा, दोनों निवासी– फोर्थ फ्लोर, टाईप ए, राजा रोड श्रेयशी–2 सुकचार कोलकत्ता हाल मुकाम जबलपुर वालों से क्रय कने का इकरारनामा किया है। विक्रेतागण ने यह सम्पत्ति रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 13/07/2018, ई–रजिस्ट्रेशन नं. MP182542018A1498999 के माध्यम से विक्रेता 1. श्री अनिल मिश्रा पिता स्व. श्री आर.के. मिश्रा, 2. श्रीमति सविता मिश्रा पति श्री अनिल मिश्रा, 3. श्री अतुल मिश्रा एवं 4. श्री अंकित मिश्रा दोनों के पिता श्री अनिल मिश्रा, सभी निवासी– 1346, द्वारका नगर जबलपुर से क्रय की थी। पूर्व स्वामी श्री अनिल मिश्रा वगैरह ने यह सम्पत्ति रजिस्टर्ड तबादला नामा दिनांक 23/11/2017 ई– रजिस्ट्रेशन नं. MP182542017A1653797 के माध्यम से श्री कुलवंत सिंह पिता श्री नसीब सिंह, निवासी– 3107, टाईप 3, व्ही.एफ.जे. स्टेट जबलपुर वालों से प्राप्त की थी एवं श्री कुलवंत सिंह ने यह सम्पत्ति श्री अमरजीत सिंह पिता स्व. श्री तारा सिंह, निवासी– जी–5, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, कांचघर, जबलपुर वालों से रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 23/07/2013 को दस्तावेज नं. 807 के माध्यम से क्रय की थी और श्री अमरजीत सिंह ने यह सम्पत्ति को रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 29/12/1990 को द.नं. 7518 के माध्यम से सैनिक गृह निर्माण सहकारी समिति जबलपुर से खरीद की थी। उपरोक्त सम्पत्ति में वर्तमान स्वामी का लिंक दस्तावेज रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 23/07/2013 को दस्तावेज नं. 807 की मूल प्रति वर्तमान स्वामी श्रीमती नीना देवी माखीजा से पेन्टी नाका से सदर थाना केन्ट के आस पास कहीं गिर गयी जिसे बहुत खोजने पर ना मिलने की स्थिति में पुलिस थाना सदर केन्ट जबलपुर में सूचना दे कर दिनांक 03/10/2026 को रिपोर्ट दर्ज करायी जिसका रो. सान्हा क्रमांक 30 है। अतः उक्त लिंक रजिस्टर्ड तबादला नामा दिनांक 23/07/2013 को दस्तावेज नं. 807 की मूल प्रति की अनुपस्थिति में क्रेतागण द्वारा यह सम्पत्ति वर्तमान स्वामी से क्रय करने बावत भारतीय स्टेट बैंक जबलपुर से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन किया है जिस पर ऋण स्वीकृति विचाराधीन है। बैंक द्वारा वर्तमान स्वामी/ विक्रेता के लिंक दस्तावेज रजिस्टर्ड तबादला नामा की मूल प्रति की अनुपस्थिति में, क्रेतागण के पक्ष में होने वाले प्रस्तावित विक्रय पत्र की मूल प्रति को बंधक कर ऋण प्रदान किया जाएगा। अतः उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में यदि किसी आम या खास किसी व्यक्ति, निगम, संस्था, वित्तीय संस्था, शासकीय अथवा अर्द्धशासकीय संस्था या कोई भी बैंक, आदि को, किसी प्रकार की आपत्ति या लेन-देन या कोई उक्त भूमि पर अपना हित रखता हो वह मूल दस्तावेज लेकर सूचना प्रकाशन से एक सप्ताह के अन्दर मेरे कार्यालय में आ कर अपनी आपत्ति दर्ज कराये व पावती प्राप्त करे, अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति दावा मान्य नहीं किया जावेगा और बैंक उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति बन्धक रख उस पर ऋण देने को स्वतंत्र रहेगा। जबलपुर दिनांकः 05/10/2026

अखिलेश मिश्र (अधिवक्ता)
देवायन 6, स्टेट बैंक कॉलोनी,
सिंगल स्टोरी, बल्देवबाग, जबलपुर
मो.: 9826319966, 0761-3556629
BIROTHIA

NOTICE OF CAVEAT

CAVEATOR- M/s Shree V.G. Exploration & Mining, 405, Kaithal House, Nayar Sonya Apartment, South Civil Lines, Jabalpur-482001 MP.

VERSUS

NON CAVEATOR- The Public at Large.

The caveator M/s Shree V.G. Exploration & Mining, 405, Kaithal House, Nayar Sonya Apartment, South Civil Lines, Jabalpur-482001 MP. has instituted a caveat petition before Hon'ble the High Court of Judicature at Jabalpur under the apprehension of filing of the writ petition/ public interest litigation against the Order No.-2234-35/Khanij /31 /U.P./N. Kra.-08/2024 Bhopal dated 06/02/2025, passed by the Director of MP Geology and Mining Bhopal, granting prospective lease on private lands of Khasra No.- 541, 542, 544, 545, 548, 550, 546, 547 and 556/1 of Village Chhatarpur, Tehsil Panagar, Distt. Jabalpur M.P., in its favour.

If any member of the non-caveator ie the public at large, files any petition including Public Interest Litigation and any other interim application against the above said order passed in favor of the caveator, the copies of the said petition/application may be supplied in advance to the caveator's below mentioned counsel.

Address of the Caveator's Counsel
Pranay Gupta Advocate
(Enrolment No.-1632/1993)
299/14, Near Ghadi Chowk, Vijay Nagar, Jabalpur Distt. Jabalpur M.P.
Phone-9826035097 & 0761-3511190 Email-advocatepg@yahoo.co.in
R.No. 2503

NOTICE OF CAVEAT

CAVEATOR : M/s Shree Anand Janak Swaroop Minerals and Logistics Company, 405, Kaithal House, Nayar Sonya Apartment, South Civil Lines, Jabalpur-482001 MP.

VERSUS

NON-CAVEATOR: The Public at Large.

The caveator M/s Shree V.G. Exploration & Mining, 405, Kaithal House, Nayar Sonya Apartment, South Civil Lines, Jabalpur-482001 MP has instituted a caveat petition before Hon'ble the High Court of Judicature at Jabalpur under the apprehension of filing of the writ petition/ public interest litigation against the Order No.-2231-32/Khanij/ 31/ U.P./N. Kra.-07/2024 Bhopal dated 06/02/2025, passed by the Director of MP Geology and Mining Bhopal, granting prospective lease on private lands of Khasra No.- 509 and 510 of Village Chhatarpur, Tehsil Panagar Distt. Jabalpur M.P., in its favour.

If any member of the non-caveator ie the public at large, files any petition including Public Interest Litigation and any other interim application against the above said order passed in favor of the caveator, the copies of the said petition/application may be supplied in advance to the caveator's below mentioned counsel.

Address of the Caveator's Counsel
Pranay Gupta Advocate
(Enrolment No.-1632/1993)
299/14, Near Ghadi Chowk, Vijay Nagar, Jabalpur Distt. Jabalpur M.P.
Phone-9826035097 & 0761-3511190 Email- advocatepg@yahoo.co.in
R.No. 2504

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार आधार हाउसिंग कंपनी लिमिटेड द्वारा निखिल कुमार यादव पिता श्री हरिनाथ यादव निवासी मदन मोहन मालवीय वार्ड, शिव मंदिर के पास, छोटी ओमती, जबलपुर म.प्र. के द्वारा ऋण प्राप्त करने हेतु अपने हक व स्वामित्व की संपत्ति जो कि संपत्ति / मकान संपत्ति नगर निगम जबलपुर के वार्ड क्र. 33 स्वामी दायानंद सरस्वती वार्ड के अंतर्गत चौथा पुल मुख्य मार्ग से अंदर स्थित मकान नगर निगम म.नं. 1320/51/सी.एम. 4 है जो कि नजूल ब्लॉक नं. 05 के प्लाट नं. 9/10 बंगला नं. 748 के हिस्से पर निर्मित 'कुबेर मार्केट' के तृतीय तल का एक फ्लैट यूनिट नं. सी एस 4 जिसका निर्मित रकवा 720 वर्गफुट मकान को बंधक किया जा रहा है, जिसकी चौहद्दी–

उत्तर में– खुला आसमान, दक्षिण में – कुबेर मार्केट का कॉमन पैसेज, पूर्व में– फ्लैट नं. सी एम 03, अनिल तोकरजी, पश्चिम में– श्रीवास्तव जी की संपत्ति स्थित है।

उक्त संपत्ति को ऋण आवेदनकर्ता निखिल कुमार यादव पिता श्री हरिनाथ यादव की क्रयशुदा संपत्ति है, जिसको ऋण आवेदनकर्ता ने श्रीमती मिथलेश निगम पति श्री याम कान्त निगम निवासी–नेपियर टाउन, कुबेर मार्केट, चौथा पुल, जबलपुर म.प्र. एवं अंकिता निगम पति राजीव श्रीवास्तव निवासी–ग्वारीघाट रोड, भसीन मैट्रोपोलिस, विद्युत नगर, जबलपुर म.प्र. वालो से दिनांक 24.08.2026 को ई-पंजीकरण संख्या MP50IGR 17572026A101032537 के माध्यम से क्रय किए थे। जिसके संबंध में यदि किसी व्यक्ति, फर्म, बैंक, शासकीय, अशासकीय, संस्था, निकाय आदि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावजों बिलो के सहित प्रकाशन के 07 दिवस के अंदर डाक द्वारा निम्नलिखित पते पर अपनी आपत्ति मेरे अधिवक्ता कार्यालय में प्रेषित करे। अन्यथा समय सीमा के पश्चात् प्रस्तुत की गई आपत्ति मान्य नहीं होगी एवं मेरे पक्षकार द्वारा उक्त संपत्ति का पंजीयन करवा लिया जवेगा।

र.नं. 2514

मोहित हान्डा (एडवोकेट)
म.प्र. उच्च न्यायालय
ऑफिस- बेदी नगर, गुरुदेव कॉलोनी,
जबलपुर मध्य प्रदेश
मो.नं.: 9589932773, 7724916699

मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कम्पनी लिमिटेड

(मध्यप्रदेश शासन का उपक्रम)
कार्यालय अधीक्षण अभियंता (संचा./संधा.)
2x45 मेगावॉट रानी अवन्ती बाई सागर जल विद्युत गृह बरगी नगर, जबलपुर (म.प्र.)-482056
e-mail : seoandmbargi@gmail.com, web. : mppgcl.mp.gov.in
CIN : U40109MP2001SGC014882

क्र.अय/संचा-संधा/बरगी/अप्रेंटिस/699 बरगी नगर, दिनांक : 05.10.2026

अप्रेंटिस एक्ट 1961 के अन्तर्गत आई.टी.आई. अप्रेंटिस के आवेदन हेतु विस्तृत विज्ञापन

मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कम्पनी लिमिटेड, जो म.प्र. के राज्य विद्युत मण्डल की एक उत्तरवर्ती कंपनी हैं जिसका मुख्यालय रानी अवन्ती बाई सागर जल विद्युत गृह बरगी नगर, जबलपुर में स्थित है, के कार्यालय अधीक्षण अभियंता (संचा./संधा.) म.प्र. पॉ.ज.कं.लि. बरगी नगर जिला-जबलपुर द्वारा मध्यप्रदेश के मूल निवासी अभ्यर्थियों के लिए जिन्होंने आई.टी.आई. (एन.सी.व्ही.टी./एस.सी.व्ही.टी.) ट्रेड :- विद्युतकार, फिटर, डीजल मैकेनिक, वेल्डर के अन्तर्गत कुल 10 रिक्तियों के लिये ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित है।

नोट :- 01. आई.टी.आई. उत्तीर्ण उम्मीदवार के आवेदन शासन की वेबसाइट **www.apprenticeshipindia.gov.in** के माध्यम से **दिनांक 30.10.2026 की मध्यरात्रि (23:59) तक** ऑनलाइन पद्धति से स्वीकार किये जावेंगे। 02. शिक्षुता प्रशिक्षण की अवधि एक वर्ष तक रहेगी, जिसमें नियमानुसार स्टाईफंड देय रहेगा। 03. आवेदन करने वाले सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों की न्यूनतम आयु दिनांक 30.10.2026 को न्यूनतम आयु 18 वर्ष एवं अधिकतम् आयु 27 वर्ष होनी चाहिये एवं एस.सी./एस.टी./ओ.बी.सी./ई.डब्ल्यू.एस./दिव्यांग को आयु में छूट शिक्षुता नियम (संशोधन) एवं राज्य शासन के नियमानुसार रहेगा। 04. उक्त रिक्तियों की संख्या परिवर्तनशील है तथा कंपनी को रिक्तियाँ भरने या ना भरने का अधिकार रहेगा। 05. एस.सी./एस.टी./ओ.बी.सी./ई.डब्ल्यू.एस. वर्ग हेतु आरक्षण शिक्षुता नियम (संशोधित) एवं राज्य शासन के नियमानुसार रहेगा। 06. उम्मीदवार विज्ञापन का विस्तृत विवरण वेबसाइट **http://mppgcl.mp.gov.in/careers.html** पर देख सकते हैं अथवा कार्यालय अधीक्षण अभियंता (संचा./संधा.) म.प्र. पॉ.ज.कं. लि.बरगी नगर जिला-जबलपुर में कार्यालय समय में संपर्क कर सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/128378/2026 "बिजली की बचत करें" अति. मुख्य अभि. (संचा-संधा)

सार्वजनिक नोटीस

मा. धर्मादाय सह आयुक्त, नागपूर यांच्या कोर्टात

केस संख्या / खटला संख्या-14/2026
कलम 60अ, महाराष्ट्र सार्वजनिक विश्वस्त व्यवस्था अधिनियम, 1950 च्या अंतर्गत
सार्वजनिक ट्रस्टचे नाव - फ्रेंड्स एज्युकेशन सोसायटी, नागपूर
नोंदणी क्रमांक एफ-457 (ना.)
अर्जदार :- सूर्यकांत हिंमतराव पवार
विरुद्ध
गैरअर्जदार :- सुभाष जनार्दन गोडघाटे व अन्य
प्रति,
श्रीमती कृपा सुभाष खरे, रा. गुप्तेश्वर सोसायटी, शक्तीनगर, जबलपूर,
म. प्र. पिन कोड- 482001

आपणास सूचित करण्यात येते की, वर नमूद केलेल्या अर्जदाराने महाराष्ट्र सार्वजनिक विश्वस्त व्यवस्था अधिनियम, 1950 च्या कलम 60 अ च्या अंतर्गत माननीय धर्मादाय सह आयुक्त, नागपूर मंडळ, नागपूर यांच्या कार्यालयात खटला दाखल केला आहे आणि आपण त्यामध्ये गैरअर्जदार आहात.

उक्त प्रकरणात आपले लेखी युक्तिवाद/ उत्तर सादर करण्यासाठी तारीख 6/11/2026 रोजीच्या कार्यालयीन वेळेपर्यंत वेळ देण्यात आला आहे. तथापि, आपणास विनंती आहे की आपण तारीख 6/11/2026 रोजी कार्यालयीन वेळेत माननीय धर्मादाय सह आयुक्त, नागपूर यांच्या न्यायालयात स्वतः किंवा आपल्या वकिलामार्फत उपस्थित राहावे.

कृपया नोंद घ्यावी की जर आपण निर्धारित तारीख 6/11/2026 रोजी कार्यालयीन वेळेदरम्यान स्वतः किंवा कोणत्याही वकिलामार्फत या प्रकरणात आपले उत्तर सादर करण्यास असमर्थ राहिलात, तर आपल्या अनुपस्थितीत या प्रकरणात एकतर्फी निर्णय पारित केला जाईल.

नागपूर, तारीख : 28/9/26

अधीक्षक
सार्वजनिक न्यास नोंदणी कार्यालय, सिव्हिल लाईन्स, नागपूर विभाग, नागपूर

सार्वजनिक नोटीस

मा. धर्मादाय सह आयुक्त, नागपूर यांच्या कोर्टात

केस संख्या / खटला संख्या - 2/2026
कलम 60अ, महाराष्ट्र सार्वजनिक विश्वस्त व्यवस्था अधिनियम, 1950 च्या अंतर्गत
सार्वजनिक ट्रस्टचे नाव - फ्रेंड्स एज्युकेशन सोसायटी, नागपूर
नोंदणी क्रमांक एफ-457 (ना.)
अर्जदार :- सूर्यकांत हिंमतराव पवार
विरुद्ध
गैरअर्जदार:-पदमाकर रामचंद्र थोरात व अन्य
प्रति,
श्रीमती कृपा सुभाष खरे, रा. गुप्तेश्वर सोसायटी, शक्तीनगर, जबलपूर,
म. प्र. पिन कोड- 482001

आपणास सूचित करण्यात येते की, वर नमूद केलेल्या अर्जदाराने महाराष्ट्र सार्वजनिक विश्वस्त व्यवस्था अधिनियम, 1950 च्या कलम 60 अ च्या अंतर्गत माननीय धर्मादाय सह आयुक्त, नागपूर मंडळ, नागपूर यांच्या कार्यालयात खटला दाखल केला आहे आणि आपण त्यामध्ये गैरअर्जदार आहात.

उक्त प्रकरणात आपले लेखी युक्तिवाद / उत्तर सादर करण्यासाठी तारीख 6/11/2026 रोजीच्या कार्यालयीन वेळेपर्यंत वेळ देण्यात आला आहे. तथापि, आपणास विनंती आहे की आपण तारीख 6/11/2026 रोजी कार्यालयीन वेळेत माननीय धर्मादाय सह आयुक्त, नागपूर यांच्या न्यायालयात स्वतः किंवा आपल्या वकिलामार्फत उपस्थित राहावे.

कृपया नोंद घ्यावी की जर आपण निर्धारित तारीख 6/11/2026 रोजी कार्यालयीन वेळेदरम्यान स्वतः किंवा कोणत्याही वकिलामार्फत या प्रकरणात आपले उत्तर सादर करण्यास असमर्थ राहिलात, तर आपल्या अनुपस्थितीत या प्रकरणात एकतर्फी निर्णय पारित केला जाईल.

नागपूर, तारीख : 28/9/26

अधीक्षक
सार्वजनिक न्यास नोंदणी कार्यालय, सिव्हिल लाईन्स, नागपूर विभाग, नागपूर

In The Court of XXXIV Civil Judge Class-I, District Court, Jabalpur
Presiding Officer: ऋचा बठेजा
आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम सक्सेशन प्रकरण क्रमांक
(MJC SUC/ 0000155/ 2026)
प्रीति कपूर ....आवेदक
Vs
आम जनता .... अनावेदक
Process Id-2026
पेशी दिनांक 29/10/2026

प्रेषिती
(1) आम जनता पता- जिला जबलपुर म.प्र.
(2) आम जनता

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रीति कपूर पता नि.-ब्लाक 1जी1 कोचर पंचशील, 129 सीटीएच रोड अम्बात्तुर एस्टेट, तिरूवेल्लुर तमिलनाडू ने मृतक स्व. लेखराज कपूर एवं श्रीमती संतोष कपूर निवासी- 305 पार्क व्यू अपार्टमेंट पटेल नगर आलमबाग लखनऊ एवं 3646 विवेक कालोनी निर्मलचंद वार्ड जबलपुर की स्टेट बैंक ऑफ इंडिया आधारताल पोस्ट आफिस आधारताल में जमा संपूर्ण राशि/संपत्ति हेतु उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये इस न्यायालय में आवेदन किया है जिसकी सुनवाई दिनांक 29 अक्टूबर 2026 को नियत है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/ संरक्षक होने संबंधी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 29 अक्टूबर 2026 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें। सूचना उपरांत यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवायी एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा। यह आज तारीख 29 सितम्बर 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

न्यायालय की मुद्रा

टिप्पणी- प्रकाशन हेतु नोटिस के साथ आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम मूल्यांकन 2435061 रूपये की छायाप्रति संलग्न है।

कृपया ध्यान दें- यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

र.नं. 2506

(ऋचा बठेजा)
34 वें व्यवहार न्यायाधीश
(वरिष्ठ खण्ड) जबलपुर (म.प्र)

In The Court of XXVII Civil Judge Class-I, District Court, Jabalpur
Presiding Officer: श्वेता खरे
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(RCS A/ 0000206/ 2026)
प्रदीप पटेल ....वादी
Vs
श्रीमान कलेक्टर महोदय .... प्रतिवादी
Process Id-2026
पेशी दिनांक 16/11/2026

प्रेषिती
(1) आम जनता पता- जबलपुर म.प्र.

यह कि प्रार्थी प्रदपी पटेल ने आपके विरूद्ध सिविल सूट दावा वास्ते घोषणा हेतु के लिए वाद संस्थित किया है आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते हैं, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रुप में निर्भर करते हैं तो ऐसे सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 25 सितम्बर 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायालय की मुद्रा

टिप्पणी- प्रकाशन नोटिस के साथ दावा वास्ते घोषणा हेतु की छायाप्रति संलग्न है।

कृपया ध्यान दें- यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

र.नं. 2505

(श्वेता खरे)
सत्ताईवें व्यवहार न्यायाधीश
(वरिष्ठ खण्ड) जबलपुर (म.प्र)

सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया / Central Bank of India

क्षेत्रीय कार्यालय- जबलपुर
दूसरा तल, साउथ एवेन्यू मॉल के सामने
पोलीपाथर, जबलपुर (म.प्र)

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन, तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम 2002 (सरफेसी एक्ट) की धारा 13(2) के अंतर्गत नोटिस

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया शाखा बेलखेड़ा (जिला जबलपुर) के माध्यम से प्राप्त किए गए ऋण जो कि एनपीए हो चुका है -जिसमें निम्न वर्णित दिनांक को निम्न उल्लेखित बकाया शेष राशि थी, उसकी विस्तृत मांग सूचना निम्नलिखित संबन्धित ऋणियों एवं जमानतदारों को वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(2) के तहत मांग पंजीकृत डाक द्वारा हमारे कार्यालय द्वारा भेजी गयी थी। धारा 13(2) के तहत मांग सूचना में हमने आशय स्पष्ट कर दिया था कि आपके द्वारा मांग सूचना में दर्शाई राशि 60 दिवस के अंदर जमा नहीं करायी गयी तो उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के अनुसार बैंक द्वारा बंधक संपत्ति का आधिपत्य ले लिया जाएगा। पूर्ण विवरण निम्न वर्णित है:

ऋणी/जमानतदार का नाम	बंधक संपत्ति का विवरण: संपत्ति ऐसे सभी भाग, जिसमें	मांग सूचना राशि एवं दिनांक
श्री प्रहलाद सेन पिता श्री सुम्मा सेन (उधारकर्ता/संपत्ति बंधककर्ता) पता –मकान नं 726, राजमार्ग नं 12, बेलखेड़ा, शहपुरा भिटोनी, जबलपुर, मध्य प्रदेश, 483119, पता – मकान नं 717, राजमार्ग नं 12, बेलखेड़ा, शहपुरा भिटोनी, जबलपुर, मध्य प्रदेश, 483119 एवं पता – मौजा बेलखेड़ा, नं. ब. 311, प.ह.न. पुराना 40 नया 12, पटवारी हल्का बेलखेड़ा, राजस्व निरीक्षक मंडल पिपरिया कलां, खसरा नंबर 309/6, तहसील शहपुरा, जिला जबलपुर, मध्य प्रदेश **श्री जितेंद्र सेन पिता श्री प्रहलाद सेन (सहउधारकर्ता)** पता –मकान नं 726, राजमार्ग नं 12, बेलखेड़ा, शहपुरा भिटोनी, जबलपुर, मध्य प्रदेश, 483119, पता – मकान नं 717, राजमार्ग नं 12, बेलखेड़ा, शहपुरा भिटोनी, जबलपुर, मध्य प्रदेश, 483119 एवं पता – मौजा बेलखेड़ा, नं. ब. 311, प.ह.न. पुराना 40 नया 12, पटवारी हल्का बेलखेड़ा, राजस्व निरीक्षक मंडल पिपरिया कलां, खसरा नंबर 309/6, तहसील शहपुरा, जिला जबलपुर, मध्य प्रदेश शाखा : बेलखेड़ा	स्थावार संपत्ति का विवरण: संपत्ति ऐसे सभी भाग जिसमे मौजा बेलखेड़ा नं. ब. 311, प.ह.न. पुराना 40 नया 12, पटवारी हल्का बेलखेड़ा, राजस्व निरीक्षक मंडल पिपरिया कलां, तहसील शहपुरा, जिला जबलपुर में बेलखेड़ा मुख्य मार्ग (राष्ट्रीय राजमार्ग 12) पर स्थित है। जिसकी भूमि के भाग की यूनिक आईडी 1272951922 है। जिसका खसरा नंबर 309/6, रकवा 0.01 है., प्लाट ऐरिया 25 x 60 = 1500 वर्ग फुट याने 139.40 वर्ग मीटर डायवर्टेड आवासीय प्लाट एवं उस पर निर्मित होने वाला आवासीय भवन (R.C.C.) तहसील शहपुरा जिला जबलपुर संपत्ति/ भवन स्वामी : श्री प्रहलाद सेन पिता श्री सुम्मा सेन चतु:सीमा: उत्तर- गोविंद साहू की जमीन, दक्षिण - शहपुरा भोपाल रोड, पूर्व- राय का मकान, पश्चिम- डॉ अधिकारी का मकान	रु 14,03,179.09 /- + भविष्य ब्याज + विधिक व्यय दिनांक: 21/09/2026

अत: आप सभी संबन्धित ऋणी / जमानतदार को सुझाव दिया जाता है कि (1) उक्त मांग सूचना पत्र / लिफाफा जो कि आपको पंजीकृत डाक द्वारा हमारे कार्यालय द्वारा प्रेषित किया गया था- आप इस नोटिस की प्रति हमारी शाखा बेलखेड़ा (जिला जबलपुर) या हमारे कार्यालय से प्राप्त कर लें ताकि आपको सूचना की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त हो जाए एवं (2) मांग सूचना मे दर्शाई गयी बकाया राशि एवं ब्याज एवं विधिक व्यय सहित मांग सूचना की दिनांक से 60 दिनों के भीतर जमा करें ताकि सरफेसी अधिनियम के तहत अग्रिम कार्यवाही से बच सकें।

दिनांकः 06/10/2026 कृते सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया, प्राधिकृत अधिकारी

कार्यालय नगर परिषद कैमोर, जिला कटनी, (म.प्र.)

फोन नं 07626.272353 ईमेल - cmokemore@mpurban.gov.in

क्र/512/PWD/NP/2026 कैमोर, दिनांक 05/10/2026

तृतीय निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
2026_UAD_499967_3 दि. 08-08-2026	Providing and Supplying Mini Excavator Having Minimum Operating Weight 3.5 Town at Kemore, Katni (3rd Call)	05 दिन 28,00,000/-	5,000/- 56,000/-	22/10/2026

शर्त - निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://www.mptenders.gov.in की वेबसाईड पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी,
नगर परिषद कैमोर

देश की फूड बॉस्केट बन चुका है मध्यप्रदेश : मुख्यमंत्री

- राज्य सरकार ने एक साथ 3 हजार 357 शासकीय सेवकों को पदोन्नति का लाभ दिया
- मुख्यमंत्री ने कृषि विभाग के 44 दिवंगत कर्मचारियों के परिजन को सौंपे अनुकम्पा नियुक्ति के पत्र

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि- कृषि विभाग ने प्रदेश में किसानों के कल्याण और सशक्तिकरण का उदाहरण प्रस्तुत किया है। कृषि विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की मेहनत, निष्ठा और समर्पण का परिणाम है कि आज मध्यप्रदेश देश की फूड बॉस्केट बन चुका है। परम्परागत खेती से लेकर तकनीकी नवाचार और उद्योग तक विभाग के कर्मचारी-अधिकारी किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रहे हैं।

प्रदेश में कृषि विभाग सिर्फ डिपार्टमेंट का नाम नहीं यह, डेवलपमेंट का भी नाम है। कृषि में ही मध्यप्रदेश का विकास छुपा है, इस दृष्टि से मध्यप्रदेश की सुख-समृद्धि का रास्ता कृषि विभाग से होकर जाता है। प्रदेश के माथे से बीमारू राज्य का कलंक हटाने में बड़ी भूमिका कृषि विभाग की रही है। कृषि विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की ही टीम है जो सरकार की कृषि योजनाओं और नीतियों को फाईलों से निकालकर खेत की मेढ़ों तक पहुंचाती है। मुख्यमंत्री सोमवार को किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के पदोन्नत शासकीय सेवकों द्वारा मुख्यमंत्री के अभिनंदन और उनके आभार प्रदर्शन के लिए आयोजित कार्यक्रम को रवींद्र भवन में संबोधित कर रहे थे। ई-विकास, डिजिटल एग्रीकल्चर, भावांतर भुगतान योजना पर कार्यशाला सह प्रशिक्षण भी आयोजित किया गया।

अगले वर्ष में 1 लाख से अधिक पदों पर नई भर्ती की जाएगी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि निकट भविष्य में अनुकंपा नियुक्ति की कोई पेंडेंसी नहीं रहेगी। हमारी सरकार ने अब तक 85 हजार से अधिक शासकीय पदों पर युवाओं को नौकरी दी है। अगले वर्ष में 1 लाख से अधिक पदों पर नई भर्ती करने का लक्ष्य है।

विकास,वित्तीय अनुशासन, अधोसंरचना निर्माण पर मप्र सरकार का फोकस

- स्वास्थ्य और शिक्षा को भी अधोसंरचना निवेश से जोड़ा
- करों में असामान्य बढ़ोतरी के बिना संसाधन जुटाने का दावा
- केन-बेतवा और नदी जोड़ो परियोजनाओं पर विशेष जोर

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश में विकास को अभूतपूर्व गति देने के लिए राज्य सरकार का फोकस बड़े पैमाने पर अधोसंरचना निर्माण और पूंजीगत निवेश पर दिखाई दे रहा है। सड़क, एक्सप्रेस-वे, सिंचाई, बांध, नहर, विद्युत, मेडिकल कॉलेज, स्कूल-कॉलेज और अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए सरकार ने वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता और राजकोषीय अनुशासन के बीच अत्यंत संतुलित और दूरदर्शी रणनीति अपनाई है।

सरकार के अनुसार, विकास परियोजनाओं के लिए आवश्यक वित्तीय संसाधन जुटाने में भारतीय रिजर्व बैंक के माध्यम से लिए जाने वाले स्टेट डेवलपमेंट लोन की महत्वपूर्ण भूमिका है। राज्य सरकार का कहना है कि इन ऋणों का उपयोग मुख्य रूप से पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण में किया जा रहा है, ताकि आज किया गया निवेश आने वाले वर्षों में प्रदेश की आर्थिक गतिविधियों, रोजगार के अवसरों और समग्र समृद्धि को बढ़ाने में योगदान दे सके।

मध्यप्रदेश में स्टेट डेवलपमेंट लोन के लिए आरबीआई के ई-कुबेर प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रतिस्पर्धी बोलियां प्राप्त की जाती हैं। इससे बाजार परिस्थितियों के अनुरूप अनुकूल ब्याज दर पर संसाधन जुटाने की प्रभावी और पारदर्शी व्यवस्था होती है।

बढ़ती अर्थव्यवस्था से बढ़ी वित्तीय क्षमता-राज्य सरकार की वित्तीय रणनीति का एक महत्वपूर्ण आधार बढ़ता हुआ सकल राज्य घरेलू उत्पाद यानी तस्प्तक है। सामान्य तौर पर राज्य की अर्थव्यवस्था के आकार में वृद्धि होने के साथ निर्धारित वित्तीय सीमाओं के भीतर संसाधन जुटाने की क्षमता भी बढ़ती है। मध्यप्रदेश में बड़े जल संसाधन प्रोजेक्ट भी सरकार के महत्वाकांक्षी विकास एजेंडे का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। केन-बेतवा लिंक परियोजना तथा पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजना से जुड़े बांध और नहर निर्माण कार्यों को कृषि एवं सिंचाई क्षमता विस्तार के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

विकास का दायरा केवल सड़क और सिंचाई तक सीमित नहीं रखा गया है। राज्य सरकार के अनुसार मेडिकल कॉलेज, स्कूल-कॉलेज, विश्वविद्यालयों के विस्तार तथा पुलिस विभाग से संबंधित निर्माण कार्यों पर भी प्राथमिकता के साथ निवेश किया जा रहा है।

राज्य सरकार का कहना है कि इन विकास परियोजनाओं के लिए संसाधन जुटाने के उद्देश्य से किसी भी टैक्स में असामान्य वृद्धि नहीं की गई है। सरकार के अनुसार, विकास कार्यों के लिए वित्तीय व्यवस्था बढ़ते तस्प्तक राज्य के स्वयं के संसाधनों और निर्धारित ऋण सीमा के भीतर लिए जाने वाले ऋण के माध्यम से की जा रही है।

वित्तीय अनुशासन के साथ विकास की दिशा-मध्यप्रदेश की मौजूदा वित्तीय रणनीति में एक ओर बड़े पैमाने पर पूंजीगत निवेश और दूसरी ओर निर्धारित वित्तीय सीमाओं के पालन पर जोर दिया जा रहा है। सरकार के अनुसार, पूर्व में लिए गए ऋणों का समय पर पुनर्भुगतान किया जा रहा है और राज्य ने अपने ऋण दायित्वों में डिफॉल्ट नहीं किया है। मध्यप्रदेश सरकार की वर्तमान प्राथमिकताएं इसी दिशा में दिखाई देती हैं—बड़े पैमाने पर अधोसंरचना निर्माण, पूंजीगत निवेश में वृद्धि और वित्तीय सीमाओं के भीतर संसाधनों का उपयोग। राज्य सरकार के अनुसार, आने वाले वर्षों में इन परियोजनाओं का प्रभाव प्रदेश की आर्थिक गतिविधियों, कनेक्टिविटी, सिंचाई क्षमता और सार्वजनिक सेवाओं के विस्तार के रूप में सामने आने की उम्मीद है। यह समन्वित और दूरदर्शी प्रयास मध्यप्रदेश को विकास, निवेश और जनकल्याण के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों की पंक्ति में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

एक लाख करोड़ रुपये से अधिक के पूंजीगत कार्यों का लक्ष्य

वित्तीय वर्ष 2026-27 में मध्यप्रदेश सरकार ने अपनी स्वयं की आय, विभिन्न निगमों तथा आरबीआई के माध्यम से जुटाए गए संसाधनों के जरिए एक लाख करोड़ रुपये से अधिक राशि पूंजीगत कार्यों पर खर्च करने का लक्ष्य रखा है।

ऋण नहीं, विकास के लिए निवेश पर जोर

राज्य सरकार के मुताबिक वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए केंद्र सरकार द्वारा मध्यप्रदेश की ऋण सीमा लगभग 87 हजार करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। सितंबर 2026 तक आरबीआई के माध्यम से लगभग 37 हजार 400 करोड़ रुपये का ऋण प्राप्त किया जा चुका है।सरकार का दावा है कि मार्च 2027 तक लिए जाने वाले ऋण केंद्र द्वारा निर्धारित सीमा के भीतर ही रहेंगे। इसका उद्देश्य सड़क, सिंचाई, बिजली और अन्य अधोसंरचना परियोजनाओं के लिए आवश्यक पूंजी उपलब्ध कराना है।

10 विमानतल और सभी विधानसभा क्षेत्रों में बनेंगे स्थायी हेलीपैड

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश में विमानन सेवाओं और अधोसंरचना को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। नागरिकों को बेहतर हवाई कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने के साथ ही आपातकालीन सेवाओं, पर्यटन और स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को मजबूत करने के लिए एयरपोर्ट, एयरस्ट्रिप और हेलीपैड के नेटवर्क का नागरिक विमानन नीति-2025 के अंतर्गत विस्तार किया जा रहा है। प्रदेश में एयरपोर्ट बढ़कर 8 हो गए हैं और शीघ्र ही इनकी संख्या 10 हो जाएगी। इसी तरह से प्रदेश से अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों की संख्या भी निरंतर बढ़ रही है। पहले दुबई और अब अबूधाबी के साथ इंदौर का हवाई संपर्क स्थापित हुआ है। सिंहस्थ-2028 के लिये भी दताना-मताना एयरपोर्ट का विस्तार हो रहा है। नए एयरपोर्ट के विकास, सभी विधानसभा क्षेत्रों में स्थायी हेलीपैड के निर्माण और पीएमश्री एयर एम्बुलेंस एवं पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा से प्रदेश में हवाई सुविधाएं अधिक सुगम और व्यापक हो रही हैं।मध्यप्रदेश में वर्तमान में 8 एयरपोर्ट, 20 से अधिक एयरस्ट्रिप और 220 हेलीपैड हैं। वर्ष 2023-24 में प्रदेश में 5 प्रमुख एयरपोर्ट इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर और खजुराहो संचालित थे। वर्ष 2024-25 में रीवा, दतिया और सतना को जोड़कर एयरपोर्ट की संख्या 8 हो गई है। उज्जैन और शिवपुरी में एयरपोर्ट के विकास का कार्य प्रगति पर है। प्रदेश में पांच नए एयरपोर्ट के विकास की स्वीकृति केंद्र सरकार के स्तर पर प्रक्रियाधीन है। इनमें सिंगरौली को प्राथमिकता दी गई है।

बीएलसी घटक में सबसे अधिक पक्के आवास पूरे करने पर राष्ट्रीय पुरस्कार

प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी में मध्य प्रदेश देश में अव्वल

भोपाल, देशबन्धु। प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के प्रभावी क्रियान्वयन में मध्य प्रदेश ने राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। योजना के लाभार्थी आधारित निर्माण घटक में स्वीकृत आवासों की तुलना में सर्वाधिक पक्के आवास पूर्ण कराने पर प्रदेश को प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी पुरस्कार-2026 से सम्मानित किया गया है। वहीं एक लाख से कम आबादी वाले नगरीय निकायों की श्रेणी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए नगर पालिका परिषद वारासिवनी को भी राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है।

विश्व आवास दिवस के अवसर पर नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्यमंत्री तोखन साहू ने पुरस्कार प्रदान किए। राज्य शासन की ओर से नगरीय विकास एवं आवास विभाग के आयुक्त संकेत भोंडवे तथा योजना के राज्य मिशन संचालक शिशिर गेमावत ने पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के लाभार्थी आधारित निर्माण घटक के सुव्यवस्थित और प्रभावी क्रियान्वयन में मध्य प्रदेश देश में अग्रणी रहा है। प्रदेश ने स्वीकृत आवासों में से सर्वाधिक संख्या में पक्के मकानों का निर्माण पूरा कराया है। इसी उपलब्धि के आधार पर वारासिवनी नगर पालिका परिषद को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं, REENU DEVI is legally wedded spouse of Army no 10362383W Rank NK Name BALWAN SINGH of Unit- 1251 DSC PL (126 INF BN TA) Presently residing at Vill-NERA, PO-SULIALI, TEH-NURPUR, DISTT- KANGRA, STATE- HP, PIN-176211, शपथ पूर्वक कथन करती हूँ कि मेरे पति के आर्मी रिकार्ड में मेरा नाम गलत दर्ज होने के कारण मेरा नाम REENU DEVI से RENU DEVI के रूप में परिवर्तन हुआ है इस आशय का शपथ पत्र साथ में संलग्न है द्वारा शपथ पत्र दिनाँक 05/10/2026 नोटरी जबलपुर मप्र । कृति

नाम परिवर्तन सूचना

मैं, YASH PAUL is legally FATHER of Army No-JC 583730K Rank SUB NAME SURAJ PARKASH UNIT-13 JAK RIF of Presently residing at Vill KOTLI MUFFI, P/O-MAGOWALI, TEH R.S. PURA DISTT JAMMU, (J&K) PIN 181111, शपथ पूर्वक कथन करता हूं कि मेरा नाम मेरे पुत्र के आर्मी रिकार्ड में YASH PAUL दर्ज है जो कि गलत है मेरा सही एवं वास्तविक नाम YASH PAL है जो कि मेरे आधार कार्ड एवं अन्य कागजातों में दर्ज है एवं मेरे इस नाम को मेरे पुत्र के सर्विस रिकार्ड में पढ़ा व सुना एवं एवं मेरे पुत्र के सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जावे। द्वारा शपथ पत्र नं 79AA 812949 दिनांक 05/10/2026 नोटरी जबलपुर म. प्र.

गलत नाम - YASH PAUL
सही नाम - YASH PAL
कृति

CHANGE OF NAME

I, Pawar Jaysing Dattatray is real/ legally FATHER of Army No. - 15754337P, Rank - SIGMN, Name - Pawar Kumar Jaysing, Village - Yavateshwar, Teh - Satara, Dist - Satara, Pin - 415002, Religion - Hindu., I have changed my Name from Pawar Jaysing Dattatray to JAYSING DATTATRAY PAWAR Vide Affidavit No. BY 585898 Dated 05/10/2026 before Notary, Jabalpur (MP).

INCORRECT NAME
Pawar Jaysing Dattatray
CORRECT NAME
JAYSING DATTATRAY PAWAR
कृति

CHANGE OF NAME

I, Vanita is real/ legally Mother of Army No. - 15754337P, Rank - SIGMN, Name - Pawar Kumar Jaysing, Village - Yavateshwar, Teh - Satara, Dist - Satara, Pin - 415002, Religion - Hindu., I have changed my Name from Vanita to Vanita Jaysing Pawar Vide Affidavit No. BY 585899 Dated 05/10/2026 before Notary, Jabalpur (MP).

INCORRECT NAME
Vanita
CORRECT NAME
Vanita Jaysing Pawar
कृति

CHANGE OF NAME

I , NARAYAN DASHRATH VEER is real/ legally FATHER of Army No. - 15753176L, Rank - SIGMN, Name - VEER PRADIP NARAYAN, Village - TALWADE, Teh - HAVELI, Dist - PUNE, Pin - 411062. Religion - Hindu., I have changed my Name from NARAYAN DASHRATH VEER to VEER NARAYAN DASHARATH Vide Affidavit No. BY 585895 Dated 05/10/2026 before Notary, Jabalpur (MP).

INCORRECT NAME
NARAYAN DASHRATH VEER
CORRECT NAME
VEER NARAYAN DASHARATH
कृति

CHANGE OF NAME

I, SANJIWANI is real/ legally Mother of Army No. - 15753176L, Rank - SIGMN, Name - VEER PRADIP NARAYAN, Village - TALWADE, Teh - HAVELI, Dist - PUNE, Pin - 411062, Religion - Hindu., I have changed my Name from SANJIWANI to VEER SANJIWANI NARAYAN Vide Affidavit No. BY 585894 Dated 05/10/2026 before Notary, Jabalpur (MP).

INCORRECT NAME
SANJIWANI
CORRECT NAME
VEER SANJIWANI NARAYAN
कृति

निविदा/ नियुक्ति/ जाहिरात

CHANGE OF NAME

I, V Budevi is real/ legally Mother of Army No. - 15725886M, Rank - SIGMN, Name - Vemula krishna, Unit - 1TTR, Vill - kagaznagar, Dist - komarambheem, State - telangana, Pin - 504296. Religion - Hindu., I have changed my Name from V Budevi to Vemula Bhudevi Vide Affidavit No. BY 585896 Dated 05/10/2026 before Notary, Jabalpur (MP).

INCORRECT NAME
V Budevi
CORRECT NAME
Vemula Bhudevi
कृति

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील अधारताल, जबलपुर

रा.प्र.क्रं/1414/अ-6/2026-2027
जबलपुर, दिनांक 18/09/2026

आम इश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण- मोहम्मद इदरीश अंसारी पिता स्व. श्री मोहम्मद हबीब अंसारी एवं अन्य निवासी मं.नं. 57, कैसर विला, रद्दी, राम नगर, चितरंजन वार्ड, जबलपुर, जिला जबलपुर, सम्पत्ति मौजा-गोहलपुर, प.ह.नं. 601, डाय. शीट नं. 203, प्लाट नं. 114/1 तहसील अधारताल, जिला जबलपुर में स्थित भूमि खसरा नं. का रकवा 2602 वर्गफुट भूमि पर विक्रेता शेख गाजी पिता करीम बखश का नाम दर्ज है। मोहम्मद हबीब अंसारी की मृत्यु दिनाँक 21/02/1988 को हो जाने के कारण वर्तमान राजस्व अभिलेखों में नाम दर्ज किये जाने हेतु फौती के आधार पर आवेदन प्रस्तुत किया गया है। तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो तो वो अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेज पेशी दिनांक 13/10/26 तक कार्यालय तहसीलदार तहसील अधारताल महोदय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है। पेशी अवधि व्यतीत हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा। आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

जारी दिनांक 18/09/2026
पेशी दिनांक 13/10/2026

नायब तहसीलदार,
अधारताल, जबलपुर
र.नं. 2507

न्यायालय तहसीलदार तहसील गोरखपुर जिला जबलपुर

रा.प्र.क./1683/अ-6/2026-27
जबलपुर, दिनांक 05/10/2026

आम इश्तहार

एदत् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता मौजा पुरवा तहसील गोरखपुर जिला जबलपुर द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्री मनीष कुमार नेमा पिता स्व. बलराम नेमा निवासी- शास्त्री नगर जिला जबलपुर द्वारा मौजा पुरवा तहसील गोरखपुर जिला जबलपुर स्थित भूमि खसरा नं. 769/13, 769/13, 770/13 कुल रकबा 0.0370 हेक्टे. अर्थात 4200 वर्गफुट भाग 24/37 पर फौती के आधार पर नामांतरण हेतु आवेदन पत्र न्यायालय में पेश किया गया है। उक्त प्रकरण इस न्यायालय में प्रचलित है। प्रकरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति/संस्था को किसी भी प्रकार की आपत्ति हो तो स्वयं या अपने अधिवक्ता या अधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 12/10/2026 तक प्रस्तुत कर सकते है।

इश्तहार न्यायालय की मुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक 05/10/28. को जारी।

पेशी दिनांक 12/10/2026

तहसीलदार गोरखपुर एवं
कार्यपालिक दण्डाधिकारी जबलपुर
र.नं. 2509

(फौती)

न्यायालय तहसीलदार रांझी जबलपुर

रा.प्र.क्रं/1107/अ-6/2026-27

आम इश्तहार

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक कल्पना रजक पति स्व. प्रकाश रजक निवासी- 308 खलासी लाइन छोटी ओमती जबलपुर ने मौजा बेलबाग नजूल ब्लाक नं./डाय. शीट नं. 97 प्लाट नं. 115/3 रकवा 747.5 व.फु. खसरा नं. .... रकवा ... व.फु./हे. पर वारसान हक दिनांक के .... के आधार पर क्रेता/खातेदार की मृत्यु दिनांक 27/06/22 को हो जाने के कारण वारसान हक/ क्रय उपरांत नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, खसरा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है। प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नजूल संधारण खसरा/पटवारी/डायवर्सन खसरा अनुसार नजूल बेलबाग ब्लाक नं. 97 प्लाट नं. 115/3 रकवा 747.5 व.फु./हे. ग्राम ... प.ह.नं. ... खसरा नं. .... रकवा ... हे. पर दालचंद पिता मंगल प्रसाद, दीपक प्रकाश पिता बालचंद मोहित ना.बा. बली एवं पिता दालचंद रजक सा. छोटी ओमती का नाम दर्ज है। अतः किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 13/10/2026 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता की आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी। इश्तहार आज दिनांक 28/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

जारी दिनांक 28/09/2026
पेशी दिनांक 13/10/2026

तहसीलदार,
रांझी, जबलपुर (म.प्र.)
र.नं. 2515

आम सूचना

मैं अमरजीत कुमार पिता श्री राम प्रवेश कुमार निवासी बोध विहार पटना सूचित करता हूँ कि मैं श्री राम लाल सेन पिता घसीटे लाल सेन निवासी अधारताल संजयनगर जबलपुर से जय प्रकाश वार्ड, नायडू कॉलोनी पनागर जबलपुर के स्थित 1620 वर्ग फुट खाली प्लॉट जिसका खसरा नंबर 297 पटवारी हल्का नंबर 00132 में से 20X40=800 SF प्लॉट ले रहा हूं, किसी को उक्त संपत्ति के विक्रय में कोई आपत्ति है तो 03 दिवस में सूचित करें।

अमरजीत कुमार
7992349297
नैन ज्योति नौरिया (एडवोकेट)
मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय
2333/1, शारदा चौक, राजेश सॉ मिल के पास नागपुर रोड, जबलपुर (म.प्र.)
मो.:7869550655, 9770847468
कृति

कार्यालय संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

भवन नामांतरण / हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि धनवंतरी नगर जबलपुर में स्थित भवन कमांक MIG-126 श्री श्याम सुंदर गुप्ता पिता श्री रमेश चंद्र गुप्ता के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 26.06.2004 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्री श्याम सुंदर गुप्ता पिता श्री रमेश चंद्र गुप्ता ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 24.03.2026 के माध्यम से श्री 1008 शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर जी दस्ट को विक्रय किया है। अतः श्री 1008 शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर जी ट्रस्ट द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरूण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन / भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर
कृति

नाम सुधार सूचना

मैं- रंजना पन्द्रे पति कुंजी लाल पन्द्रे निवासी मुर्गा टोला बम्हनी बंजर जैदपुर जिला मण्डला म. प्र. की शपथबूर्वक कथन करती हूँ कि-

1.यह कि मेरे विवाह के पूर्व मेरे समस्त शैक्षणिक अभिलेखों में मेरा नाम रंजना उइके बिता श्रीरामनाथ उड़के पता ग्राममल्धा पोस्ट पाला सुन्दर तहसील नैनपुर जिला मण्डला म.प्र. था ।

2. यह कि मेरा विवाह दिनांक 29.04.2017 को श्री कुंजी लाल पन्द्रे के साथ हिन्दू रीति रिवाज अनुसार संपन्न हुआ था ।

3. यह कि मैं अपने विवाह उपरांत संजना पन्द्रे पति श्री कुंजी लाल पन्द्रे के नाम से जानी पहचानी जाती हूं तथा जहां कहीं भी आवश्यकता हो तो मुझे इसी नाम से लिखा व पढ़ा माना जावे ।

4. यह कि यह शपथ पत्र कुमारी से श्रीमति व सरनैम चैज होने की जानकारी बाबत प्रस्तुत है।

स्थान- जबलपुर
दिनांक 03. 10. 2026
शपथकर्ती
रंजना पन्द्रे
र.नं. 2502

नाम परिवर्तन सूचना

मैं, KAILASH SHARMA is legally MOTHER of Army no JC 583730K Rank SUB NAME-SURAJ PARKASH UNIT- 13 JAK RIF of Presently residing at Vill-KOTLI MUFFI, P/O-MAGOWALI, TEH-R.S. PURA, DISTT-JAMMU, (J&K) PIN 181111, शपथ पूर्वक कथन करती हूं कि मेरा नाम मेरे पुत्र के आर्मी रिकार्ड में KAILASH SHARMA दर्ज है जो कि गलत है मेरा सही एवं वास्तविक नाम KAILASHO SHARMA है जो कि मेरे आधार कार्ड एवं अन्य कागजातों में दर्ज है एवं मेरे इस नाम को मेरे पुत्र के सर्विस रिकार्ड में पढ़ा व सुना एवं एवं मेरे पुत्र के सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जावे। द्वारा शपथ पत्र नं 79AA 812950 दिनांक 05/10/2026 नोटरी जबलपुर म. प्र.

गलत नाम - KAILASH SHARMA
सही नाम - KAILASHO SHARMA
कृति

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को इस सार्वजनिक सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मैं, विजय जैन, पिता श्री रतन चंद जैन, निवासी 101, नियर कमानिया गेट, पनागर, जिला जबलपुर, अपने पुत्र श्री आदीश जैन से अपने समस्त प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष संबंध समाप्त करता हूँ तथा उसे अपनी चल एवं अचल संपत्तियों से बेदखल करता हूँ।

अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आदीश जैन के साथ किसी भी प्रकार का लेन-देन, व्यापारिक व्यवहार अथवा अन्य किसी प्रकार का आर्थिक या व्यावसायिक संबंध स्थापित करने वाला व्यक्ति स्वयं उसके लिए उत्तरदायी होगा। आदीश जैन द्वारा किए जाने वाले किसी भी लेन-देन, व्यापारिक व्यवहार अथवा अन्य कार्य के लिए मैं किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं रहूँगा।

दिनांक-05/10/2026
विजय जैन
र.नं. 2508

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार तहसील आधारताल, जबलपुर

रा.प्र.क्र./3479/अ-6/2026-2027
जबलपुर, दिनांक 23/9/2026

आम इश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदन का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि आवेदक विनोद विश्वकर्मा पिता स्व. मोतीलाल विश्वकर्मा निवासी ग्राम महाराजपुर जबलपुर के द्वारा फौती नामांतरण आवेदक के पिता स्व. मोतीलाल विश्वकर्मा पिता स्व. चुन्नी लाल विश्वकर्मा की मृत्यु दिनांक 05/02/1987 एवं माता स्व. निर्मला विश्वकर्मा पति स्व. मोतीलाल विश्वकर्मा की मृत्यु दिनांक 19/11/2022 एवं भाई स्व. अशोक विश्वकर्मा पिता स्व. मोतीलाल विश्वकर्मा की मृत्यु दिनांक 03/09/2015 को हुआ चुकी है। जिनके विधिक व्रसान आवेदक विनोद विश्वकर्मा पिता स्व. मोतीलाल विश्वकर्मा हैं। तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो तो नियत पेशी दिनांक 9/10/2026. तक इस न्यायालय में स्वंय या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

जारी दिनांक - 23/09/2026
पेशी दिनांक - 09/10/2026

अतिरिक्त तहसीलदार
अधारताल, जबलपुर
र.नं. 2511

न्यायालय तहसीलदार तहसील अधारताल, जिला जबलपुर

रा.प्र.क्र. 1541/अ-6/2026-27
जबलपुर दिनांक 22/09/2026

आम इश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक- आनंद मय बैनर्जी उम्र 63 वर्ष पिता स्व. आर.एन. बैनर्जी निवासी- 995/के, अरूनालय, पहली गली, बाई का बगीचा, जबलपुर म.प्र. द्वारा मौजा जबलपुर, नं.बं. 264. प.ह.नं. 30, रा.नि.मं. जबलपुर-1, तहसील अधारताल जिला जबलपुर स्थित डायवर्सन शीट नं. 123, प्लाट नं. 387/2, रकवा 1190 वर्गफुट है। आवेदक के पिता स्व. आर.एन. बैनर्जी की मृत्यु दिनांक 25/11/2014 एवं आवेदक की मां स्व. मोनिका बैनर्जी की मृत्यु दिनांक 29/07/2025 को हो चुकी है। वर्तमान राजस्व अभिलेख में आर. एन. बैनर्जी आत्मज जी.सी. बैनर्जी का नाम दर्ज है। तत्संबंध में फौती नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो वो अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेज पेशी दिनांक..06/10/26 तक कार्यालय तहसीलदार तहसील अधारताल महोदय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है। पेशी अवधि व्यतीत हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

जारी दिनांक- 22/09/2026
पेशी दिनांक- 06/10/2026

तहसीलदार,
अधारताल जबलपुर
र.नं. 2512

FOR CHANGE OF NAME

It is for general information that I, RAVI SHANKAR TIWARI S/O RAM PRASAD TIWARI, residing at H.No.251, Nand Nagar, Manegaon, Post Khamaria, Jabalpur (M.P.) 482005, declare that name of mine has been wrongly written as RAVI SHANKAR in my Service Record. The actual name of mine is RAVI SHANKAR TIWARI, which may be amended accordingly.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

(RAVI SHANKAR TIWARI)
Applicant
कृति

FOR CHANGE OF NAME

It is for general information that I, RAKESH TIWARI S/O MAHESH PRASAD TIWARI, residing at H.No.17, Kashi Green Colony, Pipariya, Ward No.79, Post Khamaria, Jabalpur (M.P.) 482005, declare that name of mine has been wrongly written as RAKESH in my Service Record. The actual name of mine is RAKESH TIWARI, which may be amended accordingly.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

(RAKESH TIWARI)
Applicant
कृति

FOR CHANGE OF NAME

It is for general information that I, KENI ANTHONY S/O ANTHONY FRANCIS, residing at H.No.2 A, Mandla Road, Bilhari, Model Town, Jabalpur (M.P.) 482020, declare that name of mine has been wrongly written as KENI FRANCIS in my minor son namely IWIN FRANCIS, aged 17 years in his 10th Class Marksheet. The actual name of mine is KENI ANTHONY, which may be amended accordingly.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

(KENI ANTHONY)
Applicant
कृति

आम सूचना

मैं रेवती आनंद Revati Anand पुत्री श्री राकेश आनंद निवासी-894. साउथ सिविल लाईन्स, सांई मंदिर, साउथ सिविल लाईन जबलपुर म.प्र. यह घोषणा करती हूं कि मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम रेवती मनन खेर Ravati Manan kher दर्ज है। जबकि मेरे आधार कार्ड, पेन कार्ड में मेरा नाम रेवती आनंद Revati Anand दर्ज है। रेवती आनंद Revati Anand एवं रेवती मनन खेर Ravati Manan kher दोनों एक ही महिला के नाम है। भविष्य में मुझे सभी अर्धशासकीय, शासकीय, समस्त दस्तावेजों में रेवती आनंद Revati Anand के नाम से लिखा, पढ़ा दर्ज किया जावे।

पुराना नाम-
रेवती मनन खेर
Revati Manan kher
नया नाम-
रेवती आनंद
Revati Anand
R.No. 2500

महिला पत्रकारों ने राहुल से मिलकर बताई पुलिस की बर्बरता

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में पुलिस पर मारपीट और अभद्रता के आरोप लगाने वाली महिला पत्रकार नफीसा और उनकी बहन ने मंगलवार को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात कर उन्हें पूरी घटना की जानकारी दी। नफीसा ने कथित मारपीट में शामिल पुलिस अधिकारियों के नाम बताते हुए संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि घटना की सच्चाई सामने लाने के लिए थाने और संबंधित स्थानों के सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक किए जाने चाहिए। नफीसा ने बताया कि मारपीट की घटना में एसएचओ दिनेश कुमार और एसआई सोनम समेत अन्य पुलिसकर्मियों की भूमिका रही। उन्होंने इन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग राहुल गांधी के सामने रखी। पत्रकारों ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक होने से यह स्पष्ट हो सकेगा कि उनके साथ वास्तव में क्या हुआ था और घटना में कौन-कौन अधिकारी शामिल थे। मुलाकात के दौरान महिला पत्रकारों ने पुलिस पर अभद्र व्यवहार और मारपीट के आरोपों से जुड़े तथ्य राहुल गांधी को बताए। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। हालांकि, लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

देशबन्धु

जबलपुर, मंगलवार, 06 अक्टूबर 2026

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

मताधिकार पर जस्टिस भुईयां की अहम टिप्पणी

ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए देश में तेज हो रहे आंदोलन, चुनाव चोरी के मसले पर मोदी सरकार के खिलाफ बढ़ती नाराजगी और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के खिलाफ बढ़ते संदेह के बीच एक राहत देने वाला बयान सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस उज्ज्वल भुईयां की तरफ से आया है। हालांकि जस्टिस भुईयां ने यह टिप्पणी किसी सुनवाई के दौरान नहीं की है, न ही यह किसी फैसले का हिस्सा है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा न्यायाधीश होने के नाते ही उनकी यह टिप्पणी काफी अहम है, क्योंकि इसमें नागरिकता और मताधिकार के बीच के अटूट संबंध को रेखांकित किया गया है। एसआईआर पर विवाद इसी वजह से ही उठे हैं कि मतदाता सूची शुद्धिकरण के नाम पर दस-बीस नहीं कम से कम 13 करोड़ लोगों से मताधिकार छीन लिया गया है। मताधिकार छीनने की कवायद को जस्टिस उज्ज्वल भुईयां ने संविधान के मूल ढांचे पर प्रहार के समान बताया है। उन्होंने कहा कि अगर कोई प्रक्रिया लाखों भारतीय नागरिकों को उनके मतदान के अधिकार से वंचित कर उन्हें अपने ही देश में बिना वोट वाले नागरिकों में बदल देती है, तो ऐसी प्रक्रिया 'स्वाभाविक रूप से मनमानी' होगी और संविधान के मूल ढांचे पर चोट करेगी।

हैदराबाद की नालसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ में आयोजित 19वें जस्टिस बोध राज साहनी मेमोरियल मूट कोर्ट प्रतियोगिता के समापन पर जस्टिस भुईयां ने कहा कि भारतीय संविधान नागरिकों की दो श्रेणियां नहीं बनाता- एक वे जिनके पास वोट देने का अधिकार है और दूसरी वे जिनके पास यह अधिकार नहीं है। वोट छीनने वाली किसी भी प्रक्रिया को स्वभावत: मनमाना बताते हुए उन्होंने कहा कि इसे किसी भी तरह की दलील या बहाने से जायज नहीं ठहराया जा सकता। उनके मुताबिक ऐसी स्थिति संविधान के 'दिल' पर चोट करती है और भारत द्वारा अपनाए गए संवैधानिक शासन-व्यवस्था की ही नकार बन जाती है। जस्टिस भुईयां ने अपने भाषण में सीधे तौर पर न एसआईआर का नाम लिया, न ज्ञानेश कुमार का जिक्र इस संदर्भ में किया, न ही सुप्रीम कोर्ट में एसआईआर को जायज ठहराने वाले जो फैसले पिछले कुछ वक्त में आए हैं, उन पर कुछ कहा, लेकिन यह सब सीधे तौर पर न कहते हुए भी जस्टिस भुईयां ने अपने भाषण में दो टूक कहा कि किसी भारतीय नागरिक की पहचान से उसके वोट देने या मतदाता सूची में शामिल होने के अधिकार को अलग नहीं किया जा सकता। उन्होंने इसकी तुलना शरीर से आत्मा निकालने से की। यानी नागरिकता और मताधिकार को एक-दूसरे से अलग करके नहीं देखा जा सकता। उन्होंने कानून के विद्यार्थियों और भावी वकीलों के जरिए देश को याद दिलाया कि भारत जैसे लोकतंत्र में आम नागरिक के लिए सरकार के संचालन में भागीदारी का सबसे महत्वपूर्ण और सीधा माध्यम उसका वोट है। उन्होंने कहा कि मताधिकार नागरिकता का सार है और यही वह माध्यम है जिसके जरिए देश का सामान्य नागरिक शासन-व्यवस्था में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करता है।

जस्टिस भुईयां ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 326 को विशेष रूप से महत्वपूर्ण बताया जो लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं के चुनावों को वयस्क मताधिकार के आधार पर कराए जाने की संवैधानिक व्यवस्था करता है। जस्टिस भुईयां ने साफ कहा कि अनुच्छेद 326 के साथ छेड़छाड़ नहीं की जा सकती। उन्होंने जोर देकर कहा कि कोई प्राधिकरण ऐसा नहीं कर सकता और कोई अदालत भी ऐसी प्रक्रिया को मंजूरी नहीं दे सकती जो संवैधानिक मताधिकार को बड़े पैमाने पर खत्म करती हो। उन्होंने कहा कि 'कोई भी संविधान से ऊपर नहीं है।'

इसके साथ ही जस्टिस भुईयां ने अनुच्छेद 326 को संविधान के अनुच्छेद 14 में निहित समानता के सिद्धांत से भी जोड़ा। अनुच्छेद 14 कानून के समक्ष समानता और कानूनों के समान संरक्षण की गारंटी देता है। जस्टिस भुईयां के अनुसार सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार इस समानता का वास्तविक लोकतांत्रिक अर्थ देता है। यानी समाज में ऊंची स्थिति वाला व्यक्ति और सबसे निचले सामाजिक-आर्थिक पायदान पर खड़ा व्यक्ति दोनों के नागरिक के तौर पर एक जैसी हैसियत है और दोनों के चुनाव में एक-एक वोट हैं। उन्होंने इसे भारतीय संविधान के उस परिवर्तनकारी दृष्टिकोण के रूप में प्रस्तुत किया जिसमें आर्थिक और सामाजिक असमानताओं के बावजूद राजनीतिक समानता सुनिश्चित की गई है। जस्टिस भुइयां ने अनुच्छेद 325 का भी उल्लेख किया। इसके तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनावों के लिए प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में एक सामान्य मतदाता सूची का प्रावधान है। जस्टिस भुईयां ने बाबा साहेब अंबेडकर के उद्देश्य को याद दिलाया कि संविधान निर्माताओं ने मताधिकार को केवल संसद द्वारा बनाए जाने वाले सामान्य कानून के भरोसे नहीं छोड़ा, बल्कि इसे संविधान में ही जगह दी।

इसके साथ ही जस्टिस भुईयां ने मतदाता सूची से नाम हटाने की प्रक्रिया पर भी महत्वपूर्ण टिप्पणी की। उन्होंने जनप्रतिनिधित्व कानून, 1950 और सुप्रीम कोर्ट के पुराने फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि किसी मतदाता का नाम एक बार मतदाता सूची में दर्ज हो जाने के बाद, मृत मतदाता के मामले को छोड़कर, उसे बिना नोटिस और सुनवाई के हटाया नहीं जा सकता। यह टिप्पणी एसआईआर के संदर्भ में खास महत्व रखती है। एक अकादमिक कार्यक्रम में जस्टिस भुईयां के संवैधानिक और लोकतांत्रिक सिद्धांतों पर आधारित भाषण का महत्व एसआईआर तत्काल बंद करने की मांग के बीच और बढ़ जाता है। नरेन्द्र मोदी, अमित शाह और ज्ञानेश कुमार के कारण देश में लोकतंत्र कुचलने का जो निराशाजनक माहौल बनाया गया है, उसमें इन दिनों चल रहा आंदोलन और इसके साथ जस्टिस भुईयां का भाषण वैसा ही है जैसा फैज़ अहमद फैज़ ने कहा था कि-बीमार को बेवज्ह क़रार आ जाए।

सामाजिक प्रतिक्रांति का युद्धघोष

राजेंद्र शर्मा

> राष्ट्रीय आंदोलन से उन्मुक्त हुई सामाजिक क्रांति को पलटने के लिए संघ-भाजपा का प्रतिक्रांतिकारी हमला दो टांगों पर खड़ा है—हिंदू श्रेष्ठतावाद और मनुवाद या ब्राह्मणवाद, जिसमें सवर्णवाद और मर्दवाद दोनों का योग है। शासन के विभिन्न स्तरों तक इस हमले के पहुंचने से सामाजिक प्रतिक्रांति का वास्तविक खतरा पैदा हो गया है।

पितृसत्ता से लेकर जाति का विनाश, इतिहास के गैर-ब्राह्मणीकरण से मनु का श्राप तक'— पहली नजर में बेशक यह किसी को भी सामाजिक सुधार और जागरण की कार्यसूची लग सकती है। जाहिर है कि फुले दम्पति, पेरियार, डॉ अम्बेडकर तथा अन्य तमाम समाज सुधारकों की नहीं, अपने जरा अलग तरीके से गांधी की तथा उनके नेतृत्व में राष्ट्रीय आंदोलन की कार्यसूची का भी यह सब जरूरी हिस्सा रहा था। इसीलिए तो, इस राष्ट्रीय आंदोलन के गर्भ से जिस स्वतंत्र भारत का जन्म हुआ, उसका संविधान कम से कम इस कार्यसूची के अनुरूप जरूर था। इससे स्वाभाविक अपेक्षा तो यही की जाती है कि देश की शिक्षा व्यवस्था और खासतौर पर उच्च शिक्षा व्यवस्था इस सामाजिक कार्यसूची को आगे बढ़ाने में मददगार होगी। हैरानी नहीं होगी कि इनके पांवों तले कुचले जाते रहे तबकों के बीच से तथा उनके हमदर्दों की कुछ गर्म आवाजें पितृसत्ता, जाति व्यवस्था, इतिहास के ब्राह्मणीकरण और मनुवाद को 'जहर' बताएं और इसकी काट या एंटी-डोट की तलाश को अपनी विद्वत्ता का लक्ष्य बनाएं। यह सामाजिक क्रांति का वह एजेंडा है, जिसे राष्ट्रीय आंदोलन पूरा तो नहीं कर सका, पर उसने बलपूर्वक देश के सामने रखा ही नहीं था, ऐसी शक्तियों को भी उन्मुक्त कर दिया था, जो इस एजेंडा को आगे ले जाने वाली थीं।

लेकिन, इसके उलट को क्या कहेंगे? पितृसत्ता के विरोध को, जाति के विनाश की वकालत को, इतिहास के ब्राह्मणीकरण की तथा मनु की आलोचना को ही अगर कोई 'जहर' बताए तो? स्वाभाविक रूप से इसका एक ही जवाब हो सकता है—यह तो सामाजिक प्रतिक्रांति का एजेंडा है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संघ-भाजपा की सरकार के दबे-छुपे ढंग से सामाजिक प्रतिक्रांति की शक्तियों तथा प्रवृत्तियों को बढ़ावा देने और उससे ज्यादा खुलेआम सामाजिक क्रांति की प्रवृत्तियों को कमजोर करने की बात तो किसी से छुपी हुई नहीं थी। लेकिन, ऐसा लगता है कि मोदी राज के तीसरे कार्यकाल में सामाजिक प्रतिक्रांति की ताकतों के हाथों में बढ़ते पैमाने शासकीय नीति की बागडोर ही सौंपी जा रही है। केंद्रीय विश्वविद्यालयों में वामपंथी के साथ-साथ अंबेडकरवादी विद्वत्ता/विचारों की मौजूदगी की जांच की सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय से सितंबर के आखिर में आयी मांग, इसी सच्चाई को गाढ़े रंग से रेखांकित करती है।

इस प्रसंग को चूंकि मुख्यधारा के मीडिया में बहुत हद तक अनदेखा ही कर दिया गया है, जबकि इस मामले में सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय की हैरान करने वाली सक्रियता स्पष्ट रूप से देखने को मिलती है, जो पूरे शासन के इस दिशा में प्रवृत्त होने का संकेत देती है, इसलिए हम यहां इस प्रसंग का थोड़े विस्तार से जिक्र करना चाहेंगे। इस प्रकरण की शुरूआत, 26 सितंबर को, सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर आए एक गुमनाम ट्वीट से होती है। इस ट्वीट में देश के वर्तमान नीति निर्धारकों को चेताया जाता है कि पितृसत्ता, जाति, ब्राह्मणवाद, मनुवाद की आलोचनाओं का 'जहर' युवा दिमागों में भरा जा रहा है, जिसके जरिए वामपंथी जुंडली शिक्षण का उपयोग अपनी कतारों में भर्ती के लिए रंगरूट तैयार करने के लिए कर रही है!

बहरहाल, वामपंथ पर हमले की आड़ में वास्तव में सामाजिक रूप से उत्पीड़ितों, खासतौर पर वंचित जातियों तथा महिलाओं के अधिकारों तथा उनकी समानता की पुकारों का रास्ता खोलने वाली और उनका रास्ता रोकने वाली मेधाओं को उच्च शिक्षा के दायरे से बहिष्कृत ही करने की आरएसएस की मांग तब पूरी तरह से उजागर हो जाती है, जब उक्त ट्वीट के साथ लगायी गयी सूची में डॉ. अंबेडकर की 'एन्हिलेशन ऑफ कास्ट' से लेकर, पेरियार, फुले दम्पति तक के लेखन को उक्त 'जहर' के उदाहरण के रूप में गिनाया जाता है। ट्वीट के साथ जोड़ी गयी तस्वीर में पूरी 35 पुस्तकें हैं, जिनमें आसानी से समझ में आने वाले कारणों से, महिला लेखिकाओं की संख्या अनुपातहीन तरीके से ज्यादा है। यानी यह वामपंथ का नाम लेकर, हर प्रकार की प्रगतिशील धाराओं और खासतौर पर जातिभेद-विरोधी तथा लिंगभेद-निषेधक बराबरी के विचारों को शिक्षा के दायरे से उसी तरह बहिष्कृत करने के प्रयासों का एक उदाहरण है, जिस तरह के हमलों के जरिए ब्राह्मणवाद ने बहुत पुराने जमाने में चार्वाक और आजीवक जैसी भौतिकवादी दार्शनिक धाराओं को हाशिए से भी नीचे धकेल दिया था।

इस गुमनाम ट्वीट के आने के बाद जो कुछ होता है, वह और भी ज्यादा मानीखेज है। प्रधानमंत्री कार्यालय इस ट्वीट का स्वत: संज्ञान लेकर, उच्च शिक्षा विभाग को इस संबंध में एक चिट्ठी लिखता है और संबंधित विभाग उसी दिन, यानी 27 सितंबर को ही सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों को चिट्ठी लिखकर उनसे फौरन इन शिकायतों पर उनका जवाब मांगता है। जाहिर है कि केंद्रीय विश्वविद्यालय तुरंत इस मामले की समीक्षा में जुट जाते हैं। केंद्रीय विश्वविद्यालयों से इस शिकायत के सिलसिले में पूछा गया एक सवाल और भी ज्यादा आशंकाएं पैदा करने वाला है। उन्हें यह भी बताना है कि उक्त 'जहर' फैलाने वाले विचारकों/ लेखकों से जुड़े पाठ्यक्रमों में कितने छात्र हैं। यानी कुल मिलाकर इस जहर के फैलने और फैलाने का पैमाना कितना है? इसके लिए कितनी और कैसी घेरेबंदी की जरूरत होगी?

बेशक, जातिवाद तथा मर्दवाद के पक्ष में वर्तमान शासन के सीधे हस्तक्षेप का यह पहला उदाहरण हो भी, तब भी इसके पीछे चले आ रहे एक लगातार जारी सिलसिले को याद रखना जरूरी है। पाठकों को याद होगा कि रोहित वेमुला की संस्थागत हत्या समेत उच्च शिक्षा संस्थाओं में जातिवादी भेदभाव के अनेक प्रकरणों की पृष्ठभूमि में, सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर, विश्व विद्यालय अनुदान आयोग ने आधे-अधूरे तरीके से जो दिशा-निर्देश तैयार किए थे, उनके खिलाफ भी जाहिर है कि संघ परिवार के संगठनों की संलिप्तता के साथ, विरोध का तूफान खड़ा करने की कोशिश की गयी थी। तुरंत सुप्रीम कोर्ट ने भी इसकी सुनवाई कर, इन दिशानिर्देशों पर रोक ही लगा दी थी।

सवर्ण गोलबंदी के इसी सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए, नीट परीक्षाओं की धांधली से भड़के छात्रों और युवाओं के जंतर-मंतर आंदोलन के बाद के दौर में, उसके समानांतर सवर्ण युवाओं की लामबंदी की कोशिशों के जरिए, युवाओं को बांटने की कोशिश की गयी थी। और जब यह कोशिश, खास कामयाब नहीं हुई, तब जंतर-मंतर आंदोलन के फौरन बाद, आरक्षण व्यवस्था में सुधार के नाम पर, आरक्षण-विरोधी आंदोलन खड़ा करने की कोशिश की गयी। यह दूसरी बात है कि इसका ज्यादा व्यापक प्रभाव नहीं नजर आया, उल्टे इसके पीछे सत्ताधारी भाजपा तथा संघ के नेताओं का हाथ होने का सच ही उजागर हो गया। उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार के उप-मुख्यमंत्री, बृजेश पाठक खासतौर पर इस खेल के पीछे खड़े नजर आ रहे थे और उनकी सरकार इसे छुपाने की कोई कोशिश भी नहीं कर रही थी। इसी खुल्लमखुल्लापन को अब केंद्र की शिक्षा नीति में अगली मंजिल पर पहुंचा दिया गया है।

यह भी याद रहे कि संघ परिवार पहले से ही जातिवाद तथा लिंगभेद की सच्चाइयों को ही नकारने के जरिए, इन असमानताओं को मिटाने के संघर्षों को ही गैर-जरूरी साबित करने में लगा रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, इसी प्रतिगामी रुख की शासकीय नीति के स्तर पर अभिव्यक्ति में, मोदी सरकार इसके लिए बराबर लड़ती आयी है कि रंगभेद-विरोधी वैश्विक एकजुटता में, भारत के जाति भेद के जिक्र को हर्गिज शामिल नहीं किया जाए। इसी प्रकार, पश्चिमी देशों में कुछ शैक्षणिक परिसरों में जहां भारतीय छात्रों की भी ठीक-ठाक उपस्थिति है, जब भी भेद-भाव विरोधी पहलों के हिस्से के तौर पर, जाति-भेद विरोधी कदमों के शामिल किए जाने की बात आयी है, संघ परिवार से जुड़े संगठनों ने ही नहीं, उनकी पीठ पर हाथ रखने के जरिए वर्तमान सरकार ने भी, ऐसी सभी कोशिशों का विरोध ही किया है। यह आरएसएस के बुनियादी एजेंडा को ही दिखाता है, जो अपने सारे दिखावे के बावजूद, जातिवादी तथा लिंगभेदी, विशेषाधिकारों का हिमायती ही बना रहा है।

राष्ट्रीय आंदोलन से उन्मुक्त हुई सामाजिक क्रांति को पलटने के लिए संघ-भाजपा का प्रतिक्रांतिकारी हमला दो टांगों पर खड़ा है—हिंदू श्रेष्ठतावाद और मनुवाद या ब्राह्मणवाद, जिसमें सवर्णवाद और मर्दवाद दोनों का योग है। शासन के विभिन्न स्तरों तक इस हमले के पहुंचने से सामाजिक प्रतिक्रांति का वास्तविक खतरा पैदा हो गया है। जातिगत तथा लैंगिक समानता समेत, हर तरह की समानता की सोच आज निशाने पर है। कथित दिमागी नक्सलों के खिलाफ युद्ध की वर्तमान संघी सत्ता की पुकार, इसी सामाजिक प्रतिक्रांति का युद्धघोष है।

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

बच्चों के पोषण में डिजिटलीकरण न बने बाधा

■ राजु कुमार

> भोजन और पोषण से जुड़ी योजनाओं में बढ़ते डिजिटलीकरण को भी इसी संदर्भ में देखने की जरूरत है, ताकि तकनीक बच्चों तक भोजन और पोषण की पहुंच में बाधा न बने। डिजिटलीकरण के कारण बच्चे की भोजन और पोषण सेवाएं प्रभावित नहीं होनी चाहिए। बच्चों के निजी आंकड़ों की सुरक्षा का सवाल भी इससे जुड़ा है। दूसरी ओर, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और शिक्षकों पर डिजिटल रिपोर्टिंग का काम इतना नहीं बढ़ना चाहिए कि बच्चों के साथ सीधे काम करने का उनका समय कम होने लगे।

हाल के वर्षों में लगभग हर क्षेत्र में डिजिटल प्रक्रिया तेजी से बढ़ी है। केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा लक्षित समूहों के लिए चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं में भी तकनीक का इस्तेमाल लगातार बढ़ रहा है। इससे योजनाओं की निगरानी और पारदर्शिता बेहतर हो सकती है, लेकिन तकनीकी प्रक्रिया पूरी नहीं होने के कारण पात्र व्यक्ति योजना से वंचित रह जाए, तो यह चिंता का विषय है। बच्चों के भोजन और पोषण से जुड़ी योजनाओं में यह सवाल और महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि देश में बाल कुपोषण अब भी गंभीर समस्या बना हुआ है। ऐसे में आधार, ई-केवाईसी, फेस रिकग्निशन या किसी ऐप की तकनीकी प्रक्रिया के कारण किसी बच्चे का भोजन और पोषण नहीं रुकना चाहिए। तकनीक का इस्तेमाल योजनाओं को बेहतर बनाने और उनकी निगरानी के लिए हो सकता है, लेकिन गरीब, प्रवासी, आदिवासी और दूसरे वंचित परिवारों के बच्चों के लिए ऐसी शर्तें भोजन और पोषण सेवाओं तक पहुंच को और कठिन बना सकती हैं।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 के अनुसार देश में पांच साल से कम उम्र के 29.3 प्रतिशत बच्चे ठिगनेपन के शिकार हैं, 19 प्रतिशत बच्चे दुबले हैं और 31.8 प्रतिशत बच्चों का वजन उनकी उम्र के अनुसार कम है। पिछले राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के मुकाबले इन संकेतकों में सुधार दर्ज हुआ है, लेकिन करीब हर तीन में से एक बच्चे का उम्र के अनुसार कम वजन होना बताता है कि चुनौती अभी भी बड़ी है। बच्चे के जीवन के शुरुआती दो वर्षों में पर्याप्त और विविध आहार मिलना भी पोषण का महत्वपूर्ण आधार है इसलिए कुपोषण को खत्म करने के लिए बहुआयामी प्रयास जरूरी हैं।

बच्चे के पोषण की बुनियाद गर्भावस्था के दौरान ही पड़ जाती है। गर्भवती महिला को पर्याप्त पोषण और स्वास्थ्य सेवाएं मिलना, जन्म के बाद स्तनपान, छह महीने के बाद पर्याप्त और विविध पूरक आहार, साफ पानी, संक्रमण से बचाव और समय पर स्वास्थ्य सेवाएं मिलना बच्चे के विकास से सीधे जुड़े हैं। इसके बाद आंगनवाड़ी और स्कूल में मिलने वाला भोजन आता है। इसलिए कुपोषण सामने आने के बाद बच्चे का वजन बढ़ाने के प्रयासों के साथ उन कारणों पर भी काम करना जरूरी है, जिनके चलते बच्चा कुपोषण का शिकार होता है।

इस पूरी व्यवस्था में आंगनवाड़ी की भूमिका महत्वपूर्ण है। गरीब, आदिवासी, दूरदराज और वंचित परिवारों के बच्चों के लिए आंगनवाड़ी पोषण के साथ स्वास्थ्य और शुरुआती देखभाल की व्यवस्था भी है। इसके लिए जरूरत के मुताबिक पर्याप्त आंगनवाड़ी केंद्र, अच्छे भवन, पानी, बिजली और स्वच्छता की सुविधाएं तथा पर्याप्त संख्या में प्रशिक्षित कार्यकर्ता जरूरी हैं। भोजन की गुणवत्ता पर भी उतना ही ध्यान देना होगा। स्थानीय स्तर पर उपलब्ध दाल, मोटे अनाज, सब्जियां और दूसरी पौष्टिक सामग्री से गर्म पका भोजन दिया जा सकता है। स्कूलों में स्थानीय भोजन और किचन गार्डन को बढ़ावा देने के साथ बच्चों में जंक फूड के बढ़ते इस्तेमाल को रोकने के उपाय भी जरूरी हैं।

मां के पोषण और उसकी सामाजिक सुरक्षा का सवाल भी इससे जुड़ा है। असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को गर्भावस्था और प्रसव के दौरान पर्याप्त आर्थिक सहायता नहीं मिलने का असर मां और बच्चे दोनों के पोषण पर पड़ता है। मातृत्व लाभ की पहुंच बढ़ाने के साथ तीन साल से कम उम्र के बच्चों के लिए क्रेच और शुरुआती देखभाल की व्यवस्था पर भी ध्यान देना होगा। प्रवासी मजदूरों, बेघर और विस्थापित परिवारों के बच्चों के लिए समस्या और कठिन है। पहचान या स्थायी पते के अभाव में यदि कोई बच्चा आंगनवाड़ी, स्कूल, भोजन या स्वास्थ्य सेवाओं से बाहर रह जाता है तो इसका सबसे ज्यादा असर पहले से वंचित परिवारों पर पड़ता है।

बच्चों के भोजन की व्यवस्था में स्थानीय समुदाय की भागीदारी बढ़ाने की भी जरूरत है। स्थानीय स्वयं सहायता समूहों, रसोइयों, किसानों, ग्राम पंचायतों, माता-पिता और स्कूल प्रबंधन समितियों को इससे जोड़ने पर भोजन की गुणवत्ता और निगरानी दोनों में मदद मिल सकती है। स्थानीय किसानों से दाल, मोटे अनाज और दूसरी पौष्टिक सामग्री की खरीद बच्चों को स्थानीय और विविध भोजन उपलब्ध कराने के साथ किसानों और स्थानीय आजीविका को भी सहारा दे सकती है। इसके साथ सामाजिक अंकेक्षण, भोजन की स्वतंत्र गुणवत्ता जांच, सरकारी ठेकों में पारदर्शिता और शिकायतों के निवारण की प्रभावी व्यवस्था होनी चाहिए। बच्चों के भोजन और पोषण की जिम्मेदारी सरकार की है। इसलिए निजीकरण के बजाय सार्वजनिक व्यवस्था को मजबूत करते हुए स्थानीय भागीदारी को बढ़ावा देने की जरूरत है।

बदलती जलवायु और बार-बार आने वाली प्राकृतिक आपदाओं का असर परिवारों की खाद्य सुरक्षा पर भी पड़ रहा है। सूखा, बाढ़, अत्यधिक गर्मी या आजीविका का नुकसान अंतत: घर में उपलब्ध भोजन को प्रभावित करता है। इसलिए आपदा के समय बच्चों और गर्भवती महिलाओं के भोजन और पोषण की व्यवस्था को राहत कार्यक्रमों का जरूरी हिस्सा बनाना होगा। स्थानीय कृषि और पोषण योजनाओं के बीच बेहतर तालमेल भी जरूरी है। आंगनवाड़ी, आशा और पीएम पोषण से जुड़े फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं को पर्याप्त मानदेय, सामाजिक सुरक्षा, जरूरी संसाधन और काम की बेहतर परिस्थितियां दिए बिना जमीनी स्तर पर पोषण सेवाओं में अपेक्षित सुधार मुश्किल है।

भोजन और पोषण से जुड़ी योजनाओं में बढ़ते डिजिटलीकरण को भी इसी संदर्भ में देखने की जरूरत है, ताकि तकनीक बच्चों तक भोजन और पोषण की पहुंच में बाधा न बने। डिजिटलीकरण के कारण बच्चे की भोजन और पोषण सेवाएं प्रभावित नहीं होनी चाहिए। बच्चों के निजी आंकड़ों की सुरक्षा का सवाल भी इससे जुड़ा है। दूसरी ओर, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और शिक्षकों पर डिजिटल रिपोर्टिंग का काम इतना नहीं बढ़ना चाहिए कि बच्चों के साथ सीधे काम करने का उनका समय कम होने लगे। तकनीक सुविधा और निगरानी का साधन रहे, अधिकार पाने की शर्त नहीं।

भोपाल में हाल में हुए बच्चों के भोजन के अधिकार पर तीसरे राष्ट्रीय अधिवेशन में तीन दिनों की चर्चा के बाद जारी घोषणा में इन मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। अधिवेशन में प्रख्यात अर्थशास्त्री ज्यां द्रेज सहित भोजन के अधिकार के लिए लंबे समय से काम कर रहे कई वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता और विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधि शामिल हुए थे। अधिवेशन में भी इस बात पर जोर दिया गया कि कुपोषण रोकने के प्रयास बच्चे के कुपोषित पाए जाने के बाद ही शुरू नहीं होने चाहिए। मां के पोषण से लेकर बच्चे के शुरुआती आहार, आंगनवाड़ी, स्वास्थ्य सेवाओं और स्कूल तक पोषण की निरंतरता बनाए रखने की जरूरत है। कुपोषण जैसी गंभीर समस्या से निपटने के लिए स्वास्थ्य, पोषण, मातृत्व सुरक्षा, स्थानीय खाद्य व्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा को साथ लेकर चलना होगा। साथ ही यह सुनिश्चित करना होगा कि आधार, पहचान या कोई तकनीकी प्रक्रिया किसी बच्चे और उसके भोजन और पोषण के अधिकार के बीच न आए।

आपके पत्र

कैप्टन स्मित ने संकट की घड़ी में दिखाया अदम्य साहस

विमान में बैठे यात्रियों के लिए उड़ान का समय सामान्यत: रोमांच और सुविधा का अनुभव होता है, लेकिन जब हजारों फीट की ऊंचाई पर अचानक कोई गंभीर संकट सामने आ जाए तो कुछ ही क्षणों में पूरी स्थिति जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष में बदल सकती है। ऐसे समय में विमान के पायलट की भूमिका केवल विमान उड़ाने तक सीमित नहीं रहती, बल्कि उसकी सूझबूझ, धैर्य, निर्णय क्षमता और साहस सैकड़ों लोगों के जीवन की रक्षा का आधार बन जाते हैं। हाल की एक घटना ने एक बार फिर यह साबित किया है कि संकट के सामने मजबूत हौसला और पेशेवर जिम्मेदारी कितनी बड़ी ताकत बन सकती है।

दुबई से इजरायल जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान में सामने आए गंभीर खतरे के दौरान कैप्टन स्मित मच्छार ने जिस तरह परिस्थितियों का सामना किया, उसने उन्हें चर्चा के केंद्र में ला दिया है। विमान के भीतर अचानक पैदा हुए संकट ने यात्रियों और चालक दल के सामने असाधारण चुनौती खड़ी कर दी थी। ऐसी स्थिति में घबराहट फैलना स्वाभाविक था, लेकिन विमान के संचालन से जुड़े लोगों के लिए सबसे जरूरी था कि वे संयम बनाए रखें और यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। कैप्टन स्मित की भूमिका इसी जिम्मेदारी की मिसाल के रूप में सामने आई।

कैप्टन स्मित मच्छार की बहादुरी इसलिए उल्लेखनीय है कि संकट की घड़ी में उन्होंने अपने कर्तव्य को सर्वोपरि रखा। उनका अनुभव, प्रशिक्षण और धैर्य उस समय यात्रियों के लिए सबसे बड़ा भरोसा बना। ऐसी घटनाएं हमें यह समझाती हैं कि तकनीक चाहे कितनी भी आधुनिक हो जाए, आपात स्थिति में इंसानी हिम्मत, विवेक और जिम्मेदारी का महत्व कभी कम नहीं होता। विमान के कॉकपिट में बैठे पायलट के हाथों में केवल नियंत्रण नहीं होता, बल्कि सैकड़ों जिंदगियों का भरोसा भी होता है। कैप्टन स्मित ने इसी भरोसे की गरिमा को अपने साहस से मजबूत किया है।

एक विमानन संबंधी कार्यक्रम में भाग लेने के बाद उनके जीवन की दिशा बदल गई। विमानन की दुनिया ने उन्हें आकर्षित किया और उन्होंने वाणिज्यिक पायलट बनने का निर्णय लिया। इसके बाद उन्होंने न्यूजीलैंड में उड़ान प्रशिक्षण लिया और कठिन प्रशिक्षण के बाद व्यावसायिक विमानन में अपना करियर बनाया।

एक पायलट के रूप में उनकी पहली उड़ान बेंगलुरु से दिल्ली के बीच रही। इसके बाद उन्होंने फ्लाईदुबई में अपना कॅरियर आगे बढ़ाया। उन्हें वाणिज्यिक विमान उड़ाने का 13 वर्ष से अधिक का अनुभव है और बोईंग 737 विमान पर लगभग 9750 घंटे उड़ान का अनुभव बताया जाता है। इतने लंबे अनुभव का महत्व तभी समझ में आता है जब पायलट को अचानक सामान्य परिस्थितियों से अलग किसी चुनौती का सामना करना पड़े। वर्षों के प्रशिक्षण और अनुभव से विकसित निर्णय क्षमता ऐसे समय में सबसे बड़ा सहारा बनती है।

कांतिलाल मांडोत, सूरत

ललित सुरजन की कलम से

लक्ष्यवेध पर संदेह क्यों?

'एक टीकाकार ने लिखा है कि मोदी सरकार ने सर्जिकल स्ट्राइक के माध्यम से एक मनोवैज्ञानिक खेल खेला है। ऐसा कोई ऑपरेशन वास्तव में हुआ या नहीं इसे कुछ देर के लिए भूल जाएं। यदि भारत की जनता इस बात से प्रसन्न और आश्वस्त होती है कि मोदी सरकार पाकिस्तान से बदला लेने में सक्षम है व हाथ पर हाथ धरे रहने की बजाय कार्रवाई कर रही है तो यही सही। कुछ अन्य टीकाकारों ने इस तथ्य की ओर ध्यान दिलाया है कि बीते वर्षों में अनेक बार ऐसे सीमित आक्रमण भारत करते रहा है, लेकिन पूर्व में इसका ढिंढोरा कभी नहीं पीटा गया। इस संबंध में पूर्व प्रसंगों के विवरण भी दिए गए हैं। कहने का आशय यह कि मोदी जी इससे राजनीतिक लाभ उठाने का प्रयत्न कर रहे हैं।' 'हम मानते हैं कि अगर सचमुच यह लक्ष्यभेदी आक्रमण किया गया था और वर्तमान सरकार इससे लाभ उठा रही है तो यह एक स्वाभाविक राजनीतिक प्रक्रिया है। किन्तु इसमें अगर सिर्फ प्रचार पाने की चाहत है तो आगे चलकर इसका विपरीत असर पड़ सकता है। हम उम्मीद करते हैं कि ऐसा नहीं है।'

(देशबन्धु में 06 अक्टूबर 2016 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2016/10/blog-post.html

पावन प्रसंग

पितृ तर्पण

भारतीय समाज में धर्म का प्रमुख स्थान रहा है। धर्म का प्रयोग धार्मिक कृत्यों, रीति-रिवाजों, व्रत व त्योहारों के माध्यम से सामाजिक व्यवस्था को बनाए रखने तथा व्यक्तित्व विकास में सहायक माना जाता है। इस प्रकार धर्म व्यवस्था से व्यक्ति और समाज अनुशासित होता है। भारतीय संस्कृति में माता-पिता को देवतुल्य माना गया है। हमारे संस्कारों में मां के चरणों में ममता, त्याग और करुणा का संसार दिखाई देता है, तो पिता के जीवन में परिश्रम, जिम्मेदारी और सुरक्षा की छाया। मां-बाप अपने बच्चों के भविष्य के लिए अपनी इच्छाओं को पीछे छोड़ देते हैं। वे अपनी जरूरतें कम कर बच्चों की जरूरतें पूरी करते हैं। उनकी खुशियां बच्चों की मुस्कान में बसती हैं और उनका जीवन परिवार को संवारने में बीत जाता है।

पितृपक्ष; जिसका विशेष महत्व हिंदू धर्म में माना जाता है। पितृ पक्ष में पूर्वजों को विधि-विधान से तर्पण करना पितृ तर्पण कहलाता है। पितृ तर्पण आश्विन माह के कृष्ण पक्ष में पूर्णिमा से अमावस्या तक 15 दिनों तक किया जाता है। ऐसा माना जाता है कि पितृपक्ष के दौरान पूर्वज कुटुम्बजनों से मिलने स्वर्ग से धरती पर आते हैं व उन्हें आशीष देते हैं और इसलिए तालाब में जाकर जल अर्पित किया जाता है।

पितृपक्ष में कोई मांगलिक कार्य नहीं किया जाता। पितृपक्ष में कुछ कार्य निषिद्ध माने गए हैं; महिलाओं को नये वस्त्र, नया आभूषण, नई चूड़ी पहनना वर्जित होता है साथ ही गर्म पानी में कपड़े डूबाना, सूप छलनी बजाना, पटक कर कपड़े धोना आदि निषिद्ध होता है। व्यक्ति के मृत्यु के एक वर्ष पश्चात प्रथम बार पितृ तर्पण करने को पितर मिलाना कहा जाता है। सभी पुरुषों की तिथि के अनुसार पितृतर्पण किया जाता है तथा सभी महिलाओं का तर्पण नवमी तिथि के दिन किया जाता है जिसे मातृनवमी कहा जाता है।

पितृपक्ष के पहले दिन को पितरबैसकी व अंतिम दिन को पितरखेदा कहा जाता है। पितृपक्ष के प्रथम दिन से पूरे 15 दिनों तक प्रात:काल घर के आंगन में गोबर से चौकोर लीपकर चावल के आटे से चौक बनाकर फूल वह भीगी उड़द के दाल को छिड़क कर लोटे में पानी रखा जाता है। बड़ा व पूड़ी का भोग लगाकर भोग लगाया जाता है। बड़ा, पूरी व मालपुआ आदि का छोटा-छोटा टुकड़ा छप्पर में भी रखा जाता है ताकि कौंवा व अन्य पक्षी पितर के रूप में आकर ग्रहण करें।

पितृपक्ष के 15 वें दिन पितृ अमावस्या के दिन को पितरखेदा कहा जाता है, इस दिन 15 दिनों का होम, बड़ा, बोबरा व पूड़ी को पोटली में बांधकर उसमें पैसे डालकर तालाब में विसर्जित किया जाता है जिससे मछली आदि जीवों को भोजन मिलता है। ऐसा लोकविश्वास है कि-यह सामग्री पितरों को प्राप्त होता है। इस तरह ग्रामीण अंचल में विधि-विधान से पितरों का तर्पण किया जाता है।

डॉ. श्रीमती ज्योति किरण चंद्राकर

त्योहार में चार दिन बाकी, राशन दुकानों पर ताले, पूछ रहे ग्राहक...राशन कब मिलेगा ?

देशबन्धु खबर

एक अक्टूबर से हड़ताल पर विक्रेता, 440 राशन दुकानें प्रभावित

जबलपुर, देशबन्धु। त्योहार में अब महज चार दिन बाकी हैं, लेकिन शहर से लेकर गांव तक राशन की दुकानें अभी भी बंद हैं। रोजाना ग्राहक राशन लेने के लिए दुकानों तक पहुंच रहे हैं और दुकानदारों से पूछ रहे हैं कि राशन कब मिलेगा? वहीं दुकानदारों के पास भी इसका कोई स्पष्ट जवाब नहीं है। एक अक्टूबर से राशन दुकान विक्रेताओं की हड़ताल के कारण शासकीय उचित मूल्य की दुकानों पर खाद्यान्न वितरण ठप पड़ा है। ऐसे में त्योहार के ठीक पहले गरीब और बीपीएल परिवारों के सामने राशन को लेकर चिंता बढ़ने लगी है। जबलपुर जिले में करीब 440 राशन दुकानें हैं। विक्रेताओं का कहना है कि वे लंबे समय से भुगतान और कमीशन की समस्या से जूझ रहे हैं। करीब छह माह तक कमीशन नहीं मिलने के कारण उनकी आर्थिक स्थिति खराब हो गई थी। हाल में तीन-चार माह का भुगतान मिला है, लेकिन अभी भी शेष राशि बकाया है। उनका कहना है कि जब नियमित भुगतान ही नहीं होगा तो दुकान का संचालन करना मुश्किल है।

नई वितरण व्यवस्था पर सवाल

विक्रेताओं का कहना है कि नई व्यवस्था में कई ठेकेदारों के माध्यम से राशन वितरण कराया जा रहा है। एक ठेकेदार के अधीन कई राशन दुकानें होने से व्यवस्था को लेकर भी दिक्कतें आ रही हैं। वहीं ऑनलाइन व्यवस्था में समय पर राशन उपलब्ध नहीं होने का खामियाजा भी दुकानदारों को भुगतना पड़ता है। ग्राहक राशन के लिए दुकान पर पहुंचते हैं, लेकिन राशन उपलब्ध नहीं होने पर उन्हें जवाब देना पड़ता है।

त्योहार के पहले समाधान जरूरी

हड़ताल का सीधा असर राशन पर निर्भर परिवारों पर पड़ रहा है। त्योहार में सिर्फ चार दिन शेष हैं और यदि जल्द समाधान नहीं निकला तो गरीब परिवारों को त्योहार के समय खाद्यान्न के लिए परेशानी उठानी पड़ सकती है। विक्रेता संघ का कहना है कि उनकी मांगें लंबे समय से लंबित हैं और सरकार को भुगतान की नियमित व्यवस्था के साथ कमीशन बढ़ाने सहित अन्य मांगों पर तत्काल निर्णय लेना चाहिए।

विक्रेताओं की प्रमुख मांगें

- कमीशन 90 से बढ़ाकर 200 प्रति क्विंटल किया जाए।
- 40 हजार मासिक न्यूनतम आय सुनिश्चित हो।
- लंबित कमीशन का पूरा भुगतान किया जाए।
- हर माह की 5 तारीख तक भुगतान हो।
- परिवहन/तौल में होने वाले नुकसान की क्षतिपूर्ति मिले।
- ऑनलाइन राशन उपलब्धता और वितरण व्यवस्था में सुधार हो।

40 हजार न्यूनतम मासिक आय की मांग

विक्रेताओं ने राशन दुकान संचालकों के लिए 40 हजार प्रतिमाह न्यूनतम आय की गारंटी की मांग भी रखी है। इसके अलावा कमीशन का भुगतान हर माह की 5 तारीख तक सुनिश्चित करने और परिवहन व तौल के दौरान होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए प्रति क्विंटल एक किलो की क्षतिपूर्ति देने की मांग की गई है। विक्रेताओं का कहना है कि जब दूसरे प्रदेशों में न्यूनतम आय दी जा रही है, तो हमारे यहां क्यों नहीं दी जा रही। जिससे आक्रोश बढ़ रहा है।

90 रु. कमीशन में दुकान चलाना मुश्किल

राशन विक्रेताओं की दूसरी बड़ी मांग कमीशन बढ़ाने की है। वर्तमान में मध्यप्रदेश में उन्हें करीब 90 प्रति क्विंटल कमीशन मिलता है। विक्रेता संघ ने अन्य राज्यों का हवाला देते हुए बताया है कि हरियाणा और दिल्ली में 200, उत्तराखंड में 195, महाराष्ट्र में 170, राजस्थान में 150 और उत्तर प्रदेश में 125 प्रति क्विंटल तक कमीशन दिया जा रहा है। इसी आधार पर मध्यप्रदेश में भी कमीशन कम से कम 200 प्रति क्विंटल करने की मांग की गई है।

धान पंजीयन के लिए जिला मुख्यालय पहुंचे किसान

दो ऑपरेटरों के भरोसे सैकड़ों की भीड़

देशबन्धु खबर

विकासखंडों में सर्वर और डाटाबेस की समस्या, 10-15 किलोमीटर दूर से भटक रहे किसान

देशबन्धु, जबलपुर। धान खरीदी के लिए किसानों के पंजीयन की प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में तकनीकी समस्याओं के चलते किसानों की परेशानी बढ़ती जा रही है। जबलपुर ग्रामीण क्षेत्र के अलग-अलग विकासखंडों में पंजीयन के लिए केंद्र बनाए गए हैं, लेकिन इन केंद्रों पर कभी सर्वर डाउन होने तो कभी डाटाबेस उपलब्ध नहीं होने के कारण किसानों का पंजीयन नहीं हो पा रहा है। ऐसे में अब किसान अपने गांव और विकासखंड के पंजीयन केंद्र से दूर जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट कार्यालय तक आने को मजबूर हैं।

सोमवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में ऐसा ही नजारा देखने को मिला। सुबह से ही बड़ी संख्या में किसान पंजीयन कराने के लिए पहुंच गए। इनमें कई किसान 10 से 15 किलोमीटर दूर से आए थे। पंजीयन केंद्र के अंदर और बाहर किसानों की भीड़ लगी रही। फोटो में भी बड़ी संख्या में किसान एक ही स्थान पर अपनी बारी का इंतजार करते नजर आ रहे हैं।

पंजीयन के इंतजाम कम

किसानों की संख्या के मुकाबले पंजीयन की व्यवस्था काफी कम नजर आई। मौके पर मात्र दो ऑपरेटर एक ही कंप्यूटर सिस्टम पर पंजीयन का काम करते दिखाई दिए। उनके आसपास किसानों की भीड़ जमा रही। कई किसान अपने दस्तावेज लेकर घंटों अपनी बारी का इंतजार करते रहे।

किसानों का कहना है कि उन्हें अपने क्षेत्र के केंद्र पर पंजीयन नहीं होने के कारण जिला मुख्यालय तक आना पड़ रहा है। यहां आने में समय और किराए का अतिरिक्त खर्च भी उठाना पड़ रहा है। इसके बावजूद जिला मुख्यालय पर भी पर्याप्त काउंटर और ऑपरेटर नहीं होने से परेशानी कम होने के बजाय और बढ़ रही है।

10 अक्टूबर की अंतिम तिथि का दबाव

पंजीयन की 10 अक्टूबर की अंतिम तिथि नजदीक आने के साथ किसानों की चिंता लगातार बढ़ रही है। किसानों को आशंका है कि यदि समय रहते उनका पंजीयन नहीं हुआ तो वे धान बेचने की प्रक्रिया से प्रभावित हो सकते हैं। यही वजह है कि तकनीकी समस्या का समाधान होने का इंतजार करने के बजाय बड़ी संख्या में किसान जिला कार्यालयों के चक्कर लगा रहे हैं। किसानों ने पंजीयन केंद्र पर व्यवस्थाओं को लेकर भी सवाल उठाए। बड़ी संख्या में किसानों के पहुंचने के बावजूद पेयजल और बैठने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने की बात सामने आई। सुबह से इंतजार कर रहे किसानों को भीड़ के बीच अपनी बारी का इंतजार करना पड़ा।

जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं की खुली पोल

सांप के काटने से मासूम की मौत, मां करती रही एम्बुलेंस का इंतजार

मेडिकल अस्पताल पहुंचने से पहले बच्ची की गई जान

जबलपुर, देशबन्धु। प्रदेश में कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जिसमें स्वास्थ्य सुविधाओं की पोल खोल दी है। कहीं प्रसूता को एम्बुलेंस नहीं मिली, तो कहीं बीमार वृद्धा को अस्पताल ले जाने के लिये 108 एम्बुलेंस नहीं आई।
अब ऐसा ही मामला जिले की तहसील कटंगी के ग्राम देवरी में सामने आया है। जहां एक पांच वर्ष की मासूम को सांप ने काट लिया। उसकी मां अपनी बच्ची को अस्पातल ले जाने के लिये घंटों एम्बुलेंस का इंतजार करती रही। जिसके कारण उसकी बेटी की मौत हो गई।

परिजनों का आरोप है कि आपातकालीन 108 एम्बुलेंस की समय पर सुविधा न मिलने के कारण इलाज में देरी हुई, जिससे बच्ची की स्थिति बिगड़ गई और मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचने से पहले ही मासूम ने दम तोड़ दिया। यह घटना स्वास्थ्य सेवाओं के सरकारी दावों की जमीनी हकीकत का बयां करती है।

देवरी निवासी प्रकाश ठाकुर गौंड (उम्र 28 वर्ष) ने पुलिस को बताया कि वह मजदूरी करता है। रविवार सुबह लगभग 9 बजे वह कटंगी में मजदूरी करने आया था। दोपहर लगभग 1 बजे उसकी पत्नी संगीता गोंड ने फोन पर सूचना दी कि 5 वर्षीय बेटी दीक्षा गौंड़ ठाकुर घर के अंदर तैयार हो रही थी, तभी उसके पैर में जहरीले सर्प ने डस लिया।

108 एम्बुलेंस न मिलने का आरोप

स्थानीय जानकारी के अनुसार, घटना के बाद 108 एम्बुलेंस सेवा का लाभ समय पर नहीं मिल सका। आरोप है कि अस्पताल परिसर में एम्बुलेंस उपलब्ध होने के बावजूद टायर खराब होने का बहाना बनाकर चालक मौके से चला गया, जिसके कारण मरीज को अस्पताल पहुंची मां बेबस हो बच्ची को गोदी में लिए गुहार लगाती रही। करीब एक घंटे बाद दूसरी एम्बुलेंस की व्यवस्था हुई। जिसके उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल रवाना किया गया। करीब 1 घंटे की देरी के बाद परिजन किसी तरह मासूम दीक्षा को उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां अस्पताल में तैनात डॉक्टरों ने प्राथमिक जांच के बाद बच्ची को मृत घोषित कर दिया।

मकान का एंट्री प्वाइंट भरभराकर गिरा, तीन परिवार फंस

नगर निगम ने रेस्क्यू कर सभी सदस्यों को निकाला बाहर

जबलपुर, देशबन्धु। तिलक वार्ड नया मोहल्ला दरबार होटल के पीछे एक मकान का जर्जर हिस्सा भरभराकर गिर गया। सामने का हिस्सा गिरने के कारण अंदर रह रहे तीन परिवार अंदर ही फस गए। जानकारी मिलते ही नगर निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर मलबा हटाकर और बगल की बाउंड्रीवॉल तोड़कर वहां रहने वाले लोगों को बाहर निकाला। घटना में वहां रह रहे किसी भी सदस्य को कोई चोट नहीं आई है।

जानकारी के मुताबिक नया मोहल्ला में एक परिसर के अंदर तीन परिवार रहते हैं, तीनों परिवार के अंदर पक्के मकान बने हैं, जबकि एंट्री और एग्जिट प्वाइंट बिल्कुल ही जर्जर हालत में था। जो कि सोमवार शाम भरभराकर गिर गया। सामने का हिस्सा गिरने से तीनों ही परिवारों के सदस्य परिसर के अंदर ही फस गए। जानकारी लगते नगर निगम का अमला मौके पर पहुंचा और बिना देर किए रेस्क्यू शुरु कर दिया।

बगल की दीवार तोड़ी- बताया जा रहा है कि सामने का हिस्सा गिरने के कारण बहुत अधिक मलबा एकत्र

हो गया था, जिसे जल्दी हटाना संभव नहीं था। जिसे देखते हुए निगम की टीम ने बगल की बाउंड्रीवॉल को तोड़कर वहां से तीनों परिवार के मिलाकर कुल ग्यारह सदस्यों को बाहर निकाला। अंदर फसने वालों के नाम राकेश कौशिक, चंदन सिंह, माया सिंह, रुपाली, तरुण राजपूत, पप्पू राजपूत, विक्रम सिंह, हंसमुखी, शालिनी कौशिक, विकास, स्पर्श कौशिक, सूरज विश्वकर्मा और देवकली बताए जा रहे हैं।

क्षेत्र में मची अफरा-तफरी- जैसे ही मकान भरभराकर गिरा, क्षेत्रीय लोगों में अफरा-तफरी मच गई । रोड पर मलबा पड़ा होने के कारण क्षेत्रीय लोगों को थोड़ा आवागमन में भी असहुलियत हुई। अगल-बगल रहने वाले लोगों को इस बात का भी डर सता रहा था कि कहीं उनका मकान भी भी जर्जर मकान से गिरने वाले मलबे की चपेट में ना आ जाए, हालाकि ऐसा नहीं हुआ, जिससे आस-पड़ोस रहने वाले लोगों ने राहत की सांस ली।

इनका कहना है

नया मोहल्ला में एक परिसर में तीन परिवार निवास करते हैं, जिनका एंट्री और एग्जिट प्वाइंट एक ही था और वह हिस्सा काफी जर्जर था। जो कि गिर गया। घटना में कोई कैजुल्टी नहीं है। परिवार के जो सदस्य अंदर फसे थे, उन्हें भी सुरक्षित निकाल लिया गया।

-अभिषेक तिवारी
बिल्डिंग ऑफिसर, नगर निगम

आईएमए की नई टीम ने संभाली कमान

जबलपुर, देशबन्धु। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन जबलपुर शाखा की वर्ष 2026-27 की नई कार्यकारिणी ने रविवार को शपथ ग्रहण समारोह में पद एवं दायित्व की शपथ ली। आईएमए हॉल में नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. अमिता सक्सेना और सचिव डॉ. अभिषेक श्रीवास्तव सहित कार्यकारिणी के अन्य पदाधिकारियों ने पदभार संभाला।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद आशीष दुबे ने चिकित्सकों से समाज के जरूरतमंद और वंचित वर्गों के बीच सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि डॉ. नवनीत सक्सेना ने सतत चिकित्सा शिक्षा (डीएनबी) कार्यक्रम को बढ़ावा देने तथा चिकित्सकों को चिकित्सा क्षेत्र में निरंतर अपडेट रहने की सलाह दी। कार्यक्रम में डॉ. राजेश धीरावाणी, डॉ. संजय नागराज, डॉ. मुकेश निगम, डॉ. सुनील बहल, डॉ. अभय श्रीवास्तव ने भी अपने विचार व्यक्त किए। आईएमए स्टेट प्रेसिडेंट इलेक्ट डॉ. पुरुषराज भटले ने नैतिक चिकित्सा पद्धति अपनाने और उसके समावेश पर जोर दिया। नई अध्यक्ष डॉ. अमिता सक्सेना ने निवारक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य, मातृ-शिशु स्वास्थ्य तथा गर्भ संस्कार को प्राथमिकता में शामिल किया। सचिव डॉ. अभिषेक श्रीवास्तव ने डायबिटीज, थायराइड और मेटाबोलिक हेल्थ को लेकर विशेष अभियान चलाने की बात कही।

रादुविवि के नये कुलसचिव बने एसएस सिंधु

जबलपुर, देशबन्धु। रादुविवि में प्रशासनिक फेरबदल के चलते कुलसचिव डॉ. रविशंकर सोनवाल के तबादले के बाद मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग ने रादुविवि के बायोसाइंस विभाग के आचार्य प्रो. एस.एस. सिंधु को आगामी निर्देश तक कुलसचिव का दायित्व सौंपा गया है।

सोनू पोल्ट्री
बड़ा ब्रॉयलर - रु. 118
मीडियम ब्रॉयलर - रु. 128
छोटा ब्रॉयलर - रु. 138
मो.- 9039925999

J.B.F.A
जबलपुर ब्रॉयलर फार्मस् एसोसियेशन
मुर्गा छोटा - रु. 142
मुर्गा मीडियम - रु. 132
मुर्गा बड़ा - रु. 122
मुर्गा जम्बो - रु. 122
मो.-9039925000, 9425800409

नए वोटर जोड़ने स्कूल-कॉलेज में लगाए जाएंगे कैंप

जबलपुर, देशबन्धु। शहर की चारों विधानसभाओं में नए वोटर्स के नाम जोड़ने की कवायद शुरु कर दी गई है। सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों ने अपनी-अपनी विधानसभा के बीएलओ के लिए आदेश जारी किया है कि 1 जनवरी 2027 तक जो भी व्यक्ति 18 वर्ष की आयु पूर्ण करें, उनके फॉर्म-6 भरवाकर उनके नाम मतदाता सूची में जोड़े जाएं। हायर सेकंड्री स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय और अन्य तकनीकी संस्थानों में कैंप लगाकर ऐसे विद्यार्थियों से ऑनलाइन आवेदन प्राप्त किए जाएं, जिन्होंने पूर्व में वोटर हेल्पलाइन एप और वोटर्स पोर्टल पर आवेदन नहीं किया। नए वोटर्स को जोड़ने के काम को अतिमहत्वपूर्ण मानते हुए सभी बीएलओ को उनके कार्यालय व अन्य कार्यों से मुक्त रखने की बात भी आदेश में साफ-तौर पर उल्लेख है। ताकि बीएलओ हर हाल में 11 अक्टूबर तक यह कार्य कर सकें लेकिन जिन बीएलओ को दायित्व सौंपा गया है, उनमें से कुछ का कहना है कि आदेश के बावजूद भी उन्हें कार्यालय और फील्ड के कार्यों से मुक्त नहीं किया गया है।

FOR PRIVATE SCREENING CALL
+917999968989
FOR ONLINE BOOKING & OFFER
BOOK FROM
BOOKMYSHOW
CALL BOOKING 0761-4069888, 4069889
समदड़िया सिनेमा
BOOK YOUR TICKET & FOOD NO WhatsApp
SAMDREEYACINEMA+917999968989

DRISHYAM
09:00AM 10:30AM 12:00PM
01:30PM 02:45PM 03:30PM
04:30PM 05:30PM 06:30PM
07:30PM 08:30PM 09:30PM
10:30PM 11:30PM

PREM KEETANU
09:30AM
03:00PM
08:30PM

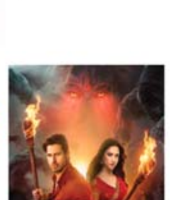

VVAAN
12:30PM
05:45PM
11:15PM

HANUMAN ANSH
09:30AM

जूडो और गतका की राज्य स्तरीय स्पर्धा का आगाज

9 संभागों के 700 खिलाड़ी दिखाएंगे हुनर

जबलपुर, देशबन्धु। संस्कारधानी एक बार फिर प्रदेशभर के युवा खिलाड़ियों की मेजबानी कर रही है। सोमवार से शहर में 70वीं राज्य स्तरीय शालेय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। चार दिवसीय प्रतियोगिता में प्रदेश के 9 संभागों से करीब 700 खिलाड़ी और अधिकारी शामिल हो रहे हैं। जूडो और गतका की स्पर्धाओं में खिलाड़ी अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगे।

महारानी लक्ष्मीबाई विद्यालय खेल परिसर में आयोजित उद्घाटन समारोह में महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू' मुख्य अतिथि रहे। मां सरस्वती के पूजन, वंदना और दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। महापौर ने कहा कि जबलपुर में लगातार सुव्यवस्थित तरीके से शालेय खेलों का आयोजन होना गर्व की बात है। खेल शरीर को स्वस्थ रखने के साथ आत्मविश्वास, अनुशासन और व्यक्तित्व का विकास करते हैं। प्रतियोगिता में 14, 17 और 19 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिकाओं की जूडो तथा 17 और 19 वर्ष आयु वर्ग में गतका स्पर्धाएं होंगी। जूडो मुकाबले एमएलबी स्कूल और गतका प्रतियोगिताएं दशमेश हॉल, मदन महल में होंगी।

दिन गर्म..रातें होने लगी ठंडी

जबलपुर, देशबन्धु। प्रदेश में मानसून की विदाई के साथ ही अब गर्मी से आमजन हलाकान हो गया है। वहीं शाम ढ़लते ही ठंड का अनुभव भी होने लगा है। दिन में तेज धूप और रात को ठंड संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ा रहे हैं। जिले का अधिकतम तापमान 34.9 डिग्री और न्यूनतम 21.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार जिले का मौसम शुष्क रहेगा। लेकिन दिन में गर्मी बरकरार रहेगी। वहीं रात और सुबह ठंड का अहसास होगा। वहीं साथ मौसम बदलाव के चलते सर्दी-खांसी के भी मरीज बढ़ रहे हैं। जिसके कारण शासकीय व निजि अस्पतालों में भीड़ देखी जा रही है।

SBI
भारतीय स्टेट बैंक
केन्द्रीय भर्ती एवं पदोन्नति विभाग, कॉरपोरेट केंद्र, मुंबई
फोन: 022-22820427
आवेदन के लिए क्यूआर स्कैन करें

संविदा आधार पर विशेषज्ञ संवर्ग अधिकारियों की नियुक्ति

संविदा आधार पर निम्नलिखित पद के लिए भारतीय नागरिकों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं.

पद का नाम	रिक्ति	आयु (31.07.2026 तक)	
		न्यूनतम	अधिकतम
विज्ञापन सं.: CRPD/SCO/2026-27/24 (संविदा पद)			
उप उपाध्यक्ष (एनालिटिकल मार्केटिंग एंड कैंपेन)	1	33	45
उप उपाध्यक्ष (डिजिटल मार्केटिंग)	2	33	45
कंटेंट विशेषज्ञ	1	25	40
विज्ञापन सं.: CRPD/SCO/2026-27/25 (संविदा पद)			
हेड सेल्स	1	40	52
केंद्रीय अनुसंधान दल (उत्पाद लीड)	2	30	45
प्रबंधक (व्यवसाय प्रक्रिया)	1	30	40
परियोजना विकास प्रबंधक (प्रौद्योगिकी)	1	25	40
सेंट्रल ऑपरेशंस टीम (सीओटी) सपोर्ट	1	30	40

पात्रता मानदंड (आयु, अनुभव, जॉब प्रोफाइल आदि), रिक्ति विवरण, आवश्यक शुल्क एवं अन्य विवरण के लिए बैंक की वेबसाइट https://sbi.bank.in/web/careers/current-openings पर लॉग ऑन करें, जहाँ उपरोक्त विस्तृत विज्ञापन उपलब्ध हैं. इसके साथ आवेदन को ऑनलाइन जमा करने और साथ ही साथ आवेदन शुल्क का ऑनलाइन भुगतान करने हेतु एक लिंक भी दी गई है. आवेदन करने और शुल्क भेजने से पहले अपनी पात्रता सुनिश्चित करने एवं अन्य विवरणों के लिए विस्तृत विज्ञापन पढ़ें. कोई अन्य पूछताछ करने के लिए कृपया "CONTACT US"→"Post Your Query" लिंक के माध्यम से हमें लिखें, जो कि बैंक की वेबसाइट (https://sbi.bank.in/web/careers/ post-your-query) पर उपलब्ध है.

- **आवेदन ऑनलाइन जमा करने और शुल्क का भुगतान करने की तिथि : 30.09.2026 से 21.10.2026 तक.**

स्थान: मुंबई
दिनांक: 30.09.2026
महाप्रबंधक (आरपी एंड पीएम)

8 साल की नायरा की सुरीली आवाज से झूमा सैम सीनियर सिटीजन क्लब

जबलपुर,देशबन्धु। साउथ एवेन्यू मॉल में जादूगर एस.के. निगम के संयोजन में सैम सीनियर सिटीजन क्लब का विशेष कार्यक्रम हुआ। इसमें 8 वर्षीय नायरा दुबे और स्वच्छता अभियान की उद्घोषका श्रेया खण्डेलवाल का सम्मान किया गया। नायरा ने जैसे ही मधुर आवाज में गीत शुरू किए, मॉल तालियों से गूंज उठा। एक से बढ़कर एक प्रस्तुति से उन्होंने समां बांध दिया।

कार्यक्रम में हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के सचिव असीम द्विवेदी, वरिष्ठ अधिवक्ता पंकज दुबे, चैम्बर ऑफ कॉमर्स के दीपक सेठी और क्लब सदस्यों ने नायरा और श्रेया को पगड़ी व मोती की माला पहनाकर सम्मानित किया और उपहार दिए। इसी दौरान क्लब की वरिष्ठ सदस्य शशि प्रभा स्थापक का जन्मदिन भी मनाया गया। जसवीर चोपड़ा, रश्मि श्रीवास्तव, प्रेम वर्मा सहित सदस्यों ने शाल-माला से सम्मानित किया। खास बात रही कि विंग कमांडर चंदन शर्मा, विजय श्रीवास्तव, ऋषि रैकवार, सुनीता मेंहदी, रमेश पंडित, प्रमोद जैन, दिनेश स्थापक, मंजू इंग्लें सहित सदस्यों ने भी गीत प्रस्तुत कर रंग भर दिया। अतिथियों ने कहा कि इस उम्र में भी क्लब के सदस्य सक्रिय और उत्साही जीवन जीकर नई पीढ़ी को प्रेरणा दे रहे हैं। संचालन नीरज शुक्ला ने किया, आभार रिटायर्ड एसपी गोपाल खण्डेल ने माना।

स्टेंट से लकवा ठीक, तीन दिन में पैदल घर पहुंचा 70 वर्षीय मरीज

जबलपुर,देशबन्धु। सेठ मन्नूलाल जगन्नाथ हॉस्पिटल में 70 वर्षीय मरीज की गर्दन की नस में स्टेंट डालकर लकवे का सफल उपचार किया गया। अस्पताल के विशेषज्ञ चिकित्सक प्रो. अमल कांति सेन ने बताया कि मरीज के शरीर के बाएं हिस्से में अचानक लकवा आ गया था। जांच में गर्दन की कैरोटिड आर्टरी में गंभीर रुकावट पाई गई। चिकित्सकों ने आधुनिक तकनीक कैरोटिड आर्टरी स्टेंटिंग के माध्यम से प्रभावित नस को खोला। स्टेंट डालते ही मरीज के शरीर के प्रभावित हिस्से में हरकत शुरू हो गई। वह आंख बंद करने में भी सक्षम हो गया, जो उपचार से पहले नहीं कर पा रहा था। उपचार के महज तीन दिन बाद मरीज अपने पैरों पर चलकर अस्पताल से घर गया। प्रो. सेन ने बताया कि मस्तिष्क के जिस हिस्से में रक्त प्रवाह बाधित होता है, उसके विपरीत दिशा के शरीर के हिस्से पर लकवे का असर दिखाई देता है। कैरोटिड आर्टरी में ब्लॉकेज स्ट्रोक का प्रमुख कारण हो सकता है। ऐसे मामलों में समय पर पहचान और उपचार बेहद महत्वपूर्ण है। इस सफल उपचार का प्रस्तुतीकरण मुंबई के ग्रैंड हयात में आयोजित क्रिस्प कॉन्फ्रेंस में भी किया गया, जहां मरीज की स्थिति और स्टेंटिंग से हुए उपचार को विशेषज्ञों के समक्ष साझा किया गया।

'वॉइस ऑफ प्रज्ञा' प्रतियोगिता में गूंजे प्रेरणादायी गीत

जबलपुर,देशबन्धु। अखिल विश्व गायत्री परिवार के तत्वावधान में 'वॉइस ऑफ प्रज्ञा - संगीत से संस्कार' श्रेष्ठ स्वर चयन प्रतियोगिता का आयोजन दत्त मंदिर, गोल बाजार में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि शांतिकुंज हरिद्वार के प्रतिनिधि ओमकार पाटीदार, प्रधान ट्रस्टी ब्रज बिहारी शर्मा और उपजोन प्रभारी नरेश तिवारी मंचासीन रहे।

दीप प्रज्वलन और देव पूजन से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। शांतिकुंज प्रतिनिधि ने कहा कि पश्चिमी अंधानुकरण के दौर में विकृत होते संगीत को पुनर्जीवित करने का प्रयास गायत्री परिवार कर रहा है। प्रज्ञा गीतों से समाज को नई दिशा मिलेगी और उभरती प्रतिभाओं को प्रेरणा मिल रही है। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने प्रज्ञा गीतों की मनमोहक प्रस्तुति दी।

अपने-अपने वर्ग में कु. अन्वी धनोपिया, विशेष मेश्राम और कु. प्रियांशी शर्मा प्रथम रहीं। विजेताओं को शील्ड और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। निर्णायक मंडल में ओंकार पाटीदार, उज्ज्वला अयाचित और गोविंद श्रीवास्तव रहे।इस अवसर पर व्यवस्थापक प्रमोद राय, चंद्रकांत मिश्रा, डॉ. हरिशंकर दुबे, प्रकाश सेन, पीएल यादव, कविता तिवारी, वंदना राजपूत सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे। संचालन भास्कर तिवारी ने किया।

रानी दुर्गावती को बताया विश्व की श्रेष्ठतम वीरांगना

जबलपुर,देशबन्धु। शासकीय मानकुँवरबाई कला एवं वाणिज्य महिला महाविद्यालय और रानी दुर्गावती शोध संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में रानी दुर्गावती जयंती पर 'विमर्श' कार्यक्रम हुआ। विषय था 'विश्व की श्रेष्ठतम वीरांगना रानी दुर्गावती'। मुख्य वक्ता डॉ. आनंद सिंह राणा, अध्यक्ष-इतिहास विभाग, जानकीरमण महाविद्यालय एवं जिला संगठक एनएसएस ने कहा कि रानी दुर्गावती केवल गोंडवाना की नहीं, भारतीय इतिहास की प्रेरणादायी नारी शक्ति थीं। उन्होंने अदम्य साहस, स्वाभिमान और प्रजावत्सल शासन से कभी स्वतंत्रता से समझौता नहीं किया। उन्होंने छात्राओं से तथ्यपरक शोध का आह्वान किया। प्राचार्य डॉ. सुनीता मिश्रा ने कहा कि रानी का जीवन नारी शक्ति, साहस और राष्ट्रनिष्ठा की प्रेरणा है। नई पीढ़ी को गौरवशाली विरासत से जोड़ना महाविद्यालयों का दायित्व है। संचालन डॉ. प्रज्ञा गुप्ता और आभार डॉ. ज्योत्सना झारिया ने व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रो. अर्चना सिंह, प्रो. अर्चना देवलिया, डॉ. शोभना पांडे, डॉ. दीपिका चक्रवर्ती सहित छात्राओं निधि, सुषमा, अंशिता, राजरानी ने सहभागिता की।

लायंस क्लब जबलपुर ने संघवी रसोई को भेंट किया किचन प्लेटफॉर्म

जबलपुर,देशबन्धु। डिस्ट्रिक्ट का सबसे पुराना 66 वर्षीय लायंस क्लब जबलपुर अपनी सिग्नेचर एक्टिविटी ग्लोबल कॉज हंगर के तहत निरंतर सेवारत है। इसी क्रम में क्लब ने मयूर संघवी द्वारा संचालित संघवी सेवा समिति को बेहतर भोजन वितरण के लिए स्टील का किचन प्लेटफॉर्म और 5 बड़े बर्तन भेंट किए। क्लब ने सिर्फ प्लेटफॉर्म ही नहीं, भोजन शेड में जहां मरीजों के परिजन बैठकर भोजन करते हैं, वहां 4 सीलिंग फैन भी लगवाए। इस दौरान उपस्थित करीब 350 मरीजों के परिजनों को दोपहर का भोजन और मिष्ठान वितरित किया गया।

यह सेवा कार्य वरिष्ठ एवं सेवाभावी पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर पीएमजेएफ लायन राजीव अग्रवाल के मार्गदर्शन तथा सक्रिय लायन एमजेएफ उमेश जैन एवं क्लब के सेवाभावी साथियों के सहयोग से संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम जोन चेयरपर्सन लायन मनीषा सोनी की उपस्थिति में हुआ। इसमें क्लब अध्यक्ष लायन अनुरोध तिवारी, सचिव लायन राजेंद्र सोनी, पूर्व जोन चेयरपर्सन एमजेएफ लायन दयाराम पटेल, लायन अंकिता जैन, पूर्व अध्यक्ष लायन जवाहर पटेल, लायन मनोज जैन, लायन अरुण अग्रवाल, लायन ज्योत्स्ना तिवारी, नवीन लायन जेपी सोनी, लायन शील महदेले, लायन रेखा पटेल, लायन राहुल जैसवाल का सराहनीय सहयोग रहा।

सामाजिक संरक्षण से निखरती हैं प्रतिभाएं: सरबजीत सिंह रेणुका

जबलपुर,देशबन्धु। भारतीय संस्कृति, भाषाएं और समरसता की जीवन शैली बेहद समृद्ध है, इसलिए हम वैश्विक चुनौतियों में कमजोर नहीं पड़ते। यह उद्गार मोटिवेशनल गुरु और शिक्षाविद सरबजीत सिंह रेणुका, लुधियाना ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि प्रतिभाओं को निखारना परिवार के साथ समाज का भी दायित्व है, सामाजिक संरक्षण से प्रतिभाएं और निखरती हैं। अवसर था गुरमत मिशन जबलपुर सर्किल द्वारा गुरु तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय, महानद्दा में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह का। समारोह में शिक्षा, संस्कृति, कला, क्रीड़ा, सामाजिक सेवा, नेतृत्व, नवाचार और व्यावसायिक उपलब्धियों सहित विविध क्षेत्रों में 90 प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को प्रतीक चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। अध्यक्षता मस्तान सिंह चावला ने की। मंच पर सरदूल सिंह, रजिस्ट्रार रा.दु.वि.वि., तनजीत सिंह छावड़ा, गुरमीत सिंह छावड़ा अमेरिका मौजूद रहे। संचालन गुरप्रीत कौर कालरा, रविंदर कौर ने किया, आभार मिशन अध्यक्ष शमशेर सिंह ने माना। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समां बांधा। आयोजन में मंजीत सिंह खालसा, जोगा सिंह, फुलवीर सिंह, जगजीत सिंह उप्पल, परमजीत सिंह पटियाला का विशेष योगदान रहा।

नारद मोह के बाद गूंजी राम जन्म की किलकारी

जबलपुर,देशबन्धु। गोविंदगंज रामलीला के प्रथम दिन नारद मोह की लीला के बाद जैसे ही प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के जन्म की किलकारी गूंजी, दर्शकों ने जय श्रीराम का उद्घोष किया। व्यास पं. वासुदेव शास्त्री ने बताया कि राम जन्म के अनेक कारणों में से एक नारद मोह भी है। इसी की भावपूर्ण प्रस्तुति हुई। इसके साथ रावण-मेघनाद-कुंभकर्ण की तपस्या, कामदेव की लीला, इंद्र का घबराना और विश्वमोहिनी संवाद की लीला का मंचन किया गया। अध्यक्ष अनिल तिवारी ने बताया कि राम जन्म का उत्सव सभी के लिए खास होता है। हर वर्ष इस अवसर पर लड्डू-हरीरा और प्रसाद वितरित किया जाता है। मंदिर में भगवान लक्ष्मी नारायण को महाभोग लगाया गया। अतुल पांडे, प्रयाग मिश्रा, दीपक नामदेव, सीताराम शास्त्री और पवन पांडे सहित कलाकारों ने शानदार अभिनय किया। आज ताड़का वध और अहिल्या उद्धार: पं. तिवारी ने बताया कि मंगलवार को ताड़का वध, मारीच सुबाहु वध और अहिल्या उद्धार की लीला होगी।

महाकौशल एक्सप्रेस का एक फेरे के लिए मार्ग परिवर्तित

जबलपुर, देशबन्धु। उत्तर मध्य रेल, आगरा मंडल के पलवल-मथुरा रेलखंड में मथुरा एवं भूतेश्वर स्टेशनों पर थर्ड एवं फोर्थ लाइन के कनेक्शन के लिये यार्ड रीमॉडलिंग कार्य के चलते हज़रत निजामुद्दीन-जबलपुर महाकौशल एक्सप्रेस का मार्ग परिवर्तित किया गया है। रेलवे के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि गाड़ी संख्या 12190 हज़रत निजामुद्दीन-जबलपुर महाकौशल एक्सप्रेस 10 अक्टूबर को हज़रत निजामुद्दीन स्टेशन से अपने निर्धारित समय पर प्रस्थान कर परिवर्तित मार्ग वाया गाज़ियाबाद

जंक्शन-मितावली-आगरा कैंट होकर जबलपुर की ओर संचालित होगी। यह परिवर्तन एक ट्रिप के लिए रहेगा। गाड़ी संख्या 12060 हज़रत निजामुद्दीन-कोटा जनशताब्दी एक्सप्रेस 10 अक्टूबर को हज़रत निजामुद्दीन स्टेशन से अपने निर्धारित प्रस्थान समय से 120 मिनट री-शिड्यूल होकर प्रस्थान करेगी। यह री-शिड्यूल एक ट्रिप के लिए रहेगा।

सनातन को एक जुट करने हिंदू एकता यात्रा: में जबलपुर से 100 कारों का जत्था होगा शामिल

जबलपुर,देशबन्धु। बागेश्वर धाम के धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की हिंदू एकता यात्रा को लेकर पत्रकार वार्ता हुई। संतोष कुमार दुबे ने बताया कि जबलपुर संभाग से यात्रा में दिन-रात जल सेवा, स्वच्छता और व्यवस्थाओं में सहयोग किया जाएगा। जबलपुर से करीब 100 कारों का जत्था पहले बागेश्वर धाम पहुंचेगा, फिर यात्रा पन्ना, अजयगढ़, हटा, दमोह, सागर, टीकमगढ़ और छतरपुर होते हुए आगे बढ़ेगी। मनीष चड्डा ने बताया कि करीब 500 किमी की यह यात्रा 5-6 राज्यों से गुजरेगी। इसका उद्देश्य जातिगत भेदभाव मिटाकर सनातन समाज को एकजुट करना है। गुरुदेव गांव-गांव जाकर लोगों से मिलेंगे और समस्याएं सुनेंगे।

विजयादशमी पर सदर में 2100 शस्त्रों का पूजन,

जबलपुर,देशबन्धु। विजयादशमी पर सदर में सनातन परंपरा के अनुसार 2100 शस्त्रों का भव्य पूजन और त्रिशूल दीक्षा कार्यक्रम होगा। इसकी तैयारी को लेकर जय महाकाल संघ, अंतरराष्ट्रीय बजरंग दल और महिला शक्ति महासंघ की संयुक्त बैठक रामलीला मैदान सदर में हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष कन्हैया रामकृष्ण तिवारी ने बताया कि कार्यक्रम वैदिक विधि-विधान से होगा। इस बार महिला शक्ति महासंघ ने 151 शस्त्रों का पूजन कर धर्म रक्षा का संकल्प लिया है, जो नारी शक्ति का प्रतीक होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महामंडलेश्वर राजारामाचार्य , स्वामी राजेश दास, अनूप देव होंगे। अध्यक्षता धनुष यज्ञ रामलीला समिति अध्यक्ष सीताराम कुरचानिया करेंगे। मुख्य वक्ता कन्हैया रामकृष्ण तिवारी होंगे। आयोजन को भव्य बनाने के लिए सभी दुर्गा उत्सव, गणेश उत्सव, रामलीला समितियों और हिंदू समाज को आमंत्रित किया गया है। बैठक में राधा तिवारी, नीलू सोनकर, सुमित यादव, माया सिंह ठाकुर सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

दैनिक राशिफल

मंगलवार 06 अक्टूबर 2026 का पंचांग विक्रम संवत् 2083, शक संवत 1948 हिजरी 1447, अश्विनी कृष्ण पक्ष की एकादशी, नक्षत्र-अश्लेषा

मेष - आज आपको सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। भावुक रूप से आप थोड़े कमजोर बने रहेंगे। किसी भी बात से आपका मन दु-खी हो सकता है।

वृषभ - आज आपकी चिंताएं कम होंगी और उत्साह बढ़ेगा। मन प्रफुल्लित रहेगा। आज आप अधिक संवेदनशीलता और भावुकता का अनुभव करेंगे।

मिथुन - थोड़ा विलंब या अवरोध के बाद निर्धारित रूप से काम पूरा कर सकेंगे। आर्थिक आयोजन सफल कर सकेंगे। स्वादिष्ट भोजन प्राप्त होगा। क-678-457

कर्क - आज भावनाओं के प्रवाह में सराबोर रहेंगे। परिजन, मित्र तथा सगे- संबंधी उसमें सहभागी बनेंगे। भेंट- सौगात की प्राप्ति होगी। स्वादिष्ट भोजन करने और बाहर घूमने जाने का आयोजन होगा।

सिंह - आप अत्यधिक चिंता और भावनाओं के कारण शारीरिक और मानसिक रूप से व्यग्र और अस्वस्थता अनुभव करेंगे। गलत दलीलबाजी और वाद-विवाद तथा संघर्ष खड़ा हो सकता है।

कन्या - आज लाभ का दिन है। व्यापार- धंधे में विकास के साथ-साथ आय भी बढ़ेगी। नौकरी पेशावालों को लाभ का अवसर मिलेगा। वैवाहिक जीवन में सुख- संतोष की अनुभूति होगी।

तुला - परिवार में आनंद और उत्साह का वातावरण रहेगा। ऑफिस और नौकरी में आय वृद्धि पदोन्नति के लिए योग बनेंगे। मां से आर्थिक लाभ होगा। गृह सजावट का काम हाथ में लेंगे।

वृश्चिक - आज सभी विषय के नकारात्मक पहलुओं का अनुभव होगा। थकान और आलस के कारण स्फूर्ति का अभाव रहेगा। मन में गहरी चिंताएं सताया करेगी।

धनु - अनिच्छनीय घटनाएं, बीमारी, क्रोधावेश से आपका मानसिक व्यवहार हताशपूर्ण रहेगा। अपने क्रोध पर नियंत्रण रखें। सरकार विरोधी प्रवृत्तियों से दूर रहें।

मकर - विचार, व्यवहार में भावुकता रहेगी। फिर भी आप परिजनों और मित्रों के साथ खुशी से अपना दिन व्यतीत करेंगे। तन-मन में ताजगी और प्रसन्नता रहेगी। व्यवसाय में वृद्धि होगी।

कुंभ - आज किए गए काम में आपको यश, कीर्ति और सफलता मिलेगी। परिवार में मेल-जोल बना रहेगा। शारीरिक और मानसिक स्वस्थता बनी रहेगी।

मीन - आप आज अपने काम में काफी रचनात्मक रहेंगे। आप साहित्य के क्षेत्र में लेखन तथा पठन के काम में गहरी रुचि रखेंगे। हृदय की कोमलता प्रियजनों के निकट लाएगी। मॉ-356-490

2,7,8,9-26,78,81,92,64,56,35,44

गढ़ा गोंडवाना संघ ने वीरांगना के त्याग को किया नमन

जबलपुर,देशबन्धु। वीरांगना रानी दुर्गावती की जयंती पर गढ़ा गोंडवाना संरक्षण संघ ने गोंडवाना चौक स्थित राजा शंकर शाह-रघुनाथ शाह प्रतिमा स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की। पदाधिकारियों ने रानी के तेलचित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। एडवोकेट बालकिशन चौधरी ने कहा कि रानी दुर्गावती का जीवन नारी शक्ति, कुशल प्रशासन और

मातृभूमि के लिए सर्वोच्च त्याग का प्रतीक है। जिला सचिव गया प्रसाद धुर्वे ने कहा कि उनका शासन जनकल्याण को समर्पित था और मुगल सेना से युद्ध में उन्होंने अदम्य साहस दिखाया। इस अवसर पर सूरज चौधरी, राजेंद्र तेकाम, नोखेलाल बरकड़े, आकाश सोनकर सहित अन्य मौजूद रहे।

पमरे महाप्रबंधक ने भोपाल एवं रानी कमलापति रेलवे स्टेशनों का किया निरीक्षण

जबलपुर, देशबन्धु। पश्चिम मध्य रेलवे के महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह ने भोपाल रेल मंडल के दौरे के दौरान मंडल कार्यालय में अधोसंरचना से संबंधित कार्यों की समीक्षा बैठक की। बैठक में मंडल में चल रहे विभिन्न अधोसंरचना विकास कार्यों, यात्री सुविधाओं तथा आगामी त्योहारों के दौरान यात्रियों की बढ़ने वाली संख्या को ध्यान में रखते हुए की जा रही तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई। उन्होंने 1.12 करोड़ की लागत से तैयार लोको पायलट एवं ट्रेन मैनेजर के नवनिर्मित रनिंग रूम उद्घाटन किया। महाप्रबंधक ने भोपाल स्टेशन व रानी कमलापति स्टेशन का निरीक्षण किया।

एम.ए.कथक मेरिट लिस्ट में रोशनी श्रीवास्तव ने बनाई जगह

जबलपुर,देशबन्धु। कथक साधिका रोशनी श्रीवास्तव ने एम.ए.कथक की मेरिट लिस्ट में स्थान प्राप्त कर एक बार फिर अपनी प्रतिभा साबित की है। इससे पहले वे बीपीए कथक की मेरिट लिस्ट में भी स्थान हासिल कर चुकी हैं। रोशनी प्रसिद्ध कथक गुरु मेघा पांडे उपाध्याय के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण ले रही हैं।

नियमित रियाज और समर्पण ने उनकी कला यात्रा को नई ऊंचाई दी है। वे स्वरा नृत्य कला केंद्र की संचालिका भी हैं, जहां वे विद्यार्थियों को भारतीय शास्त्रीय नृत्य का प्रशिक्षण देकर परंपरा को आगे बढ़ा रही हैं। बीपीए के बाद एम.ए. में भी मेरिट में आना उनकी निरंतर मेहनत और उत्कृष्ट प्रदर्शन का प्रमाण है। रोशनी ने सफलता का श्रेय गुरु, परिवार और शुभचिंतकों को दिया। उपलब्धि पर कला जगत और विद्यार्थियों ने बधाई दी। श्रीमती रोशनी श्री राकेश श्रीवास्तव की धर्मपत्नी हैं।

रविदास परिवार पर हमले के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग, समाज ने एसपी को दिया ज्ञापन

जबलपुर,देशबन्धु। गुरु रविदास धाम ग्वारीघाट के आह्वान पर रविदास समाज के प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर वरिष्ठ समाजसेवी मुन्नीलाल अहिरवार के परिवार पर हुए कथित हमले के आरोपियों पर कठोर कार्रवाई और पीड़ितों को न्याय दिलाने की मांग की। पीड़ित पक्ष के अनुसार 25 सितंबर रात 7:30 बजे गणेश विसर्जन के बाद राजा रसगुल्ला गली में यश अहिरवार और युवराज के साथ कपिल सोनकर, राहुल सोनकर व

अंशुल रैकवार ने मारपीट की। दोनों गंभीर घायल हुए। थाना कोतवाली में अपराध क्र. 0409/26 दर्ज है। दूसरी घटना 26 सितंबर रात 11:30 बजे रवि नगर गढ़ा फाटक में हुई। आरोप है कि कपिल, राहुल, तरुण, यश और शेरू सोनकर ने ई-रिक्शा तोड़ा और घरों पर पथराव किया। हमारती अहिरवार के सिर पर तलवार से वार किया गया, वे जामदार अस्पताल में भर्ती हैं। दीपक अहिरवार के हाथ का ऑपरेशन हुआ है। थाना लॉर्डगंज में अपराध क्र. 0676/26 दर्ज है। ज्ञापन में मांग की गई कि नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी, निष्पक्ष जांच, घायलों को सुरक्षा दी जाए और पीड़ित पक्ष पर दर्ज प्रकरण की भी निष्पक्ष जांच हो। न्याय न मिलने पर शांतिपूर्ण आंदोलन की चेतावनी दी गई। इस दौरान यमेश चौधरी, एड. अरविंद चौधरी, सेठ बालकिशन चौधरी सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे।

निधन

ईश्वर अल्लाह तेरो नाम सबको सद्गति दे भगवान

श्री सौरव तिवारी- कृपाल चौक गुप्तेश्वर निवासी श्री सूर्यकांत तिवारी के पुत्र श्री सौरव तिवारी (39) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती हेमवती रैकवार- खेरमाई वार्ड हनुमानताल थाने के पीछे निवासी श्री बालादीन रैकवार की धर्मपत्नी श्रीमती हेमवती रैकवार (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती अनीता शर्मा- एपीआर कॉलोनी कटंगा निवासी श्री एसके शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती अनीता शर्मा (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री संतोष कुमार कोरी- वल्दी कोरी की दफाई सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री संतोष कुमार कोरी (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री सौरभ पटेल- जोगिनी नगर रामपुर निवासी श्री कंधी लाल पटेल के पुत्र श्री सौरभ पटेल (34) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती शीला देवी पासी- तुलसी मोहल्ला घमापुर निवासी श्री गुलाब चंद पासी की धर्मपत्नी श्रीमती शीला देवी पासी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती शशि शर्मा- टैगोर नगर बादशाह हलवाई मंदिर मोड़ गौरीघाट रोड निवासी श्री पूरन चंद्र शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती शशि शर्मा (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री उमेश कुमार विश्वकर्मा- करियापाथर मुक्तिधाम रोड निवासी श्री उमेश कुमार विश्वकर्मा (61) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती गीता सिंह- न्यू रामनगर अधारताल निवासी श्री बालेश्वर सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती गीता सिंह (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री जनार्दन पाण्डेय- हैड पोस्ट आफिस के पास सिविल लाइन निवासी श्री जनार्दन पाण्डेय (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

सुश्री राजमणि पाण्डेय- अधारताल निवासी श्रीलाल पाण्डेय की पुत्री सुश्री राजमणि पाण्डेय (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती श्यामा बाई- शीतलामाई कांचघर रोड भगवानदास शर्मा स्कूल के सामने निवासी श्री चुन्नी लाल डुमार की धर्मपत्नी श्रीमती श्यामा बाई (83) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री किशन रैकवार- छोटी ओमती निवासी श्री किशन रैकवार (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सोना बाई चौधरी- छुई खदान मड़ैया श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड निवासी श्री पूरन चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती सोना बाई चौधरी (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

पांच शातिर चोर पुलिस के हत्थे चढ़े, गोहलपुर पुलिस की कार्रवाई

सोने-चांदी के जेवरों सहित इलेक्ट्रानिक सामान व दो लोडिंग वाहन जब्त

जबलपुर,देशबन्धु। गोहलपुर पुलिस ने पांच शातिर चोरों को दबोचा है। जिनके पास से घरेलू सामग्री, सोने-चांदी के चुराए हुए जेवर, इंटरा व्ही वाहन व महिन्द्रा पिकअप वाहन जब्त किया गया है। जिसकी कीमत करीब 25 लाख रुपये है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि विगत 26 जुलाई को नई बस्ती गोहलपुर निवासी मुदस्सिर अली ने शिकायत दर्ज करायी थी। जिसमें उन्होंने बताया कि उनका एक मकान अमन नगर फेस-2 में है। जो कि उनके भाई डॉ. इमरान अली व मॉ खुदेजा बानो के नाम पर है, जिसकी देखरेख वह करते है। 19 जुलाई को उक्त मकान पर ताला लगाकर वह अपने नई बस्ती वाले मकान में आ गये थे। 21 जुलाई को जाकर देखा तो उक्त मकान का ताला टूटा हुआ था। घर के अंदर से फ्रिज, कूलर, गीजर, बर्तन, फेन, बच्चे की इलेक्ट्रानिक बड़ी कार, केबल तार, प्लबिंग फिटिंग, लोहे की सीढ़ी तथा अन्य घरेलू सामान नहीं था। जिसे कोई अज्ञात चोर सूने मकान का ताला तोडक़र चुरा ले गया था। इसी प्रकार 11 सितंबर को अमन नगर निवासी अहमद अंसारी ने शिकायत दर्ज करायी थी कि वह अपने साढू अतीक अहमद की बेटी की शादी में शामिल होने सपरिवार रजा चौक गये थे। रात्रि में लौटे तो उनके घर का ताला टूटा हुआ था। आलमारी के लॉकर में रखे सोने की नथ, 2 मंगलसूत्र, चांदी की एक जोड़ी पायजेब, चांदी का एक हार, रन सेट, एक जोड़ी पायल, बच्चों के हाथ में पहनने के कड़े, 2 हाय, 5 अंगूठी तथा नगदी 2 लाख 75 हजार रूपये नहीं थे।

सीसीटीव्ही फुटेज से आरोपियों तक पहुंची पुलिस-पुलिस ने जांच दौरान आसपास के सीसीटीव्ही फुटेज खंगाले। जिनके आधार पर पुलिस ने आरोपी को चिन्हित किया और मुखबिर की सूचना पर नुरूद्दीन अंसारी उर्फ अज्जु पिता मुइनुद्दीन अंसारी उम्र 19 वर्ष निवासी ग्राम गुर्दा खजरी खिरिया बाइपास थाना आधारताल को धर दबोचा। जिसने पूछताछ में अपने एक अन्य साथी अंडा के साथ अमन नगर स्थित घर चोरी करना स्वीकार करते हुये चोरी किए गए सोने चांदी के जेवरात अपने घर में छुपाना बताया।

घर से सामग्री चुराने वाले भी पकड़ाए-पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि उन्होंने अपने अपने साथी मोह. इरशाद, आदिल उर्फ भीम के साथ मिलकर दो माह पूर्व अमन नगर एक और घर से इलेक्ट्रानिक सामान एवं बर्तन आदि चोरी करना स्वीकार किया। उक्त इलेक्ट्रॉनिक सामान एवं बर्तन इरशाद के पास होना बताया। पलिस ने सरगर्मी से तलाश करते हुए आरोपी मोहम्मद इरशाद पिता मोहम्मद इलियास अली उम्र 28 वर्ष निवासी 10 नल गाजी नगर गोहलपुर एवं भीम उर्फ आदिल खान पिता मोहम्मद फिरदौस उम्र 20 वर्ष निवासी गौस आटा चक्की के पास नूरी नगर थाना गोहलपुर को भी धर दबोचा।

ये जेवर हुए बरामद-पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चुराये हुये सोने के पेंडिल- 02 नग, नथ- 01 नग, झुमकी- 01 जोड़ी, टीका- 01 नग, लोंग-01 नग एवं चांदी का टीका- 01 नग, झुमकी- 01 जोड़ी, हार- 01 नग, हाय-02 नग, बालों की क्लिप- 03 नग, झुनझुना- 01 नग, हाथों की महंदी -01 नग, कड़े-02 नग, अंगूठी- 01 नग, बालों का फूल- 1 नग, पाजेब- 01 जोड़ी, पायल- 01 जोड़ी, फ्रिज-01 नग तथा पुराने बर्तन जप्त करते हुये आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया।

नूरुद्दीन और इरशाद है शातिर बदमाश-पुलिस ने बताया कि पकड़े गये आरोपी नूरुद्दीन एवं मोहम्द इरशाद शातिर अपराधी है। आरोपी नूरुदीन अंसारी उर्फ अज्जु के विरूद्ध पूर्व में थाना गोहलपुर, हनुमानताल, कोतवाली, आधारताल, ओमती, लार्डगंज में नकबजनी, मारपीट, चोरी, अवैध हथियार जैसे 11 गंभीर अपराध दर्ज हैं तथा आरोपी मोहम्मद इरशाद के पूर्व में थाना गोहलपुर, कोतवाली, हनुमानताल में चोरी नकबजनी, मारपीट, हत्या का प्रयास, अवैध हथियार के कुल 5 अपराध दर्ज हैं।

भांजे ने ही साथी के साथ मिलकर चुराया था मामा का वाहन-पुलिस ने बताया कि ग्राम रजगवां सिलौड़ी निवासी 31 वर्षीय गोविंद दहायत ने 11 सितंबर को शिकायत दर्ज करायी थी कि उसकी गाड़ी इंटरा व्ही 30 पीकप एलएक्स सीएलबी 6 क्रमांक एमपी 20 जेड के 9678 को उसका भांजा सौरभ दहिया चलाता है। जिसने 7 सितंबर को उक्त वाहन त्रिमूर्ति नगर राम मंदिर के पास खड़ा किया और घर चला गया। उक्त वाहन कोई अज्ञात चोर चुरा ले गया। पुलिस ने जांच पड़ताल करते हुए राजू उर्फ रामगोपाल साहू पिता रामलाल साहू उम्र 32 वर्ष निवासी ग्राम बड़स्वोर जिला रीवा को अभिरक्षा में लिया। जिसने पूछताछ में बताया कि इंट्रा पिकअप को वाहन चलाने वाले सौरभ दहिया के साथ मिलकर योजना बनाकर चुराया है। उक्त चुराए हुए वाहन को उड़ाकी टोल टैक्स के आगे जिला रीवा स्थित एक ढाबा के पास छिपाकर रखना बताया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर चुराया हुआ वाहन जब्त कर लिया है।

चोरी गया पिकअप वाहन जब्त-इसी प्रकार 8 सितंबर को मिलौनीगंज बधैया मोहल्ला निवासी बसंत कुमार यादव ने शिकायत दर्ज कराई थी। जिसमें उन्होंने बताया कि विगत 30 अगस्त को उनकी बोलेरो कंपनी की पिकअप क्रमांक एमपी 20जीए 8277 रोज की तरह घर के सामने खड़ी की थी। दूसरे दिन सुबह देखा तो पिकअप वाहन गायब था, जिसे कोई अज्ञात चोर चुरा ले गया था। पुलिस ने सीसीटीव्ही फुटेज खंगालते हुए खजरी खिरिया के पास से उक्त वाहन जब्त किया है। पुलिस अब आरोपियों की पतासाजी में जुटी हुई है।

जीरो डिग्री से पिस्टल के साथ पकड़ाया बदमाश

लार्डगंज पुलिस की कार्रवाई, पिस्टल व तीन कारतूस जब्त

जबलपुर,देशबन्धु। लार्डगंज पुलिस ने जीरों डिग्री क्षेत्र से एक बदमाश को पिस्टल और कारतूसों के साथ दबोचा है। पुलिस ने आरोपी के पास से एक पिस्टल व तीन कारतूस बरामद किये है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर पूछताछ शुरु कर दी है।

पुलिस ने बताया कि बीती रात मुखबिर की सूचना पर जीरो डिग्री वायपास के पास दबिश दी। जहां छोटी पुलिया के पास एक युवक संदिग्ध हालत में घूमते हुए नजर आया। जिसे घेराबंदी कर हिरासत में लिया गया। जिसने पूछताछ में अपना नाम आकाश कुशवाहा उम्र 21 वर्ष निवासी ग्राम मंगेली मंगेला थाना माढ़ोताल बताया। जिसकी तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके पास से एक पिस्टल, जिसकी मैग्जीन में तीन कारतूस लोड थे, बरामद किये। पुलिस ने आरोपी के पास से पिस्टल और कारतूस जब्त करते हुए उसके संबंध में आरोपी से पूछताछ शुरु कर दी है।

कार ने मारी टक्कर, तीन घायल

जबलपुर,देशबन्धु। बरेला थाने में हर्ष सिंगौर उम्र 19 वर्ष निवासी ग्राम सेमरखापा महाराजपुर जिला मंडला ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह ड्रायवरी का काम करता है। बीती देरशाम मारूती सुजुकी एक्सएल 6 क्रमांक एमपी 15 सीसी 5196 से मेडम रेखा भलावी एवं उनके पति जगदीश भलावी सर को लेकर ग्लोबल अस्पताल जबलपुर से मंडला जा रहा था। जैसे ही वे निरमा फैक्ट्री के पास हाईवे रोड बरेला पहुँचे, तभी शारदा मंदिर बरेला तरफ से आ रही कार क्रमांक एमपी 19 सीए 6451 के चालक ने तेज गति व लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए उनकी गाड़ी में साईड से टक्कर मार दी। जिससे तीनों को चोटे आ गई।

साढू भाई का अपहरण कर बंधक बनाकर मारपीट

पनागर क्षेत्र का मामला, आरोपी भाई पुलिस गिरफ्त में

जबलपुर,देशबन्धु। पनागर क्षेत्र में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। प्रेम विवाह के बाद उपजे आपसी विवाद और शक के चलते दो सगे भाइयों ने एक युवक का अपहरण कर लिया और उसे सुनसान जगह पर बंधक बनाकर मारपीट की। पीड़ित की पत्नी की सूचना पर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए बंधक युवक को ढूढ़ निकाला और वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी भाईयों को धर दबोचा

पनागर पुलिस को पीड़ित रोहित कोल 27 वर्ष निवासी ग्राम मुडिय़ा ने बताया कि आयुष राजोरिया ने लगभग एक साल पहले सोनम से प्रेम विवाह किया था। जिसकी एक 4 साल की बेटी भी है। बीते दिन दोपहर करीब 12 बजे आयुष अपने छोटे भाई कृष्णा के साथ रोहित के घर पहुंचा और पूछताछ करने लगा। जब रोहित ने सोनम के वहां होने से इंकार किया, तो आरोपियों ने एक खतरनाक साजिश रची। आरोपी रोहित को अपने साथ बाईपास ले गए, जहां उसे जबरन शराब पिलाई गई। नशे में सुध खोते ही आरोपियों ने उसे स्कूटी पर बैठाया और खजरी-खिरिया के रास्ते एक सुनसान ठिकाने पर खींच ले गए। जब रोहित को होश आया, तो उसने खुद को खौफनाक स्थिति में पाया। उसके दोनों हाथ पीछे रस्सी से कसकर बांधे हुए थे और आरोपी उस पर कहर ढाने को तैयार बैठे थे। आयुष राजोरिया ने दहशतगर्दी की हदें पार करते हुए धमकी देते हुए कहा कि पहले मेरी पत्नी को बुलाओ, तभी यहां से छोड़ेंगे।

इसी बीच पीड़ित पत्नी का फोन आने पर आरोपियों ने उसे गुमराह करते हुए गलत पता बताया। गनीमत रही कि पीड़ित की पत्नी और छोटे भाई भोला ने तुरंत डायल 112 पर कॉल कर पुलिस की मदद ली। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर दबिश दी और दोनों आरोपियों के चंगुल से रोहित को सुरक्षित मुक्त कराया। परसावड़ा धनवंतरीनगर स्थित घर में बंधक बनाकर हाथों-मुक्कों से की गई मारपीट से रोहित को गंभीर चोटे आई है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर आरोपी 23 वर्षीय आयुष राजोरिया और उसके भाई 20 वर्षीय कृष्णा राजोरिया दोनों निवासी परसवाड़ा धनवंतरीनगर को दबोच लिया है।

नवविवाहिता की मौत, परिजनों ने लगाये हत्या के आरोप

जबलपुर,देशबन्धु। शहर के एक निजी अस्पताल में नवविवाहिता दीक्षा पांडे की इलाज के दौरान मौत हो गई। मायके वालों ने उसकी सास उमा मिश्रा, ननद सोनम और पति अक्षय उर्फ सतीष मिश्रा पर हत्या का आरोप लगाया है। परिजनों का दावा है कि शादी के डेढ़ साल बाद भी बच्चा नहीं होने पर दीक्षा को लगातार ताने दिए जा रहे थे। हालत गंभीर होने के बाद वह वेंटिलेटर पर थी और बोल नहीं पा रही थी। ऐसे में भाई के मुताबिक दीक्षा ने हाथ पर एसएयू व ए लिखकर कथित तौर पर आरोपियों के नाम बताए।

बताया जा रहा है कि मृतिका दीक्षा मूल रूप से उत्तर प्रदेश के झांसी जिले के मऊरानीपुर की रहने वाली थी। करीब डेढ़ साल पहले उसकी शादी छतरपुर निवासी अक्षय से हुई थी। अक्षय सीआरपीएफ में नागपुर में पदस्थ है। परिजनों के मुताबिक 24 सितंबर को वह दीक्षा के साथ छतरपुर आया था। 27 सितंबर को परिवार में श्राद्ध कार्यक्रम के लिए दोनों हटा थाना क्षेत्र के ग्राम पाटन स्थित चाचा ससुर के घर पहुंचे थे। दीक्षा के भाई भूपेंद्र का आरोप है कि 29 सितंबर की दोपहर दीक्षा अपनी मां से फोन पर बात कर रही थी। इसी दौरान ननद सोनम से उसका विवाद हुआ और वह उसे जबरन घर से बाहर ले जाने लगी। आरोप है कि फोन पर उसकी मां ने दीक्षा की आवाज सुनी। परिवार का दावा है कि इसी दौरान उसका मुंह दबाकर गला दबाया गया।

भाई को हाथ से लिखकर बताया-

घटना के बाद दीक्षा को गंभीर हालत में जबलपुर के बड़ेरिया प्राइम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों ने हालत गंभीर होने पर उसे वेंटिलेटर पर रखा। भूपेंद्र को इसकी जानकारी मिली तो वह झांसी से जबलपुर पहुंचा। दीक्षा बोलने की स्थिति में नहीं थी, इसलिए उसने उससे लिखकर बात करने की कोशिश की। भूपेंद्र के मुताबिक दीक्षा ने अपनी हथेली पर पेन से एसएयू व ए लिखा। परिवार ने एस को सोनम, यू को उमा और ए को अक्षय से जोड़ते हुए आरोप लगाया कि दीक्षा ने मरने से पहले इन्हीं लोगों की ओर इशारा किया था।

मृतिका के परिजनों ने हत्या की आशंका जताई-मृतिका के मायके वालों का दावा है कि दीक्षा के गले पर दबाने के निशान थे। उनका आरोप है कि बच्चा नहीं होने को लेकर सास और ननद उसे ताने देती थीं। परिवार के मुताबिक इसी प्रताडऩा के कारण दीक्षा कुछ समय पति के साथ नागपुर में रहने लगी थी, लेकिन वहां भी उसे फोन पर परेशान किया जाता था। दीक्षा को 30 सितंबर को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। रविवार को तहसीलदार की मौजूदगी में पोस्टमार्टम कराया गया और शव परिजनों को सौंप दिया गया।

हाईकोर्ट को गुमराह करने वाले पर 50 हजार का जुर्माना

रेत ठेकेदार के खिलाफ दायर की थी याचिका

जबलपुर,देशबन्धु। हाईकोर्ट ने निजी व्यावसायिक विवाद को जनहित का रूप देकर न्यायालय की प्रक्रिया का इस्तेमाल करने पर सख्ती दिखाई है। न्यायमूर्ति विवेक रूसिया व न्यायमूर्ति प्रदीप मित्तल की युगलपीठ ने सहकार ग्लोबल लिमिटेड के खिलाफ दायर याचिका निरस्त करते हुए याचिकाकर्ता पर 50 हजार रुपये की लागत लगाई।

दरअसल, सीधी निवासी मनीष सिंह ने आरोप लगाया था कि शहडोल और सिंगरौली में रेत खनन का ठेका संचालित करने वाली कंपनी ने उनके ट्रक के नाम पर 17 फर्जी ई-ट्रांजिट पास जारी किए। साथ ही कंपनी के अनुबंध को निरस्त करने की मांग की गई थी। सुनवाई के दौरान प्रतिवादी कंपनी के अधिवक्ता शोएब हसन खान पर भी सुनवाई टलवाने और रेत हटाने का अवसर देने जैसे आरोप लगाए गए। हाईकोर्ट ने जांच कराई, जिसमें आरोप सही नहीं पाए गए। कोर्ट ने अधिवक्ता के खिलाफ पूर्व प्रतिकूल टिप्पणियां वापस लेते हुए जांच समाप्त कर दी। कोर्ट ने पाया कि विवाद मूलत: याचिकाकर्ता और कंपनी के बीच परिवहन कार्य से जुड़ा निजी विवाद था। कंपनी ने बताया कि करीब 20 माह में 2,93,797 ईटीपी जारी हुए, जबकि केवल 17 को चुनौती दी गई। कोर्ट ने कहा कि अनुच्छेद 226 का मंच निजी विवाद निपटाने के लिए नहीं है और याचिकाकर्ता स्वच्छ हाथों से अदालत नहीं आया। 25-25 हजार रुपये की दो लागत सहित 50 हजार रुपये चार सप्ताह में राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण में जमा करने का आदेश दिया गया। कंपनी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता नमन नागरथ और राज्य की ओर से उप महाधिवक्ता अभिजीत अवस्थी ने पैरवी की।

मनरेगा में एक साल का अनुभव नहीं तो नियुक्ति अवैध : हाईकोर्ट

रोजगार सहायक को झटका, अपील ख़रीज

जबलपुर,देशबन्धु। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि मनरेगा में मेट के रूप में न्यूनतम एक वर्ष का वास्तविक कार्य अनुभव नहीं होने पर ग्राम रोजगार सहायक की नियुक्ति में 15 अतिरिक्त अंकों का लाभ नहीं दिया जा सकता। न्यायमूर्ति विवेक रूसिया व न्यायमूर्ति प्रदीप मित्तल की युगलपीठ ने सालिकराम लिल्हारे की अपील निरस्त करते हुए नियुक्ति को अवैध ठहराने वाले एकलपीठ के आदेश को बरकरार रखा है।

बालाघाट जिले की जनपद पंचायत किरनापुर की ग्राम पंचायत जनवा का है। सालिकराम करीब 15 वर्ष तक ग्राम रोजगार सहायक के पद पर कार्यरत रहे। उनकी नियुक्ति को रामलाल नागेश्वर ने चुनौती दी थी।

शिकायत में आरोप था कि सालिकराम ने संबंधित पंचायत में मनरेगा के तहत मेट के रूप में कार्य नहीं किया, फिर भी उन्हें अनुभव के आधार पर 15 अतिरिक्त अंक दिए गए। जिला कलेक्टर ने 9 मई 2011 को नियुक्ति निरस्त कर दी थी। हालांकि, अतिरिक्त कमिश्नर ने उनके पक्ष में आदेश दिया। इसके खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका हुई। एकलपीठ ने 18 अगस्त 2026 को अतिरिक्त कमिश्नर का आदेश निरस्त कर दिया था। कोर्ट ने भी माना कि निर्धारित एक वर्ष का वास्तविक अनुभव पात्रता की अनिवार्य शर्त है। केवल लंबे समय तक नौकरी करने से नियुक्ति की मूल पात्रता की कमी दूर नहीं होती। राज्य की ओर से शासकीय अधिवक्ता राजेश तिवारी ने पक्ष रखा

दो डॉक्टरों पर 20 हजार रुपये का जुर्माना

थीसिस गाइड बदलने और समय बढ़ाने की मांग वाली याचिका की निरस्त

जबलपुर,देशबन्धु। हाईकोर्ट ने पीजी मेडिकल छात्रों की याचिका को गलतफहमी पर आधारित मानते हुए निरस्त कर दिया। न्यायमूर्ति विवेक रूसिया व न्यायमूर्ति प्रदीप मित्तल की युगलपीठ ने खंडवा मेडिकल कालेज के दो डाक्टरों पर कुल 20 हजार रुपये की कॉस्ट लगाई है। दोनों को 10-10 हजार रुपये चार सप्ताह में मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर में जमा करने होंगे। याचिकाकर्ताओं ने थीसिस गाइड डा. सौरभ जैन के खंडवा से मंदसौर स्थानांतरण का हवाला देते हुए नया गाइड नियुक्त करने और थीसिस जमा करने की अंतिम तारीख बढ़ाने की मांग की थी। उनका कहना था कि गाइड के स्थानांतरण से शोध कार्य प्रभावित हो रहा है। सुनवाई के दौरान रिकार्ड से सामने आया कि डा. जैन को स्थानांतरण के बाद भी दोनों छात्रों का थीसिस मार्गदर्शन जारी रखने की अनुमति मिली हुई थी।

हाईकोर्ट ने कहा कि ऐसा कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया, जिससे साबित हो कि डा. जैन ने मार्गदर्शन करने से इनकार किया हो। कोर्ट ने पाया कि खंडवा मेडिकल कालेज में संबंधित विषय में अन्य प्रोफेसर उपलब्ध नहीं था, इसलिए डा. जैन को ही मार्गदर्शन जारी रखने की अनुमति दी गई थी। कोर्ट ने कहा कि छात्रों के सामने केवल मंदसौर जाकर गाइड से मार्गदर्शन लेने की व्यावहारिक कठिनाई थी। इसे गाइड की अनुपलब्धता बताकर याचिका दायर करना उचित नहीं था। कोर्ट ने यह भी उल्लेख किया कि याचिका के कारण मेडिकल विश्वविद्यालय के कुलपति और रजिस्ट्रार की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए जमानती वारंट तक जारी करने की स्थिति बनी।

विवाहित पुत्री को अनुकंपा नियुक्ति से वंचित करना उचित नहीं

हाईकोर्ट ने निरस्तीकरण आदेश किया निरस्त

जबलपुर,देशबन्धु। हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण निर्णय में विवाहित पुत्री के अनुकंपा नियुक्ति आवेदन को केवल वैवाहिक स्थिति के आधार पर अस्वीकार किए जाने के आदेश को निरस्त कर दिया। न्यायमूर्ति विवेक सिंह ने विभाग को प्रकरण में नियमानुसार पुनर्विचार कर पात्रता के आधार पर अनुकंपा नियुक्ति का लाभ देने के निर्देश दिए हैं। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता दिनेश कुमार तिवारी व सुमित्रा तिवारी ने पैरवी की। विभाग ने याचिकाकर्ता के अनुकंपा नियुक्ति आवेदन को अस्वीकार कर दिया था, जिसके विरुद्ध हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई। न्यायालय ने मामले के तथ्यों और लागू विधिक प्रावधानों पर विचार करते हुए विभाग के अस्वीकृति आदेश को निरस्त कर दिया। अधिवक्ता दिनेश कुमार तिवारी ने बताया कि निर्णय उन विवाहित पुत्रियों के लिए महत्वपूर्ण है, जिन्हें केवल विवाह हो जाने के आधार पर अनुकंपा नियुक्ति से वंचित किया जाता है। उन्होंने कहा कि हाई कोर्ट का निर्णय समानता और न्याय के सिद्धांतों को मजबूत करता है।

शिक्षिका के एकाउंट से 31 हजार की राशि पार

जबलपुर,देशबन्धु। कोतवाली थाना क्षेत्र निवासी एक शिक्षिका के एकाउंट से साइबर ठगों ने 31 हजार दो सौ रुपये की राशि पार कर दी। पुलिस ने बताया कि बल्देवबाग संगम कालोनी निवासी 52 वर्षीय राखी विश्वकर्मा प्राइवेट शिक्षक है। जिनका एकाउं पंजाब नेशनल बैंक बड़ा फुहारा चौक में है। वह अपने एकाउंट से यूपीआई चलाती है। उनके गूगल पे के माध्यम से उनके एकाउंट से विगत दिनों 31 हजार दो सौ रुपये ट्रांसफर कर धोखाधड़ी की गई है।

शराब के लिये रुपये न देने पर मारपीट

जबलपुर,देशबन्धु। रांझी थाने में नरसिंह नगर कछियाना मोहल्ला निवासी 55 वर्षीय राजकुमार काछी ने शिकायत दर्ज करायी। जिसमें उसने बताया कि उनके घर के पीछे रहने वाला प्रतीक जयसवाल बीती रात करीब ग्यारह बजे आकर उनसे शराब पीने के लिये एक हजार रुपयें की मांग करने लगा। उन्होंने रुपये देने से मना किया तो आरोपी ने मारपीट शुरु कर दी। उसकी चीख पुकार सुन उनका बेटा मोहित काछी व विशाल कश्यप और विशाल की मॉ गोमती पहुंची तो आरोपी ने उनके साथ भी मारपीट कर चोटे पहुंचा दी। पीड़ित पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

एक दर्जन दुकानों से एसी के कॉपर वायर चुरा ले गये चोर

जबलपुर,देशबन्धु। विजय नगर थाने में भगवती कुमार केशरवानी उम्र 46 वर्ष निवासी अमखेरा जागृतिनगर गोहलपुर ने शिकायत की कि मंडी प्रांगण विजयनगर में उसकी राधेश्याम फूड कम्पनी के नाम से दुकान है। कुछ अज्ञात तत्वों के उसकी दुकान की एसी का कॉपर वायर काट कर ले गये। इसके अलावा उसकी दुकान के बाजू में दुकान नम्बर 10, 12 तथा महेश कुमार रामबाबू, रंजीत फूड कम्पनी, मॉ नर्मदा फूड कम्पनी, अशोक फूड कम्पनी, आशीष फूड कम्पनी, प्रभू राजा फूड कम्पनी मोहम्मद सलाम फूड कम्पनी, रामसुख फूड कम्पनी और भी अन्य दुकानों का एसी का कॉपर पाईप काट कर चोरी कर ले गये है। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

श्मशान की तीन एकड़ जमीन पर कब्जे का आरोप

गरीबों के अतिक्रमण पर कार्रवाई, दबंग कब्जाधारियों पर प्रशासन की चुप्पी!, ग्रामीणों ने पुराने राजस्व रिकॉर्ड से जांच की उठाई मांग

पाटन, देशबन्धु। पाटन ब्लॉक के ग्राम भामक पढ़ारिया में श्मशान के लिए दर्ज करीब 3 एकड़ से अधिक शासकीय भूमि को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन की अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि कार्रवाई में समानता नहीं बरती गई। ग्रामीणों का कहना है कि शासकीय भूमि पर अबैध कब्ज़ाधरी खसरा न 71 में गुड्डा साहू,मुकेश गौड, कालू राम गौड,धनी राम वही अन्य सरकारी खसरा जिनमें अंतु चौधरी,गुल्ली चौधरी,लाखन सिंह,आशु चौधरी,जगदीश चौधरी,गिंदु चौधरी सहित नेक नारायण सिंह के अबैध कब्जे की शिकायत की गई थी,लेकिन कार्रवाई के दौरान 12 लोगों के नाम हटा दिए गए और केवल नेक नारायण सिंह कब्ज़ाधारी के विरुद्ध कार्रवाई के आदेश दिए गए। ग्रामीणों के अनुसार कार्रवाई के दौरान सिर्फ नेक नारायण सिंह के कब्जे को हटाया गया। नेक नारायण सिंह ने आरोप लगाया है कि नायब तहसीलदार मैडम रश्मि चौधरी ने साठ गांठ करके अन्य कब्जाधारियों के अतिक्रमण नहीं हटाए, जबकि उनके खिलाफ कार्रवाई कर दी गई। उन्होंने इस संबंध में गंभीर आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है।

तीन एकड़ जमीन,मौके पर आधा एकड़ भी नहीं बचने का दावा-ग्रामीणों का कहना है कि राजस्व अभिलेखों में श्मशान के लिए दर्ज भूमि का रकबा 3 एकड़ से अधिक है,लेकिन मौके पर वर्तमान में आधा एकड़ भूमि भी शेष नहीं बची है। ऐसे में ग्रामीणों ने सवाल उठाया है कि शेष भूमि आखिर कहां गई और उस पर वर्तमान में कौन-कौन काबिज है। ग्रामीणों का आरोप है कि श्मशान भूमि पर लंबे समय से धीरे-धीरे कब्जे होते रहे,लेकिन समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। अब अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू हुई तो उसमें भी कथित रूप से भेदभाव किए जाने के आरोप सामने आ रहे हैं।

पुराने रिकॉर्ड खुलवाने की मांग-ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर से मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि पुराने खसरा,नक्शे और राजस्व अभिलेखों को निकलवाकर वर्तमान रिकॉर्ड से मिलान कराया जाए। जिससे श्मशान भूमि का पूर्व का वास्तविक रकबा,वर्तमान स्थिति और कथित अतिक्रमण की पूरी तस्वीर सामने आ सकती है। ग्रामीणों ने यह भी मांग की है कि यदि पुराने और वर्तमान रिकॉर्ड में अंतर मिलता है तो उसकी भी जांच कराई जाए।

'गरीबों पर कार्रवाई तो बाकी कब्जों पर चुप्पी क्यों?-ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि यदि प्रशासन शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने को लेकर गंभीर है तो श्मशान भूमि पर काबिज सभी लोगों के विरुद्ध समान रूप से कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही। ग्रामीणों का कहना है कि कार्रवाई किसी व्यक्ति विशेष तक सीमित न रहकर सभी अतिक्रमणों की निष्पक्ष जांच के आधार पर होनी चाहिए।

एसडीएम के समक्ष पहुंचा मामला-कब्जा हटाने की कार्रवाई से प्रभावित छह लोगों ने 29 सितंबर को एसडीएम मानवेन्द्र सिंह के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया था। इसके बाद मामले की जांच के लिए नायब तहसीलदार रश्मि चौधरी को निर्देशित किया गया था। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि जांच के दौरान गांव के लोगों से पर्याप्त जानकारी नहीं ली गई और मौके की पूरी स्थिति का परीक्षण भी नहीं किया गया। ग्रामीणों के अनुसार मौके पर मौजूद हल्का पटवारी नितिन दुबे एवं ग्राम सचिव सुमित दाहिया के समक्ष भी अन्य लोगों के कथित कब्जे की जानकारी दी गई थी। ग्रामीणों का कहना है कि उक्त जानकारी जांच प्रतिवेदन में भी दर्ज की गई है।

सीमांकन से खुलेगा पूरा राज-अब ग्रामीणों ने श्मशान भूमि का दोबारा सीमांकन कराने,पुराने एवं वर्तमान राजस्व रिकॉर्ड,खसरा-नक्शे और मौके की स्थिति का मिलान कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि 3 एकड़ से अधिक दर्ज भूमि में से यदि वर्तमान में आधा एकड़ से भी कम जमीन शेष है,तो बाकी भूमि पर किसका कब्जा है,इसका स्पष्ट खुलासा होना चाहिए। ग्रामीणों ने कलेक्टर से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर श्मशान भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया जाए और यदि किसी स्तर पर रिकॉर्ड में गड़बड़ी या नियमों के विपरीत कार्रवाई सामने आती है तो जिम्मेदारी तय की जाए। उनका कहना है कि कार्रवाई हो तो सभी के खिलाफ समान रूप से हो।

इनका कहना

जब इस मामले को लेकर जब नायब तहसीलदार मैडम से बात की गई तो उन्होंने बताया कि सभी लोगों के अतिक्रमण हटाए गए हैं।

रश्मि चौधरी, नायब तहसीलदार, पाटन

नाले में डूबने से मासूम की मौत, गांव में छाया मातम

सलेहा, देशबन्धु। ग्राम नचने में तब मातम छा गया जब शनिवार को नरवा के पास खेल रहे 10 वर्षीय बालक हनी के पानी में डूबने की खबर मिली। आनन-फानन में परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों द्वारा 10 वर्षीय मासूम हनी को मृत घोषित कर दिया गया। बताया जा रहा है कि हनी दो अन्य बच्चों के साथ नरवा के पास खेल रहा था। इसी दौरान वह वहां बने गहरे पानी के गड्ढे में डूब गया। साथ मौजूद दोनों बच्चे घबरा गए और घटना की जानकारी परिजनों को दी।

परिजनों ने मौके पर पहुंचकर बालक की तलाश की। परिवारजनों के मुताबिक जब हनी को पानी से बाहर निकाला गया, तब उसकी सांस चल रही थी। परिजन उसे तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन अस्पताल पहुंचते-पहुंचते उसकी सांस थम गई। दस वर्षीय बालक की मौत की सूचना मिलते ही समूचे क्षेत्र में मातम सा पसर गया।

हनी के पिता जोगिदा और माता राजकुमारी का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के बाद परिजनों के साथ सरपंच प्रतिनिधि रामबहोरी विश्वकर्मा भी अस्पताल में मौजूद रहे और परिवार को ढांढस बंधाया। घटना की सूचना मिलने पर सलेहा पुलिस के प्रधान आरक्षक विपिन पांडे अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घटना की लिखापढ़ी एवं आवश्यक पुलिस कार्रवाई की। शाम अधिक होने के कारण शव को मर्चरी में रखवाया गया है। रविवार सुबह पोस्टमार्टम कराकर शव को परिजनों के हवाले कर दिया गया जहां पर उसका अंतिम संस्कार किया गया।

सार-समाचार

कुंडम तहसीलदार को ज्ञापन सौंप कर कोटवारों ने जताया आक्रोश

कुंडम, देशबन्धु। मध्य प्रदेश के गरीब कोटवारों की प्रमुख मांगों का निराकरण न होने से 2 अक्टूबर गांधी जयंती से काली पट्टी विरोध एवं शांतिपूर्वक अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन के संबंध में आज कुंडम तहसीलदार रविंद्र पटेल को मुख्यमंत्री के नाम पर ज्ञापन सौंपा गया।

मप्र आजाद कोटवार संघ प्रदेश के 38 हजार कोटवारों को परमानेंट शासकीय कर्मचारी घोषित किया जाए और शासकीय भूमि पर 10 एकड़ का मलकाना दिया जाए। पूर्व में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा कोटवार पंचायत 2023 में की गई घोषणा का पूर्ण पालन हो, कोटवारों की सेवाकाल में मृत्यु होने 10 लाख रुपए की अनुग्रह सहायता एवं कोटवार सेवा मुक्ति

राशि एक लाख से बढ़कर 5 लाख रुपए तक किया जाए, कोटवारों की वर्दी का पैसा कोटवारों के खाते पर आना चाहिए। अपनी मनपसंद वर्दी को खरीद कर सिल्वा कर पहनी जाएगी। कोटवारों की सात सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन कुंडम कार्यालय आकर तहसीलदार को ज्ञापन सौंप कर कोटवारों ने आक्रोश जताया। यदि सरकार नहीं सुनती है तो 22 अक्टूबर से मध्य प्रदेश के 55 जिलों में जिला स्तर पर जीवन रक्षक कार्यों को छोड़कर कलम बंद हड़ताल पर धरना प्रदर्शन करेंगे, जिसकी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। ज्ञापन सौंपते समय नरेश दहिया, अमर सिंह, अंबिका झारिया, लाला शेयाम, कुसुंम बाई, गीताबाई, दीनू यादव सहित अन्य उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत निःशुल्क नेत्र जांच, किया चश्मे का वितरण

शहपुरा, देशबन्धु। नगर की समदारिक दाहिक स्वास्थ्य मै सेवा संकल्प अभियान के तहत सोमवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, शहपुरा में नि:शुल्क नेत्र जांच एवं परीक्षण तथा चश्मा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक ठा. नीरज सिंह की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. सीके अतरौलिया एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के समस्त स्टाफ के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में विकासखंड के विभिन्न ग्रामों से आए 315 हितग्राहियों का पंजीयन किया गया। पंजीयन के पश्चात सभी हितग्राहियों का विशेषज्ञों द्वारा नेत्र परीक्षण एवं जांच की गई। जांच के आधार पर हितग्राहियों को आवश्यक उचित उपचार एवं चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया तथा जरूरतमंद हितग्राहियों को नि:शुल्क चश्मों का वितरण किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा दृष्टि संबंधी समस्याओं का समय पर परीक्षण एवं उपचार सुनिश्चित करना रहा।

ट्राला की टक्कर से पुत्र की मौत

पन्ना, देशबन्धु । एक तेज रफ्तार ट्राला ने मोटरसाइकिल चालक को जोरदार टक्कर मार दी टक्कर इतनी भयानक रही की पुत्र घटनास्थल पर ही मौत हो गई तथा पिता बुरी तरह घायल बताया जाता है कि सीमेंट से भरा ट्राला अमानगंज से पन्ना की ओर जा रहा था तथा मोटरसाइकिल चालक पिता पुत्र अपने ग्रह ग्राम शंकरगढ़ जा रहे थे इस दौरान ग्राम द्वारी मुख्य बस स्टैंड के पास यह जोरदार टक्कर हुई और पुत्र की मौत हो गई तथा पिता घायल हैं । भारी भरकम ट्रैक चलने से रोज सड़क हादसे में लोग अपनी जान गवा रहे हैं ट्राला क्रमांक एनएल 01 के 2135 है। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई अमानगंज थाना पुलिस ने घटनास्थल पहुंचकर मृतक का शव ट्रैक्टर में लादकर पोस्टमार्टम के लिए अमानगंज स्वास्थ्य केंद्र लाया गया है।

शांति समिति की बैठक में उठे कई मुद्दे

लाइट, सड़क, अवैध मांसाहार दुकानों, डीजे और पुलिस व्यवस्था को लेकर हुई चर्चा

पाटन, देशबन्धु। नगर परिषद पाटन के सभागार में प्रशासन द्वारा आगामी त्योहारों को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर में संचालित दुर्गा समितियों के पदाधिकारियों,गणमान्य नागरिकों,जनप्रतिनिधियों एवं पत्रकारों से त्योहारों के दौरान व्यवस्थाओं को लेकर सुझाव लिए गए। बैठक में कांग्रेस नेता संजय यादव एवं ब्रजभान यादव ने नगर में लाइट और सड़क की समस्याओं का मुद्दा उठाते हुए प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया। वहीं एडवोकेट सौरभ शर्मा ने प्रशासनिक रोक के बावजूद शहर के अंदर संचालित हो रही अंडा-मुर्गा दुकानों का मुद्दा उठाया और कार्रवाई की मांग की। अनुविभागीय अधिकारी ने दुर्गा पंडाल समितियों को विद्युत सुरक्षा को लेकर विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बिजली संबंधी हादसे में जनहानि होने की स्थिति में समिति के सदस्यों की जिम्मेदारी तय की जा सकती है और नियमानुसार आपराधिक प्रकरण दर्ज हो सकता है। नवागत एसडीओपी पाटन आशुतोष द्विवेदी ने डीजे संचालन को लेकर समिति सदस्यों एवं डीजे संचालकों को ध्वनि नियंत्रण के निर्देश दिए।

मगरकटा में स्कूल बंद करने की प्रक्रिया का ग्रामीणों ने किया विरोध

मझौली, देशबन्धु। मझौली तहसील के ग्राम मगरकटा में शासकीय विद्यालय को बंद किए जाने की प्रक्रिया का ग्रामीणों एवं अभिभावकों ने विरोध किया है। जिला पंचायत सदस्य क्षेत्र क्रमांक-16 प्रदीप पटेल के नेतृत्व में ग्रामीणों ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व (एसडीएम) के समक्ष ज्ञापन सौंपकर उक्त विद्यालयों को यथावत संचालित रखने की मांग की है।

ग्रामीणों द्वारा दिए गए आवेदन में बताया गया कि ग्राम मगरकटा में संचालित शासकीय प्राथमिक शाला को बंद कर लगभग एक किलोमीटर दूर अन्य ग्राम में स्थिति शासकीय शाला में मर्ज कर दिया गया है। वहीं शासकीय माध्यमिक शाला,जिसका डाईस कोड 23390307801 है,उसे भी बंद किए जाने की प्रक्रिया चलने की जानकारी ग्रामीणों को मिली है।

जिला पंचायत सदस्य प्रदीप पटेल के नेतृत्व में एसडीएम को सौंपा ज्ञापन, स्कूल यथावत संचालित रखने की मांग

आवेदन में ग्रामीणों ने बताया कि मगरकटा गांव में अधिकांश बच्चे छोटे हैं और गरीब,किसान,मजदूर तथा आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से आते हैं। ऐसे में छोटे बच्चों को प्रतिदिन लगभग एक किलोमीटर दूर दूसरे गांव में स्कूल भेजना अभिभावकों के लिए चिंता का विषय है। दूरी बढ़ने से बच्चों की नियमित उपस्थिति प्रभावित होने के साथ ही उनकी पढ़ाई छूटने की आशंका भी जताई गई है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में विद्यालय संचालित होने से बच्चों को घर के समीप ही शिक्षा मिल रही थी और अभिभावक भी उनकी सुरक्षा एवं पढ़ाई पर आसानी से ध्यान दे पा रहे थे। विद्यालय बंद होने से सबसे अधिक परेशानी छोटे बच्चों और बालिकाओं को उठानी पड़ सकती है।

आवेदन में कहा गया कि शासन द्वारा हर बच्चे तक शिक्षा पहुंचाने,बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा व्यवस्था मजबूत करने के प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे में गांव में वर्षों से संचालित विद्यालय को बंद करना ग्रामीण बच्चों के हित में उचित नहीं है।

ग्रामीणों एवं अभिभावकों ने एसडीएम से मांग की है कि मगरकटा स्थित शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय को बंद किए जाने की प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाई जाए तथा विद्यालयों को यथावत संचालित रखने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाए,ताकि गांव के छोटे-छोटे बच्चों की शिक्षा बाधित न हो।

कटनी स्टेशन पर विशेष किलाबंदी टिकट जांच अभियान

बिना टिकट यात्रियों पर कार्रवाई, ट्रेनों और प्लेटफॉर्म पर की सघन जांच

जबलपुर, देशबन्धु। पश्चिम मध्य रेलवे के प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक अरविंद कुमार रजक के निर्देशन और वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक शशांक गुप्ता की रणनीति के तहत कटनी स्टेशन पर सोमवार को विशेष किलाबंदी टिकट जांच अभियान चलाया गया।

सुबह 8 बजे शुरू हुए अभियान में जबलपुर, भोपाल और कोटा मंडल के टिकट जांच कर्मचारियों ने ट्रेनों, प्लेटफॉर्म और प्रवेश द्वारों पर यात्रियों के टिकटों की सघन जांच की। बिना टिकट या अनियमित यात्रा करने वाले यात्रियों के विरुद्ध रेलवे नियमों के तहत कार्रवाई की गई। जांच में टिकट चेकिंग स्टाफ के साथ आरपीएफ और जीआरपी के जवान भी तैनात रहे।

अभियान के दौरान कैटरिंग स्टॉल और वेंडरों की भी जांच की गई, ताकि यात्रियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप सेवाएं मिलें और रेलवे परिसर में अनियमितताओं पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक शशांक गुप्ता ने पूरे जबलपुर मंडल, विशेषकर जबलपुर-कटनी-मैहर-सतना रेलखंड में व्यापक टिकट जांच अभियान जारी रखने के निर्देश दिए हैं। इस हेतु मंडल मुख्य टिकिट निरीक्षक संदीप श्रोती को भी कटनी स्टेशन पर नियुक्त किया गया जिनके द्वारा श्री गुप्ता से प्राप्त दिशा निर्देश के आधार पर टिकिट चेकिंग स्टाफ को चेकिंग हेतु तैनात किया गया। अभियान का उद्देश्य बिना टिकट और अनियमित यात्रा पर रोक लगाना तथा नियमानुसार जुर्माना वसूलना है। रेल प्रशासन की तरफ से क्षेत्रीय प्रबंधक कटनी रोहित सिंह एवं स्टेशन प्रबंधक संजय दुबे ने स्पष्ट किया है कि यात्रियों की सुविधा और रेलवे राजस्व की सुरक्षा के लिए ऐसे सघन टिकट जांच अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

चेकिंग अभियान में प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक उड़नदस्ता , कटनी प्रभारी धीरेंद्र दाहिया, जबलपुर मंडल, भोपाल मंडल, कोटा मंडल के कुल 34 टिकट जांच कर्मचारियों द्वारा लगभग 20 गाड़ियों की जांच की गई तथा बिना टिकट, अनियमित यात्रा कर रहे यात्रियों, बिना बुक लगेज, अनाधिक्रत वेंडर्स व गन्दगी फैलाने वाले कुल 320 यात्रिओं से 215000 की राशि जुर्माने के रूप में वसूल की गई।

मवेशी चराने गए बुजुर्ग पर बाघ ने किया हमला, मौत

सिवनी, देशबन्धु । कुरई थाना क्षेत्र में सोमवार दोपहर करीब 12 बजे जंगल से लगे क्षेत्र में मवेशी चराने गए 62 वर्षीय बुजुर्ग पर बाघ ने हमला कर दिया। हमले में बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम और कुरई थाना पुलिस मौके पर पहुंची तथा घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की।

सिवानकन्हार ग्राम पंचायत के रमपुरी निवासी सुम्मर लाल (62) सोमवार दोपहर अपने मवेशियों को चराने के लिए पिंडरई बीट क्षेत्र में गए थे। बताया गया है कि वे पिंडरई बीट के कक्ष क्रमांक पी 358 से लगे राजस्व क्षेत्र में मवेशी चरा रहे थे। इसी दौरान वहां मौजूद बाघ ने उन पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले के कारण बुजुर्ग को संभलने का मौका नहीं मिला और उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी ग्रामीणों के माध्यम से वन विभाग और पुलिस को दी गई। इसके बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घटना से जुड़े साक्ष्य जुटाए। अधिकारियों द्वारा आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण करने के साथ ही बाघ की मौजूदगी और उसकी गतिविधियों की जानकारी जुटाई जा रही है। क्षेत्र में वन अमले की निगरानी भी बढ़ाई जा रही है, ताकि ग्रामीणों को संभावित खतरे से बचाया जा सके।

परिवार को मिलेगी आठ लाख की सहायता - वन विभाग की ओर से मृतक के परिवार को शासन के निर्धारित प्रावधानों के अनुसार 8 लाख रुपए की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। विभागीय स्तर पर आवश्यक प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

गयाजी की यात्रा, पाटन के यात्रियों के लिए बना यादगार अनुभव

किफायती किराया, कुशल चालक और पारिवारिक माहौल ने जीता यात्रियों का भरोसा

पाटन, देशबन्धु। पाटन नगर में यातायात सेवाओं के क्षेत्र में लंबे समय से अपनी पहचान रखने वाली ठाकुर ट्रांसपोर्ट कम्पनी द्वारा इस वर्ष भी गयाजी पिंडदान के लिए यात्रियों को सुविधाजनक एवं सुरक्षित पाटन से गयाजी की यात्रा कराई गई। कम्पनी की ओर से तीन बसों के माध्यम से करीब 125 यात्रियों को गयाजी की यात्रा कराई गई। यात्रियों ने किफायती किराये,सुरक्षित यात्रा और पारिवारिक माहौल के लिए ट्रांसपोर्ट कम्पनी की सराहना की।

बताया जाता है कि पाटन में ठाकुर ट्रांसपोर्ट कम्पनी की स्थापना 1970 के दशक में भाईयन सेठ के द्वारा की गई थी। उस दौर में पाटन नगर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में यातायात के साधन सीमित थे। ऐसे समय से लेकर आज तक कम्पनी ने परिवहन के क्षेत्र में अपनी सेवाएं जारी रखी हैं। पिछले करीब आठ वर्षों से कम्पनी द्वारा प्रयागराज,

बनारस और गयाजी की यात्राएं भी कराई जा रही हैं। ठाकुर ट्रांसपोर्ट कम्पनी के मैनेजर निखिल ठाकुर ने बताया कि इस वर्ष गयाजी यात्रा के लिए प्रति यात्री 3100 रुपए किराया निर्धारित किया गया था, ताकि सामान्य एवं मध्यम वर्ग के लोग भी आसानी से यात्रा कर सकें। तीन बसों में करीब 125 यात्रियों ने यात्रा की। उन्होंने बताया कि यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा का कम्पनी की ओर से विशेष ध्यान रखा गया तथा रात्रि विश्राम के लिए धर्मशाला की व्यवस्था भी की गई। उड़ना मेढ़ी की पूजा पटेल ने अपनी नन्ही बेटी के साथ गयाजी की यात्रा की।

उन्होंने यात्रा के अनुभव साझा करते हुए बताया कि पूरी यात्रा बेहद पारिवारिक माहौल में संपन्न हुई। उन्हें ऐसा महसूस हुआ जैसे बस में यात्रा कर रहे सभी यात्री एक ही परिवार के सदस्य हों। उन्होंने कहा कि नन्हीं बेटी के साथ यात्रा करने के बावजूद उन्हें किसी तरह की परेशानी महसूस नहीं हुई। वे अपने स्वर्गवासी पति का पिंडदान करने गयाजी गई थी। नगर के डब्बू नेमा,केपी सेन,भगवान सिंह लोधी,दीपेन्द्र यादव,शुभम नेमा,आशीष शर्मा, कमलेश साहू,बबलू झारिया,मोहन बर्मन, अशोक यादव,राजकुमार बबेले एवं शिवकुमार बर्मन सहित अन्य यात्रियों ने भी यात्रा को लेकर संतोष व्यक्त किया। यात्रियों ने कहा कि कम्पनी द्वारा गयाजी यात्रा का किराया सामान्य रखा गया,जिससे विभिन्न वर्गों के लोग आसानी से यात्रा कर सके। यात्रियों ने बताया कि यात्रा के दौरान बस के कुशल चालकों ने सुरक्षित एवं जिम्मेदारी के साथ बसों का संचालन किया। गयाजी पहुंचने से लेकर वापसी तक यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखा गया और सभी यात्रियों को सकुशल पाटन वापस पहुंचाया गया।

एफबीआई डायरेक्टर काश पटेल ने की सगाई

वाशिंगटन। एफबीआई डायरेक्टर काश पटेल ने गर्लफ्रेंड एलेक्सिस विल्किंस से सगाई कर ली है। दोनों ने सोशल मीडिया पर इसका ऐलान किया है। विल्किंस और काश पटेल अकसर साथ देखे जाते थे। अमेरिका में फेडरल एजेंसी ऑफ इन्वेस्टिगेशन के भारतवंशी डायरेक्टर काश पटेल ने अपनी गर्लफ्रेंड एलेक्सिस विल्किन्स से सगाई कर ली है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर तस्वीर शेयर करके खुद इसकी जानकारी दी है। सबसे पहले विल्किंस ने एक्स पर दोनों की तस्वीर शेयर की और बताया कि दोनों एक नए रिश्ते में बंध गए हैं। इसपर काश पटेल ने भी रिंग और दिल बनाते हुए रिश्ते कि पुष्टि कर दी। जानकारी के मुताबिक दोनों एक दूसरे को काफी समय से डेट कर रहे थे। काश पटेल इस समय 46 साल के हैं जबकि उनकी मंगेतर की उम्र केवल 27 साल है। काश पटेल के शपथ ग्रहण के वक्त भी विल्किंस वहीं मौजूद थीं। ऐसे में दोनों के बीच की केमिस्ट्री किसी से छिपी नहीं थी। एलेक्सिस विल्किंस एक कंट्री म्यूजिक सिंगर हैं। वह कई टीवी शो में भी नजर आ चुकीं हैं। इसके अलावा विल्किंस ने फिल्मों में भी काम किया है। सगाई का ऐलान करते हुए विल्किंस ने दोनों की ब्लैक ऐंड वाइट फोटो शेयर की थी।

पाकिस्तान में बड़ा बवाल

इमरान खान की खातिर सड़कों पर उतरी हजारों की भीड़

भारत को पड़ोस पाकिस्तान में भयंकर बवाल शुरू हो गया है। इसकी वजह पीटीआई यानी पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ समर्थकों का प्रदर्शन है। हजारों की संख्या में पीटीआई समर्थक अपने नेता की रिहाई की मांग को लेकर सड़कों पर उतर गए हैं। खान साल 2023 से जेल में बंद हैं।

प्रदर्शनकारियों और पाकिस्तान सरकार के बीच दो दौर की बातचीत असफल हो चुकी है। इससे पहले यह लॉन्ग मार्च 27 सितंबर से शुरू होना था, लेकिन इसे बाद में 4 अक्टूबर तक के लिए टाल दिया गया था। खबरें हैं कि मुल्क की सरकार प्रदर्शनकारियों को राजधानी इस्लामाबाद में प्रवेश से रोकने के लिए कोशिश कर रही है। वहीं, सरकार ने खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सुहेल अफरीदी पर दोनों पक्षों के बीच बातचीत कमजोर करने के आरोप लगाए हैं।

मार्च से पहले बातचीत– पीटीआई और पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज की अगुवाई वाली सरकार के बीच शुक्रवार और शनिवार को बातचीत हुई थी। हालांकि, दोनों पक्ष मूल मुद्दों पर सहमति नहीं बना सके और चर्चा खत्म हो गई। इधर, पाकिस्तान सरकार ने साफ कर दिया है कि कानून का उल्लंघन करने वालों को माफ नहीं किया जाएगा। गृहमंत्री मोहसिन नकवी

ने कहा है कि जारी प्रदर्शन के बीच अगर कोई कानून तोड़ता है, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

साथ ही उन्होंने कहा है कि इस्लामाबाद में किसी भी मार्च की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा, लॉन्ग मार्च पहले ही शुरू हो चुकी है और हम कानून तोड़ने वाले किसी को नहीं छोड़ेंगे। मार्च का पहला चरण रविवार दोपहर में गांधी चौक से शुरू हुआ, जिसमें लक्की मरवत, टैंक, डेरा इस्माइल खान, दक्षिण वजीरिस्तान, उत्तर वजीरिस्तान और बन्नू के समर्थक जुलूस में शामिल हुए। पार्टी की तरफ से इससे जुड़े कई वीडियो सोशल मीडिया पर भी शेयर किए गए हैं। अफरीदी के अनुसार, काफिला पहली रात करक के पास बिताएगा और फिर पांच अक्टूबर को कोहाट की ओर बढ़ेगा।

मार्च के पेशावर की ओर बढ़ने से पहले, छह अक्टूबर को कोहाट, हंगू, कुर्रम और ओरकजई से लोग इसमें शामिल होंगे। इसके बाद यह पेशावर और चारसद्दा से होते हुए आठ अक्टूबर को खैराबाद पहुंचेगा, जहां आंदोलन के अगले चरण की घोषणा होने की उम्मीद है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सरकारी अधिकारियों ने खैबर पख्तूनख्वा में राष्ट्रपति शासन या आपातकाल लगाने की संभावना भी जताई है। मार्च से पहले प्रदेश के कई जिलों में धारा 144 के तहत प्रतिबंध लागू कर दिए गए हैं।

डेरा इस्माइल खान में 04 अक्टूबर से 06 अक्टूबर तक तय रास्तों पर लोगों और गाड़ियों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। कानून–व्यवस्था और जन–सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए दक्षिण वजीरिस्तान, टैंक और हंगू के कुछ हिस्सों में भी इसी तरह के प्रतिबंध लगाए गए हैं।

आज का इतिहास

1499 – फ्रांस के राजा लुईस ने मिलान पर कब्जा किया।
1723 – बेंजामिन फ्रेंकलिन 17 साल की उम्र में फिलाडेल्फिया पहुंचे।
1762 – ब्रिटिश सैनिकों ने फिलीपींस के मनीला पर कब्जा किया।
1862 – भारतीय दंड संहिता कानून पारित हुआ और एक जनवरी से लागू हुआ।
1919 – तांबुलीस्की बुल्गारिया के प्रधानमंत्री बने।
1935 – भारत में 32 साल के सबसे लंबे समय तक अंपायरिंग करने वाले जीवन डी घोष का बंगाल में जन्म हुआ।
1957 – सोवियत संघ ने नोवाया ज़ेमल्या में परमाणु परीक्षण किया।
1972 – मेक्सिको में ट्रेन पटरी से उतरने से 208 लोगों की मौत।
1980 – गुयाना ने संविधान को अंगीकार किया।
1981 – काहिरा में सैनिक परेड के दौरान एक सैनिक समूह द्वारा मिस्त्र के राष्टपति अनवर सादात की हत्या।
1983 – पंजाब में राष्टपति शासन लगाया गया।
1987 – फिजी एक गणराज्य घोषित हुआ।

शिक्षकों को लोकसभा चुनाव से पहले 7वां वेतनमान दिलाना जन सुराज की गारंटीः प्रशांत

मुजफ्फरपुर। जन सुराज के सूत्रधार और विधायक प्रशांत किशोर ने रविवार को मुजफ्फरपुर में शिक्षक संवाद कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए कहा कि बिहार में सभी श्रेणी के शिक्षकों को अगले लोकसभा चुनाव से पहले सातवां वेतनमान दिलाना जन सुराज की गारंटी है। उन्होंने कहा कि वित्त रहित शिक्षकों की दशकों पुरानी समस्या का समाधान और समायोजन भी किया जाएगा। प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार में शिक्षक अलग-अलग श्रेणियों में बंटे हुए हैं। कोई वित्त रहित, कोई नियोजित, कोई विशिष्ट, कोई विद्यालय शिक्षक, प्रधानाचार्य या अतिथि शिक्षक हैं। जन सुराज ने संकल्प लिया है कि सभी श्रेणियों के शिक्षकों के लिए सातवां वेतनमान सुनिश्चित किया जाएगा।

बरेली में मुकेश सहनी ने शुरू किया 'हर घर निषाद संकल्प अभियान

बरेली। विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रमुख मुकेश सहनी ने रविवार को बरेली में 'हर घर निषाद संकल्प अभियान' की शुरुआत की। इस दौरान बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं, युवाओं और निषाद समाज के लोगों ने हाथ में गंगाजल लेकर अपने बच्चों के अधिकार और हक की लड़ाई लड़ने का संकल्प लिया। विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रमुख मुकेश सहनी ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि वह बरेली के दो दिवसीय दौरे पर आए हैं। इस दौरान पार्टी के युवा साथियों और समाज के लोगों ने उनका स्वागत किया। उन्होंने कहा कि 'हर घर निषाद संकल्प अभियान' के तहत लोगों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। अभियान के दौरान गंगाजल हाथ में लेकर लोगों ने संकल्प लिया है कि वे अपने बच्चों के अधिकार और हक के लिए संघर्ष करेंगे।

मुख्यमंत्री विजय ने धारापुरम में टीवीके उम्मीदवार के समर्थन में किया रोड शो

धारापुरम, (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने रविवार को धारापुरम में एक रोड शो किया और मंगलवार को होने वाले विधानसभा उपचुनाव से पहले प्रचार अभियान तेज होने के बीच तमिलागा वेट्री कड़गम (टीवीके) के उम्मीदवार सत्यभामा के लिए वोट मांगे। टीवीके के हजारों कार्यकर्ता और समर्थक मुख्यमंत्री विजय को देखने के लिए रास्ते में जमा हुए। प्रचार वाहन में मुख्यमंत्री के साथ सत्यभामा भी मौजूद थीं और उन्होंने मतदाताओं से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन करने की अपील की। यह रोड्शो तिरुप्पुर जिले की आरक्षित विधानसभा सीट पर पार्टी के प्रचार अभियान का हिस्सा था, जहां 6 अक्टूबर को होने वाले उप चुनाव में राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों और निर्दलीय उम्मीदवारों सहित कुल 22 उम्मीदवार मैदान में हैं। इस सीट पर टीवीके, डीएमके, एआईएडीएमके, नाम तमिलर काची (एनटीके) और सीपीआई के बीच पांच-तरफा मुकाबला हो रहा है। जैसे-जैसे मतदान की तारीख नजदीक आ रही है, उम्मीदवार और उनके समर्थक पूरे चुनाव क्षेत्र में मतदाताओं तक पहुंचने की कोशिशें तेज

नरेन्द्र मोदी ने रचा 25 वर्षों के स्वर्णिम सुशासन का कीर्तिमान

यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 7 अक्टूबर 2026 को अपनी अनवरत राष्ट्रसेवा के कीर्तिमान गढ़ने जा रहे हैं। यह वह ऐतिहासिक दिन होगा, जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री और तत्पश्चात देश के प्रधानमंत्री के रूप में 7 अक्टूबर 2026 को अपनी राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण करेंगे। यह भारत के राजनैतिक परिदृश?य में नया रिकार्ड होगा। उन्होंने 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में तथा 26 मई 2014 को देश के प्रधानमंत्री के रूप में दायित्व संभाला था।

मोदी के दौर में गुजरात की विकास यात्रा× श्री नरेन्द्र मोदी के मुख्यमंत्री रहते हुए गुजरात में अभूतपूर्व विकास हुआ। बुनियादी ढांचे, जल, ऊर्जा, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, कृषि, उद्योग और सामाजिक विकास के क्षेत्रों में सराहनीय कार्य हुए, जिसने एक आत्मविश्वासी, प्रगतिशील और आकांक्षी गुजरात की नींव रखी। 2003 में शुरू हुए वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट में निवेशकों, बड़े उद्यमियों और नीति निर्माताओं को एक साथ लाया गया, जिससे संयुक्त उपक्रमों,व्यापार और निवेश को बढ़ावा मिला। गुजरात में प्रारंभ ज्योतिग्राम योजना ने 1,290 करोड़ रुपये के निवेश के माध्यम से 18,000 से अधिक गांवों में 24 घंटे तीन–फेज बिजली पहुंचाई। गुजरात 2003–04 में मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना लागू करने तथा 2006 में अपनी स्वास्थ्य सेवाओं के अंतर्गत सिकल सेल एनीमिया नियंत्रण कार्यक्रम शुरू करने वाला देश का पहला राज्य बना। 2001 और 2014 के बीच गुजरात के विकास ने विभिन्न क्षेत्रों में बड़ी परियोजनाओं के साथ जन–केंद्रित पहलों को जोड़ा और दीर्घकालिक विकास की नींव रखी। मोदी जी के कुशल नेतृत्व में गुजरात में विकास की ऐसी ठोस बुनियाद रखी गई, जिसे कालांतर में 'गुजरात माडल' के रूप में जाना गया।

संकल्प से सिद्धि तक –श्री नरेन्द्र मोदी की राष्ट्रसेवा यात्रा– श्री नरेन्द्र मोदी ऐसे तपे–तपाए जननेता हैं, जिनमें कुंदन की कठोरता भी है और चंदन की शीतलता भी विद्यमान है। उनके चिंतन में राष्ट्र, राष्ट्रबोध एवं राष्ट्रहित सर्वोपरि है। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने तमाम ऐसे फैसले लिए जो राष्ट्र के लिए हितकारी थे। चाहे धारा 370 की समाप्ति हो, भव्य श्री राम मंदिर का निर्माण हो या सीमाओं की अभेद्य सुरक्षा हो। चंद्रयान–3 व ब्रिक्स सम्मेलन की सफलता से लेकर मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत तक, उनके हर कदम ने भारत को सशक्त बनाया है। स्वच्छ भारत से जल जीवन मिशन तक, उज्जवला योजना से आयुष्मान भारत तक, किसान सम्मान निधि से लखपति दीदियों की आत्मनिर्भरता तक, हर योजना का एक ही ध्येय रहा है कि सबका जीवन बेहतर हो और भारत समर्थ बने। रक्षा के क्षेत्र में तो भारत पूर्णत आत्मनिर्भर बन चुका है। श्री नरेन्द्र मोदी की जनसेवा के ये 25 वर्ष सिर्फ सत्ता के उपभोग के नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के विश्वास पर खरा उतरने, उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने और भारत को दुनिया का सिरमौर बनाने के हैं।

श्री नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्रित्व काल पर नजर डालें तो स्पष्ट दृष्टिगोचर होता है कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मोदी जी के मार्गदर्शन में युवाओं में नवाचार और आत्मनिर्भरता की भावना बढ़ाने के लिए स्टार्टअप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया और डिजिटल स्किल इंडिया जैसी योजनाओं का सूत्रपात हुआ। आज भारत विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। हमारी जीडीपी वृद्धि दर भी 7.8 प्रतिशत है। साथ ही रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत देश के करोड़ों परिवारों को पक्के घर दिए गये। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत लाखों शौचालयों का, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माण कराया गया। उज्जवला योजना के माध्यम से गरीब महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन प्रदान कर उनके स्वास्थ्य और गरिमा की रक्षा की गई। बेहतर स्वास्थ्य सुविधा के मद्देनजर आयुष्मान भारत योजना शुरू की गई, जिससे 60 करोड़ से अधिक लोगों को स्वास्थ्य बीमा का सुरक्षा कवच मिला। जल जीवन मिशन से हर घर को नल से जल उपलब्ध कराने की दिशा में ऐतिहासिक कार्य किया जा रहा है। सड़कों, रेलवे, बंदरगाहों, हवाई अड्डों और डिजिटलीकरण में उल्लेखनीय प्रगति देखने को मिल रही है। ग्रामीण भारत में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता के साथ–साथ शहरी क्षेत्रों में मेट्रो और स्मार्ट सिटी जैसी योजनाएं मूर्तरूप ले रही हैं।

मोदी जी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार का सिद्धांत है– रिफार्म, परफार्म एवं ट्रांसफॉर्म। इस सरकार ने गरीबों के सम्मान, युवाओं के सामर्थ्य, किसानों की समृद्धि व महिलाओं के सशक्तिकरण को राष्ट्र निर्माण का विशेष आधार बनाया। मोदी जी ने किसानों की आर्थिक दशा सुधारने के लिए अनेक योजनाओं का प्रावधान किया। महिला सशक्तिकरण मोदी के विकास एजेंडे का प्रमुख हिस्सा है। तीन तलाक कानून की समाप्ति से मुस्लिम महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित हुई है। मातृवंदन योजना, नारी शक्ति वंदन और 33 प्रतिशत आरक्षण से महिलाओं के जीवन में नई उम्मीद जगी है। केन्द्र सरकार का लक्ष्य तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने का है,

– सुरेश पचौरी

जिनमें से डेढ़ करोड़ से अधिक लखपति दीदी अपना गरिमामय जीवन जी रही हैं। बेटी बचाओ– बेटी पढ़ाओ अभियान से बेटियों का आत्मसम्मान बढ़ा है। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का सुशासन, गरीब कल्याण और राष्ट्र प्रथम का संकल्प आज उनकी समावेशी राजनीति की पहचान बन चुका है। उनकी जनकल्याणकारी योजनाओं से भारत समरस विकास के नये सोपान नापते हुए सतत् गतिमान है। मोदी जी के व्यक्तित्व की सबसे बड़ी खूबी यह है कि समाज के अंतिम छोर के व्यक्ति पर उनकी नजर सबसे पहले पहुंचती है। सर्वहारा वर्ग के दिल की बात की जाए तो जिसको किसी ने नहीं पूछा, उसे हमारे कर्मयोगी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने पूजा।

व्यक्तित्व एवं कृतित्व – एक युगदृष्टा की पहचान– मोदी जी के 25 वर्षों की इस अनवरत राष्ट्रसेवा के कालखण्ड में उनके व्यक्तित्व में तपस्वी, युगदृष्टा और जननायक के दर्शन होते हैं। उनकी अविराम राष्ट्रसेवा संकल्प से सिद्धि का प्रतिबिम्ब है। उन्होंने बीते 25 वर्षों के दौरान एक दिन भी अवकाश नहीं लिया। अपने बहुआयामी और विराट व्यक्तित्व से आज मोदी जी समूचे विश्व में शीर्ष नेता के रूप में जाने–पहचाने जाते हैं। मोदी जी को 36 देशों ने अपने सर्वोच्च सम्मान से विभूषित किया है। उन्होंने अपने कुशल नेतृत्व में विगत 25 वर्षों में वाइब्रेंट गुजरात से लेकर भारत को विश्व मंच पर प्रतिष्ठापित किया है।

श्री मोदी की जब हम 25 वर्षों की सुशासन यात्रा को देखते हैं तो यह स्पष्ट होता है कि यह भारत के पुनरुत्थान की यात्रा है। मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने सिखाया कि राज्य का विकास कैसे होता है और प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने दिखाया कि देश कैसे विकसित होता है। देश के नव निर्माण के शिल्पकार दूरदर्शी श्री नरेन्द्र मोदी सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास का संकल्प लेकर भारत को दुनिया का सिरमौर बनाने में अहर्निश लगे हुए हैं।

(लेखक भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता तथा पूर्व केन्द्रीय मंत्री हैं)

सुडोकू 7414

				5	1		7	
5			7			9		
8		7	2		6			3
4		2						
	6						3	
						7		5
2			8		5	4		7
		4			9			1
	1		4	7				

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 7414

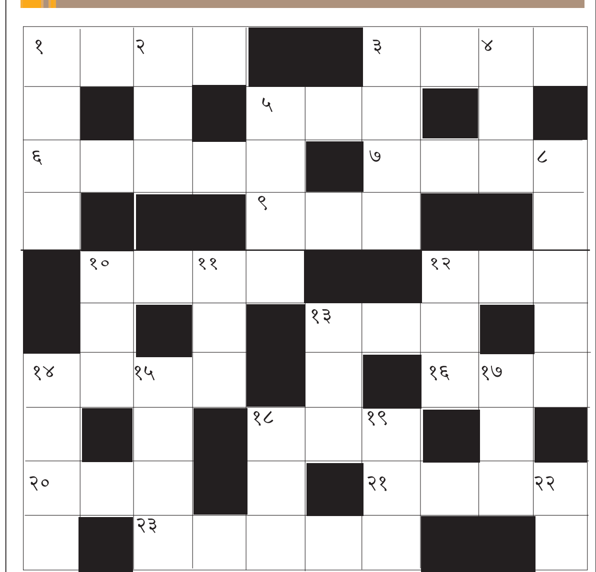

बायें से दायें:-

१. विष्णु की माला. झंडा, चिन्ह, विजय माल
३. पारा
५. रचना, बनावट, उत्पादन
६. सूर्यपुत्री, यमुना
७. मूर्ख, नादान, अविवेकी (उर्दू)
९ .सहायता(उर्दू)
१०. झुका हुआ गिरा हुआ, पिछड़ा हुआ, विनीत
१२. पाचनशक्ति(उर्दू)
१३. कोमल, नरम
१४. बूढ़ा आदमी
१६. देखना, एकटक देखना
१८. शीतल और मंद वायु
२०. राजा सगर के साठ हजार पुत्रों को शाप देकर भस्म कर देने वाले एक मुनि, भूरा, बादामी
२१. बुद्धिमानी
२३. अंधकार से दूर करने वाला

ऊपर से नीचे:-

१. पृथ्वी और यमलोक के बीच एक पौराणिक नदी
२. यंत्रयोग से बंधा हुआ, ताला लगाया हुआ जकड़ा हुआ बंद किया हुआ
३. युद्धभूमि में होने वाली आवाज
४. चार दिशाओं में से एक
५. धन सुख, स्वादिष्ट भोजन, ईश्वर की देन(उर्दू)
८. बेकार काम करना, वक्त बरबाद करना (मुहावरा)
१०. अपवित्र, नापाक
११. कमल
१२. स्थिति, दशा(उर्दू)
१३. शिकार, आखेट
१४. वर्षा करने वाला, मेघ
१५. अज्ञानता(उर्दू)
१७. भैंस का नर बच्चा
१८. वृद्धि करना
१९. रचनाकार
२२. गन्ना

वर्ग पहेली–7413

१ रा	ष्ट्र	२ कु	ल			३ त	ह	४ नि	शां
ज		कु		५ ध	तू	रा		मों	
६ ह	ड़	ब	ड़ा	ना		७ श	क्ति	ही	८ न
ठ		खा		९ गा	ड़	ना			ग
	१० अ	ना	११ का	र			१२ आ	तु	र
	द		ट		१३ जि	ज्ञा	सा		ज
१४ ब	द	१५ ल	ना		ल्ल		१६ र	१७ स	न
हा		घु		१८ व	त	१९ न		मू	
२० दु	र्दां	त		र्षां		२१ मि	थ्या	चा	२२ री
र		२३ म	न	ग	ढं	त			ढ़

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

त्रिपुरा निकाय चुनाव | रजिस्टर्ड वोटर्स की कुल संख्या 6,31,388

ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में पुरुष मतदाताओं से ज्यादा महिला मतदाता

अगरतला, (एजेंसियां)। राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) के आंकड़ों के अनुसार, त्रिपुरा में 21 शहरी स्थानीय निकायों के आगामी चुनावों के लिए जारी मतदाता सूची के ड्राफ्ट में पुरुष मतदाताओं की तुलना में महिला मतदाताओं की संख्या अधिक है। 21 शहरी स्थानीय निकायों की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट के अनुसार, रजिस्टर्ड वोटर्स की कुल संख्या 6,31,388 है, जिसमें 3,22,360 महिलाएं, 3,08,983 पुरुष और 45 थर्ड-जेंडर वोटर्स शामिल हैं।

ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में हर 1,000 पुरुषों पर 1,043 महिलाओं का लिंगानुपात दिखता है एसईसी सचिव अनुराग सेन ने कहा कि 8 अक्टूबर तक ड्राफ्ट वोटर लिस्ट पर दावों और आपत्तियों को अंतिम रूप देने के बाद 15 अक्टूबर को फाइनल वोटर लिस्ट जारी की जाएगी। अगरतला नगर निगम सहित 21 शहरी नागरिक निकायों में से केवल सिपाहीजाला जिले के बिश्रामगंज नगर पंचायत और मेलाघर नगर परिषद में महिला वोटर्स की तुलना में पुरुष वोटर्स की संख्या ज्यादा, क्रमशः 147 और 119 वोटर्स, हैं। अगरतला

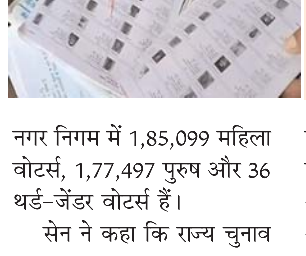

- **लिस्ट में 3,22,360 महिलाएं, 3,08,983 पुरुष शामिल**
- **15 को फाइनल वोटर लिस्ट जारी की जाएगी**

नगर निगम में 1,85,099 महिला वोटर्स, 1,77,497 पुरुष और 36 थर्ड–जेंडर वोटर्स हैं।

सेन ने कहा कि राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) ने अगरतला नगर निगम सहित 21 शहरी स्थानीय निकायों के चुनाव कराने की प्रक्रिया पहले ही शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि अगरतला नगर निगम और 20 अन्य शहरी स्थानीय निकायों के चुनाव इस साल दिसंबर तक कराए जाने हैं। नगर पालिका और नगर पंचायत क्षेत्रों में होने वाले आगामी चुनावों से पहले, एसईसी ने पोलिंग स्टेशनों की फाइनल लिस्ट जारी की है। फाइनल लिस्ट में 783 पोलिंग स्टेशन शामिल हैं, जिनमें अगरतला नगर निगम, 13 नगर परिषद और सात नगर पंचायतें आती हैं। अगरतला नगर निगम में सबसे ज्यादा 439 पोलिंग स्टेशन हैं। आठ जिलों में फैले 21 शहरी स्थानीय निकायों में लगभग नौ लाख लोग रहते हैं। इन नौ लाख लोगों में से चार लाख से ज्यादा लोग अगरतला नगर निगम क्षेत्रों में रहते हैं।

अगरतला नगर पालिका, जिसका नाम बाद में बदलकर अगरतला नगर निगम कर दिया गया, की स्थापना 1871 में तत्कालीन राजा महाराजा चंद्र माणिक्य (1862–96) के शासनकाल में हुई थी। अगरतला नगर निगम का औपचारिक गठन 21 जनवरी 2014 को हुआ, जब तत्कालीन अगरतला नगर परिषद को नगर निगम का दर्जा दिया गया।

खेल जगत

क्रिस्टियानो रोनाल्डो के लिए टीम के दरवाजे खुले है: जॉर्ज जीसस

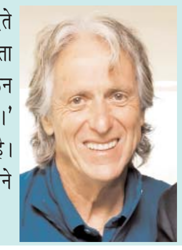

लिस्बन। पुर्तगाल फुटबॉल टीम के कोच जॉर्ज जीसस ने स्टार खिलाड़ी के क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ विवाद को गलतफहमी करार देते कहा है कि उनके लिए राष्ट्रीय टीम के दरवाजे खुले हैं। रविवार को नॉर्वे पर 2-1 से घरेलू जीत के बाद जीसस ने रविवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अगर वह चाहेगा, तो वह राष्ट्रीय टीम में वापस आ जाएगा। हम अगले कॉल-अप से पहले बात कर सकते हैं, लेकिन अंतिम फैसला क्रिस ही करेंगे। मैंने कहा, 'मुझे तुम्हारी जरूरत है, तुम मेरे करीब रहो, चाहे तुम खेल रहे हो या नहीं, मुझे तुम्हारी जरूरत है।' और अब मैं वही बात कह रहा हूं।' जीसस के इस बयान ने रोनाल्डो के लिए पुर्तगाल की राष्ट्रीय में वापसी के रास्ते खोल दिये है। उल्लेखनीय है कि 27 सितंबर को नेशंस लीग में नॉर्वे के खिलाफ 2-1 से मिली जीत में रोनाल्डो को एक स्थानापन्न के रूप में रखने के जीसस के फैसले ने सार्वजनिक विवाद को जन्म दिया। इसके बाद रोनाल्डो ने पुर्तगाल टीम का शिविर छोड़ दिया था।

वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में बुलंद इरादों से उतरेगा

वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत की कप्तानी श्रेयस अय्यर के हाथों में

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर (देशबन्धु)। श्रेयस अय्यर की अगुआई में भारतीय क्रिकेट टीम 2026 एशियाई खेलों में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को शुक्रवार निशीन(जापान) में थोड़े संघर्ष के बाद 19 रन से हरा अपना स्वर्ण पदक बरकरार रखने के बाद अब वेस्टइंडीज के खिलाफ नवाबों के शहर लखनऊ में पांच टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज के मंगलवार को खेले जाने वाले पहले मैच में बुलंद हौसलों के साथ उतरेगी। सूर्य कुमार यादव की कप्तानी में भारत ने शे होप की कप्तानी वाली वेस्टइंडीज से अपना आखिरी टी-20 मैच इस साल के शुरू में आईसीसी टी-20 क्रिकेट विश्व कप के सुपर आठ में खेला और संजू सैमसन के अविजित 97 रन से कोलकाता के ईडन गार्डन में चार गेंद के बाकी उसमें रहते पांच विकेट से जीत दर्ज की।

वेस्टइंडीज के कप्तान अभी शे होप हैं जबकि भारत की कप्तानी अब श्रेयस अय्यर के हाथ में वह खुद को भारत के नए टी-20 क्रिकेट कप्तान के रूप में जुटे हैं। भारत ने वेस्टइंडीज से अपने पांच में तीन जीते और दो हारे हैं और उसके खिलाफ अपना दबदबा बनाए रखने के मकसद से ही उतरेगा। संजू सैमसन भारत के लिए एशियाई खेलों में सेमीफाइनल और फाइनल सहित दो मैच खेलने के बावजूद दहाई के अंक तक नहीं पहुंच सके। भारत के सामने बड़ा सवाल यह रहेगा कि वह वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मे लखनऊ के इकाना स्टेडियम में अभिषेक शर्मा और 15 बरस के वैभव सूर्यवंशी से ही पारी का आगाज कराए और संजू सैमसन को तीसरे नंबर पर बरकरार रखे। वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत संतुलित एकादश के साथ उतरेगा। ऐसे में अपने अनुभव और पिछली बेहतरीन पारी के चलते बहुत मुमकिन है भारत अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन से पारी का आगाज करा कर वैभव सूर्यवंशी को एकादश से बाहर रखे और तीसरे नंबर तब इशान किशन और चौथे पर कप्तान श्रेयस अय्यर, पांचवें पर तिलक वर्मा और फिर ऑलराउंडर शिवम दुबे, अक्षर पटेल और नीतिश रेड्डी उतरे। भारत के चीफ कोच गौतम गंभीर का जिस तरह से संजू पर भरोसा है उससे उनके वेस्ट इंडीज के खिलाफ पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भारत की एकादश में अपनी जगह बरकरार रखने की उम्मीद है।

आईसीसी ने भारत-वेस्टइंडीज टीम पर लगाया जुर्माना

दुबई। न्यू चंडीगढ़ के पीसीए इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में हुए तीसरे वनडे मुकाबले में स्लो ओवर रेट बनाए रखने के लिए आईसीसी ने भारत और वेस्टइंडीज टीम पर जुर्माना लगाया गया है। शनिवार को हुए आखिरी वनडे में समय की छूट को ध्यान में रखते हुए भारत को चार ओवर और वेस्टइंडीज को दो ओवर कम फेंकने का दोषी पाया गया। इसके बाद भारतीय टीम पर उनकी मैच फीस का 20 प्रतिशत और वेस्टइंडीज पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया।आईसीसी ने एक बयान में कहा, 'खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायता कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 (जो न्यूनतम ओवर-रेट उल्लंघनों से संबंधित है) के अनुसार, अगर कोई टीम तय समय में ओवर नहीं फेंक पाती है, तो उसके खिलाड़ियों पर हर ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।

वैभव को अपने मौके का इंतजार करना होगा : गंभीर

■ सूर्यवंशी इंग्लैंड के खिलाफ इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय बने

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के हेड कोच गौतम गंभीर ने युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी के साथ हुई अपनी बातचीत के बारे में बताया है। गंभीर ने कहा कि उन्होंने 15 वर्षीय खिलाड़ी को समझाया कि अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद, कभी-कभी खिलाड़ी को अपने मौके का इंतजार करना पड़ता है। इस साल जुलाई में सूर्यवंशी इंग्लैंड के खिलाफ इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय बने। उन्होंने 15 साल और 99 दिन की उम्र में अपना टी-20 इंटरनेशनल डेब्यू किया और सचिन तेंदुलकर का लंबे समय से चला आ रहा रिकॉर्ड तोड़ा। इसके बाद, वह पुरुषों के इंटरनेशनल क्रिकेट में अर्धशतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने। उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ 15 साल और 118 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की। हालांकि, उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ पूरी सीरीज और एशियन गेम्स से पहले जापान के खिलाफ खेले गए एकमात्र टी-20 इंटरनेशनल मुकाबले में खेलने का मौका नहीं मिला। 15 साल के इस बल्लेबाज ने श्रीलंका के खिलाफ एशियन गेम्स के सेमीफाइनल में भारत की प्लेइंग इलेवन में वापसी की, जहां उन्होंने 21 गेंदों पर 38 रन बनाकर मैच में अहम भूमिका निभाई। गंभीर ने 'जियोस्टार' पर कहा, 'यह मेरे लिए भी एक नया अनुभव था। हां, वह अच्छी फॉर्म में थे, लेकिन मैंने उन्हें समझाया कि कभी-कभी, उन खिलाड़ियों की वजह से जिन्होंने लंबे समय से अच्छा प्रदर्शन किया है, उन्हें अपने मौके का इंतजार करना पड़ सकता है। एक और बात, सोशल मीडिया या बाहर की बातें प्लेइंग इलेवन तय नहीं करतीं। भारतीय मुख्य कोच ने आगे कहा, 'यह पूरी तरह इस बात पर निर्भर करता है कि ड्रेसिंग रूम का समीकरण कैसा है, कौन सा खिलाड़ी कोच और कप्तान को मैच जिताने की क्षमता रखता है, तथा टीम की सबसे मजबूत 'प्लेइंग इलेवन' क्या है। इसके साथ ही यह भी देखना होता है कि किसने लंबे समय तक लगातार बेहतर प्रदर्शन किया है। अगर आज हम वैभव को मौका देते हैं, तो मेरे और टीम से बाहर होने वाले खिलाड़ी- चाहे वह अभिषेक हों या संजू सैमसन के बीच बातचीत काफी मुश्किल होगी।' उन्होंने आगे कहा, 'यही वजह है कि हम अचानक उस टीम संयोजन (कॉम्बिनेशन) को नजरअंदाज नहीं कर सकते, जिसने पिछले डेढ़-दो साल में शानदार प्रदर्शन किया है। लगातार तीन-चार मैचों में असफल होने पर हम अनुभवी खिलाड़ियों को ड्रॉप करके किसी ऐसे युवा को टीम में शामिल नहीं कर सकते, जो भले ही बेहद प्रतिभाशाली और बेहतरीन फॉर्म में हो। खिलाड़ियों को कभी-कभी अपने मौके का इंतजार करना ही पड़ता है, क्योंकि हमारा मुख्य उद्देश्य ड्रेसिंग रूम में सुरक्षा और निरंतरता का माहौल बनाए रखना है।

भारत की 7 सदस्यीय टीम घोषित भुवनेश्वर कुमार संभालेंगे कमान

हाँगकांग सिक्स

हाँगकांग, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। हांगकांग सिक्स 2026 के लिए भारतीय टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के स्टार खिलाड़ियों के साथ उतरेगी। इसमें सात प्रमुख भारतीय क्रिकेटर 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक खेले जाने वाले तेजतर्रार 'सिक्स-ए-साइड' (छह खिलाड़ियों वाले) फॉर्मेट में हिस्सा लेंगे। टिन क्वांग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड पर खेले जाने वाली इस लीग में भारतीय टीम की कमान अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार संभालेंगे। उनके साथ आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी क्रुणाल पांड्या, शशांक सिंह, राहुल तेवतिया, नितिश राणा, राहुल त्रिपाठी और टी. नटराजन भी होंगे। भुवनेश्वर के पास अंतरराष्ट्रीय और आईपीएल का कई वर्षों का अनुभव है और वे नई गेंद से असरदार प्रदर्शन करने की क्षमता रखते हैं, जबकि क्रुणाल एक बेहतरीन ऑलराउंडर के तौर पर टीम को विविधता देते हैं। नितिश आक्रामक बल्लेबाजी और टॉप ऑर्डर में खेलने का अनुभव लाते हैं। वहीं, शशांक और तेवतिया मैच फिनिश करने की अपनी काबिलियत दिखाते हैं। त्रिपाठी आक्रामक इरादे के साथ खेलते हैं और नटराजन बाएं हाथ के तेज गेंदबाज के तौर पर एक खास विकल्प देते हैं। टीम इंडिया हांगकांग सिक्स में फिर से वापसी करेगी और टूर्नामेंट में आगे तक जाने की कोशिश करेगी। 2025 में उन्होंने पाकिस्तान के विरुद्ध डकवर्थ-लुईस नियम से दो रन की जीत के साथ शुरुआत की थी, लेकिन बाद के मैचों में हार के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। इस बार चुनौती कड़ी होगी। पाकिस्तान 2026 के टूर्नामेंट में मौजूदा चैंपियन के तौर पर उतरेगा।

हॉकी इंडिया लीग के बाद, हमारा ध्यान एलए 2028 के लिए एक नई टीम बनाने पर : फुल्टन

नागोया, (जापान), 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा कि हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के बाद हमारा ध्यान लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए नई टीम बनाने पर होगा।क्रेग फुल्टन ने साई मीडिया से बातचीत में कहा कि लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 दूर नहीं है और हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) खत्म होने के बाद उन्हें नए सिरे से एक टीम बनानी होगी। इसमें युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के बीच अच्छा तालमेल बिठाने के लिए टीम में और अधिक युवा चेहरों को शामिल करना शामिल होगा।

उन्होंने कहा, 'एलए 2028 में दो साल का समय है। यह सुनने में लंबा समय लगता है, लेकिन यह बहुत जल्दी आ जाता है। मुझे लगता है कि अभी हम सही शेड्यूल और सही प्लानिंग बनाने की कोशिश कर रहे हैं। हम तैयारी के बड़े चरणों पर ध्यान दे रहे हैं – जैसे दो साल पहले, एक साल पहले, छह महीने पहले की तैयारी – और उसी के अनुसार योजना बना रहे हैं। हां, मुझे लगता है कि हर टीम में अनुभव और युवा खिलाड़ियों का उतार-चढ़ाव वाला दौर आता है। हमारे पास अभी अनुभवी खिलाड़ियों का एक अच्छा ग्रुप है। उन्होंने कहा, 'हमारे पास कुछ युवा खिलाड़ी हैं, लेकिन इंडियन 'ए' टीम और एक मजबूत अंडर-21 टीम में भी बहुत सारे युवा खिलाड़ी हैं, जो बहुत अच्छी बात है। इसलिए अगले दो-तीन महीनों में, मुझे लगता है कि हॉकी इंडिया लीग के ठीक बाद, हम अपने पास मौजूद सभी टैलेंट को देखेंगे, नई टीम चुनेंगे और वहां से नए सिरे से शुरुआत करेंगे,' 51 वर्षीय कोच ने आगे कहा। 1966 बैंकॉक, 1998 बैंकॉक, 2014 इंचियोन और 2022 हांगझोऊ के बाद, भारतीय पुरुष हॉकी टीम के लिए कॉन्टिनेंटल स्पोर्ट्स प्रतियोगिता में यह कुल मिलाकर पांचवां स्वर्ण पदक था।फुल्टन, जिन्होंने 1996 और 2004 के समर ओलंपिक खेलों में साउथ अफ्रीका का प्रतिनिधित्व किया था, ने कहा कि लगातार गोल्ड मेडल जीतना हमेशा खास होता है। उन्होंने कहा, 'व्यक्तिगत रूप से, यह एशियाई खेल बहुत अनोखा था। यह पिछले एशियाई खेलों से बहुत अलग था क्योंकि हम यहां दूसरे इवेंट्स और एथलीटों से अलग-थलग थे। कोई तथाकथित 'गेम्स विलेज' नहीं था। लेकिन साथ ही, हमारा अपना रूटीन था। हम मैदान पर जाते थे, खेलते थे, वापस आते थे, और सब कुछ वैसा ही था। लेकिन हांगझोऊ में पहला स्वर्ण पदक जीतना बहुत खास था। और फिर वापस आकर लगातार स्वर्ण पदक जीतना हमेशा खास होता है।

> मुझे लगता है कि हर टीम में अनुभव और युवा खिलाड़ियों का उतार-चढ़ाव वाला दौर आता है : क्रेग फुल्टन

लगातार दूसरी बार फाइनल में पहुंचे अल्काराज

■ अल्काराज को पूरे टूर्नामेंट में काफी संघर्ष करना पड़ा

टोक्यो, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। वर्ल्ड नंबर 3 कार्लोस अल्काराज ने सोमवार को 'जापान ओपन 2026' के सेमीफाइनल में हमवतन खिलाड़ी जाउमे मुनार को 5-7, 6-3, 6-1 से मात दी। अल्काराज अपनी सर्विस गंवाने के कारण पहला सेट हार गए थे। उन्होंने कुछ 'ब्रेक' के साथ वापसी करते हुए दूसरा सेट 6-3 से जीता और फिर फाइनल सेट में शानदार खेल दिखाते हुए 6-1 से जीत दर्ज की। इसी के साथ अल्काराज लगातार दूसरी बार फाइनल में पहुंच गए। टोक्यो के एरियाके कोलिजीयम में जीत के बाद टूर्नामेंट के ब्रॉडकास्टर से बात करते हुए अल्काराज ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि पहले सेट में क्या हुआ? सच कहूं तो आमतौर पर पहले सेट में ऐसा ही होता है। मैंने मैच की अच्छी शुरुआत की थी, ब्रेक किया और सेट के लिए सर्विस भी की। पता नहीं क्या हुआ। ऐसा लगता है कि हर पहले सेट में मुझे संघर्ष करना पड़ता है। लेकिन जिस तरह से मैं हर बार वापसी करता हूं, मैं उससे वाकई बहुत खुश हूं। पूरे टूर्नामेंट में अल्काराज को पहले सेट में काफी संघर्ष करना पड़ा है।

> हर पहले सेट में मुझे संघर्ष करना पड़ता है। लेकिन जिस तरह से मैं हर बार वापसी करता हूं, मैं उससे वाकई बहुत खुश हूं : कार्लोस अल्काराज

इगा स्वियातेक ने बनाई राउंड ऑफ 32 में जगह

चाइना ओपन

बीजिंग, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन इगा स्वियातेक ने सोमवार को यहां चाइना ओपन के राउंड-ऑफ-32 में 30वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी डोना वेकिक को हराया। उन्होंने एक सेट और दो ब्रेक से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी की। इगा स्वियातेक ने शानदार वापसी करते हुए राउंड-ऑफ-16 में जगह बनाई। पोलैंड की स्टार खिलाड़ी पहला सेट 4-6 से हार गई थीं और दूसरे सेट में 2-5 से पीछे चल रही थीं। ऐसा लग रहा था कि वह मैच हार जाएंगी, लेकिन उन्होंने जबरदस्त संघर्ष दिखाया। स्वियातेक ने दूसरे सेट का टाईब्रेकर 7-0 से जीता और फिर निर्णायक सेट में 6-2 से जीत हासिल कर मैच को 4-6, 7-6 (0), 6-2 से अपने नाम कर लिया। जीत के बाद ब्रॉडकास्टर्स से बात करते हुए स्वियातेक ने बताया कि उन्हें एक सेट हारने के बाद कैसा महसूस हो रहा था।

इंडियन बैंक Indian Bank
इलाहाबाद ALLAHABAD

शाखाः आरडीवीवी, साऊथ सिविल लाईन्स, डुमना रोड, पचपेढ़ी, जबलपुर (म.प्र.)– 482001, जबलपुर Mob.: 8260548319, Email: rdvv.jabalpur@indianbank.bank.in
परिशिष्ट IV-A{(नियम–8(6)} अचल सम्पत्तियों की बिक्री के लिये बिक्री सूचना

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 (6) के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन और प्रतिभूतिहित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए ई– नीलामी बिक्री सूचना। यह नोटिस आम जनता एवं उधारकर्ता (ओं)/गारंटीकर्ता (ओं) के लिए नीचे वर्णित अचल संपत्ति जो कि सुरक्षित लेनदार को गिरवी/ चार्ज की गई है, जिसका कब्जा इंडियन बैंक शाखा द्वारा ले लिया गया है, सुरक्षित लेनदार द्वारा राशियों और देय ब्याज की वसूली के लिए ''जैसा है जहाँ है'' और ''जो कुछ भी है '' के आधार पर आम जनता से निविदा का आमंत्रण कर ई– नीलामी द्वारा विक्रय करने का निर्णय लिया गया है। ई– नीलामी मोड के माध्यम से बिक्री के लिए लाई जाने वाली संपत्ति का विशिष्ट विवरण नीचे दिया गया है।

ई– नीलामी की तिथि एवं समय
06/11/2026, 11.00 AM TO 4.00 PM

क्र.	शाखा का नाम खाते का नाम ऋणी का नाम/प्रोप./निदेशक/पार्टनर गारंटर/ गिरवी रखने वाला	ई– नीलामी हेतु संपत्ति का विस्तृत विवरण	बकाया राशि सम्पत्ति पर अन्य ऋण भार कब्जे का प्रकार	आरक्षित मूल्य ई.एम.डी. राशि बिड बढ़ाने राशि
1	**शाखा– आरडीवीवी जबलपुर** **ऋणी– 1. मेसर्स राज ट्रेडिंग कम्पनी (प्रोपराइटर श्री राज कुमार हिरानी),** शॉप नं. 709, बल्देवबाग, निवाड़गंज रोड, जबलपुर (म.प्र.) **ऋणी– 2. श्री राज कुमार हिरानी पिता श्री चेतनदास हिरानी,** म.नं. 1932, झदुआकुआँ, भानतलैया, जबलपुर (म.प्र.) **जमानतदार/बंधककर्ता– 3. श्री रमेश कुमार हिरानी पिता श्री चेतनदास हिरानी,** म.नं. 1932, झदुआकुआँ, भानतलैया, जबलपुर (म.प्र.) Contact Person: Amit Kumar Pradhan (BM), Mob.: 8260548319 P.D. Barman (AO) Mob.: 9754754914	सम्पत्ति के सभी भू–भाग भूमि एवं बिल्डिंग स्थित खसरा नं. 48/4 एवं 48/5 का भाग (नया खसरा नं. 54), एरिया– 0.057 हेक्टे. (डायवर्टेड एरिया 6000 वर्गफुट), प.ह.नं. 27, मौजा– रेगवां, तहसील एवं जिला– जबलपुर (म.प्र.)। सम्पत्ति स्वामी– श्री रमेश कुमार हिरानी। चतुर्सीमाः (वेल्यूएशन रिपोर्ट दिनांक 26/07/2021 के अनुसार)– उत्तर– श्री संदेश जैन की भूमि, दक्षिण– रोड, पूर्व– श्री दीपक गुलाटी की सम्पत्ति, पश्चिम– श्री विश्वकर्माजी की सम्पत्ति। Prop. ID- IDIB30182854712	Rs. 21,23,566/- (as on 11.05.2026) + Interest & Other expenses ज्ञात नहीं सांकेतिक कब्जा	Rs. 86,00,000/- Rs. 8,60,000/- Rs. 10,000/-

बोलीदाता को सलाह दी जाती है कि वे हमारे ई– नीलामी सेवा प्रदाता पीएसबी एलायंस प्राइवेट लिमिटेड की वेबसाइट (https://baanknet.com) पर जाएं। लिमिटेड ऑनलाइन बोली में भाग लेने के लिए। तकनीकी सहायता के लिए कृपया 8291220220 पर कॉल करें। पंजीकरण स्थिति और ईएमडी स्थिति के लिए कृपया support.baanknet@psballiance.com पर ईमेल करें। संपत्ति के विवरण और संपत्ति की तस्वीर और नीलामी के नियमों और शर्तों के लिए कृपया देखें https://baanknet.com और इस पोर्टल से संबंधित स्पष्टीकरण के लिए, कृपया पीएसबी एलायंस प्राइवेट लिमिटेड, संपर्क नंबर 8291220220 से संपर्क करें। बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि वे https://baanknet.com वाली वेबसाइट पर संपत्ति खोजते समय ऊपर उल्लिखित संपत्ति आईडी नंबर का उपयोग करें।

दिनांक: 6/10/2026 **प्राधिकृत अधिकारी, इंडियन बैंक**

चोट के कारण इस साल कोर्ट पर नजर नहीं आएंगी पोटपोवा

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। दुनिया की 25वें नंबर की खिलाड़ी अनास्तासिया पोटापोवा ने अपने 2026 सीजन को समय से पहले ही खत्म कर दिया है। उन्होंने चोटों से जूझने और करियर की सबसे अच्छी रैंकिंग हासिल करने के मिले-जुले साल के बाद ठीक होने पर ध्यान देने का फैसला किया है। पोटापोवा ने अपने सोशल मीडिया पर इस फैसले की पुष्टि करते हुए कहा कि उनका शरीर लगातार उन्हें आराम करने का संकेत दे रहा था। उन्होंने 'इंस्टाग्राम' पर लिखा, 'मेरा सीजन खत्म हो रहा है। दुर्भाग्य से, हाल ही में मेरा शरीर मुझे बार-बार संकेत दे रहा है कि अब रुकने का समय आ गया है। मेरे लिए यह सबसे साफ संकेत है कि मुझे ब्रेक लेने, अपने शरीर को ठीक होने के लिए जरूरी समय देने और मजबूती से वापसी करने की जरूरत है। 2027 में मिलते हैं। 'पोटापोवा ने यह घोषणा बीजिंग टूर्नामेंट में सिन्जा क्रॉस के खिलाफ अपने शुरुआती दौर के मैच से दाहिने कंधे की चोट के कारण हटने के कुछ दिनों बाद की है।

सार संक्षेप

ब्राजील से मिली हार के बाद भारत के सामने उरुग्वे की कड़ी चुनौती

कोलकाता। ब्राजील से 0-4 की हार से उबरने के लिए भारत के पास बहुत कम समय है उसे अब मंगलवार को यहां फीफा अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में दो बार की वर्ल्ड चैंपियन उरुग्वे जैसी मजबूत टीम का सामना करना है। पनामा के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ मैच ने खालिद जमील की टीम के लिए अच्छे प्रदर्शन की उम्मीदें जगाई थीं, लेकिन शनिवार को साल्ट लेक स्टेडियम में ब्राजील ने भारत और दुनिया की टॉप टीमों के बीच कौशल का अंतर दिखा दिया। भारत को अब उस हार को पीछे छोड़कर उरुग्वे के खिलाफ मुकाबला करने का तरीका खोजना होगा, जो दुनिया में 20वें नंबर पर है। बड़ी हार के बावजूद, जमील को अपनी टीम के प्रदर्शन में कुछ सकारात्मक बातें दिखीं, खासकर उनकी पासिंग, डिफेंस का तालमेल और शुरुआती 25 मिनट में काउंटर-अटैक करने की कोशिशें। ब्राजील के कोच कार्लो एंसेलोटी ने भी उन क्षेत्रों में भारत की कोशिशों को माना। भारत को उन पलों को आगे बढ़ाना होगा, खासकर ऐसी टीम के खिलाफ जिसके पास बहुत अधिक अंतरराष्ट्रीय अनुभव है। दुनिया में 138वें नंबर की टीम के लिए, उरुग्वे के खिलाफ गोल करना या मैच ड्रॉ कराना भी एक बड़ी उपलब्धि होगी।

न्यूजीलैंड के लिए 'कैजुअल' कॉन्ट्रैक्ट पर खेलेंगे माइकल ब्रेसवेल

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड के अनुभवी ऑलराउंडर माइकल ब्रेसवेल ने 2026-27 सीजन में ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग (बीबीएल) में खेलने का मौका पाने के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ 'कैजुअल' कॉन्ट्रैक्ट लेने का फैसला किया है। इस कदम से वह दुनिया भर की टी20 लीगों में खेलने के लिए अधिक उपलब्ध रहेंगे, लेकिन उन्होंने साफ किया है कि उनकी प्राथमिकता अभी भी न्यूजीलैंड की नेशनल टीम के लिए खेलना ही है। 35 वर्षीय ब्रेसवेल उन खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने 2026-27 सीजन के लिए कैजुअल कॉन्ट्रैक्ट चुना है। इस सूची में फिन एलन, मार्क चैपमैन, लॉकी फर्ग्यूसन, एडम मिल्ने और टिम सीफर्ट जैसे खिलाड़ी पहले से मौजूद हैं। ब्रेसवेल के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट छोड़ने के बाद उनकी जगह बल्लेबाज निक केली को सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट दिया गया है। यह केली के करियर का पहला सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट है, जो उन्हें अपने फर्स्ट-क्लास डेब्यू के करीब 11 साल बाद मिला है। 33 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज ने घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छे प्रदर्शन के दम पर यह उपलब्धि हासिल की है।

नेशंस लीगः पुर्तगाल ने बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह

नई दिल्ली। पुर्तगाल ने यूईएफए नेशंस लीग के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बिना खेल रही पुर्तगाल टीम ने 79वें मिनट में गोंकालो रामोस के विजयी गोल की मदद से नॉर्वे को 2-1 से हराया। क्रिस्टोफर अजेर ने शानदार हाफ-वॉली के जरिए मेहमान टीम को बढ़त दिलाई, लेकिन दो मिनट बाद ही जोआओ कैंसेलो ने शानदार अंदाज में गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद मेजबान टीम ने बढ़त हासिल कर ली। जोआओ फेलिक्स के शानदार पास पर गोंकालो रामोस ने गोल दागा। दो बार नेशंस लीग का खिताब जीत चुकी पुर्तगाल की टीम ने मैच के अंत तक अपनी बढ़त कायम रखी और ग्रुप ए4 में जीत का सिलसिला जारी रखा। हालांकि, मैच के आखिरी मिनटों में फ्रांसिस्को कॉन्सेकाओ को दूसरा पीला कार्ड मिलने के कारण मैदान छोड़ना पड़ा, लेकिन इससे टीम की जीत पर कोई असर नहीं पड़ा।

अर्थ जगत

डॉलर के सामने रुपया पांच पैसे कमजोर होकर 96.30 पर हुआ बंद

मुंबई। पांच अक्टूबर कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और विदेशी पूंजी की लगातार निकासी के कारण अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया सोमवार को पांच पैसे की गिरावट के साथ 96.30 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा। कारोबार के दौरान भारतीय मुद्रा डॉलर के मुकाबले 96 के अहम स्तर के आसपास सीमित दायरे में रही। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि जोखिम लेने की बढ़ती धारणा ने रुपये को सहारा दिया, हालांकि कारोबारी अब विदेशी पूंजी प्रवाह और आरबीआई के आगामी मौद्रिक नीति निर्णय पर नजर बनाए हुए हैं।

6 अक्टूबर से महंगी होगी हवाई यात्रा

इंडिगो ने सभी रूटों पर बढ़ाए टिकट के दाम

नई दिल्ली। 6 अक्टूबर से फ्लाइट टिकट महंगी होने जा रही हैं। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने एटीएफ की बढ़ती कीमतों को ध्यान में रखते हुए डोमेस्टिक और इंटरनेशनल फ्लाइट्स के लिए फ्यूल सरचार्ज बढ़ाने की घोषणा की है। इंडिगो ने सोमवार को बताया कि नया फ्यूल सरचार्ज 6 अक्टूबर से लागू होगा, जिससे हवाई सफर महंगा हो जाएगा।

डोमेस्टिक फ्लाइट्स पर 350 रुपये तक बढ़ा फ्यूल सरचार्ज-एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने एक बयान में कहा कि डोमेस्टिक फ्लाइट्स के लिए दूरी के आधार पर फ्यूल सरचार्ज में 100 रुपये से लेकर 350 रुपये तक की बढ़ोतरी की गई है। इसके साथ ही, इंडिगो ने इंटरनेशनल फ्लाइट्स के लिए फ्यूल सरचार्ज में बढ़ोतरी की है।

डोमेस्टिक फ्लाइट्स पर 375 रुपये से लेकर 1300 रुपये तक का देना होगा फ्यूल सरचार्ज-इंडिगो ने डोमेस्टिक फ्लाइट्स को लेकर बताया कि 6 अक्टूबर को 00:01 बजे से 500 किमी तक की यात्रा पर प्रत्येक यात्री से 375 रुपये, 1000 किमी तक की यात्रा के लिए 600 रुपये, 1500 किमी तक की यात्रा के लिए 900 रुपये, 2000 किमी तक की यात्रा के लिए 1150 रुपये और 2000 किमी से ज्यादा की यात्रा के लिए 1300 रुपये का फ्यूल सरचार्ज वसूला जाएगा।

इंटरनेशनल फ्लाइट पर लगेगा 10,000 रुपये तक का फ्यूल सरचार्ज-इंडिगो ने बताया कि इंटरनेशनल फ्लाइट्स पर प्रत्येक यात्री को 1000 रुपये से लेकर 10,000 रुपये तक का फ्यूल सरचार्ज देना होगा। इंडिगो ने सार्क देशों में 500 किमी तक की यात्रा के लिए 1000 रुपये, 501 किमी से ज्यादा की यात्रा के लिए 3000 रुपये, दक्षिण पूर्व एशिया की यात्रा के लिए 5500 रुपये, खाड़ी देशों और मध्य पूर्व की यात्रा के लिए 5500 रुपये, उत्तरी और पूर्वी एशिया की यात्रा के लिए 5500 रुपये, अफ्रीका की यात्रा के लिए 6000 रुपये और यूरोप की यात्रा के लिए 10,000 रुपये का फ्यूल सरचार्ज फिक्स किया है।

एटीएफ की कीमतों में भारी बढ़ोतरी से एयरलाइन कंपनियों पर बढ़ा दबाव-इंडिगो ने कहा कि एटीएफ की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हुई है और इसमें हाल ही में महीने-दर-महीने 14त्न से ज्यादा की बढ़त भी शामिल है। एटीएफ की कीमतों में भारी बढ़ोतरी के कारण इंडिगो को अपने ऑपरेशनल कॉस्ट स्ट्रक्चर में बदलाव करना पड़ा है, ताकि तेल की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव निपटा जा सके। इंडियो ने बयान में कहा, एटीएफ, किसी भी एयरलाइन कंपनी की परिचालन लागत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसलिए कीमतों में इस बढ़ोतरी से इंडिगो समेत सभी एयरलाइन कंपनियों की लागत संरचना और नेटवर्क से जुड़ी आर्थिक स्थिति प्रभावित होने की आशंका है।

शेयर बाजार ने पकड़ी रफ्तार, सेंसेक्स 472 अंक चढ़ा

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार आज एक बड़ी राहत देते हुए बढ़त लेकर हरे निशान में बंद हुआ। हफ्ते के पहले ट्रेडिंग सेशन में आईटीसी, एटरनल, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस समेत कई शेयरों में जोरदार तेजी देखने को मिली। हालांकि, सोमवार को एचसीएल टेक, एचडीएफसी बैंक, सन फार्मा के शेयरों में भारी गिरावट दर्ज की गई। आज बाजार ने बढ़त लेकर ही कारोबार शुरू किया था।

0.66 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ सेंसेक्स-सोमवार को बीएसई सेंसेक्स 472.77 अंकों (0.66 प्रतिशत) की तेजी के साथ 72,382.47 अंकों पर बंद हुआ। जबकि, एनएसई का निफ्टी 50 इंडेक्स 133.80 अंकों (0.60 प्रतिशत) की बढ़त लेकर 22,555.75 अंकों पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की 30 में से 20 कंपनियों के शेयर बढ़त लेकर हुए बंद-आज सेंसेक्स की 30 में से 20 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए और बाकी की सभी 10 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 50 की 50 में से 31 कंपनियों के शेयर तेजी के साथ हरे निशान में बंद हुए और बाकी की 18 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए और एक कंपनी का शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल देश की प्रमुख एफएमसीजी कंपनी आईटीसी के शेयर आज सबसे ज्यादा 4.49 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए। जबकि, दिग्गज आईटी कंपनी एचसीएल टेक का शेयर आज सबसे ज्यादा 3.69 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ।

एचसीएल टेक, एचडीएफसी बैंक, सन फार्मा के शेयरों में भारी गिरावट

सोमवार को सेंसेक्स के बाकी शेयरों में आज एटरनल के शेयर 2.50 प्रतिशत, भारती एयरटेल 2.38 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस 2.28 प्रतिशत, अडाणी पोर्ट्स 2.13 प्रतिशत, आईसीआईसीआई बैंक 2.11 प्रतिशत, रिलायंस इंडस्ट्रीज 1.72 प्रतिशत, एलएंडटी 1.48 प्रतिशत, एनटीपीसी 1.45 प्रतिशत, टाइटन 1.43 प्रतिशत, टीसीएस 1.40 प्रतिशत, मारुति सुजुकी 1.07 प्रतिशत, पावर ग्रिड 0.92 प्रतिशत, बजाज फिनसर्व 0.87 प्रतिशत, एक्सिस बैंक 0.82 प्रतिशत, अल्ट्राटेक सीमेंट 0.73 प्रतिशत, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.66 प्रतिशत, भारतीय स्टेट बैंक 0.52 प्रतिशत, इंडिगो 0.28 प्रतिशत और बीईएल के शेयर 0.16 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुए।

लाल निशान में बंद हुए एचडीएफसी बैंक, सन फार्मा समेत ये स्टॉक्स-वहीं दूसरी ओर, आज एचडीएफसी बैंक के शेयर 1.99 प्रतिशत, सन फार्मा 1.55 प्रतिशत, इन्फोसिस 1.50 प्रतिशत, एशियन पेंट्स 1.43 प्रतिशत, ट्रेंट 0.86 प्रतिशत, कोटक महिंद्रा बैंक 0.83 प्रतिशत, टाटा स्टील 0.61 प्रतिशत, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.05 प्रतिशत और टेक महिंद्रा के शेयर 0.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।

कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट, 90 डॉलर के करीब

नई दिल्ली। निवेशकों द्वारा मिडिल ईस्ट में बढ़ते जोखिमों और ओपेक+ की स्थिर प्रोडक्शन पॉलिसी के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इसी बीच, सोमवार को कच्चे तेल की कीमतें भारी गिरावट के साथ 90 डॉलर प्रति बैरल के करीब आ गईं। आज सुबह 11:22 बजे के करीब मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर 19 अक्टूबर की डिलीवरी वाले कच्चे तेल की कीमतें 2.71 प्रतिशत (242 रुपये) की भारी गिरावट के साथ 8674 रुपये प्रति बैरल के भाव पर कारोबार कर रही थीं।

गुरुवार को 8916 रुपये प्रति बैरल पर बंद हुआ था कच्चे तेल का भाव-हफ्ते के पहले ट्रेडिंग सेशन में कच्चे तेल ने 8665 रुपये प्रति बैरल के भाव पर कारोबार की शुरुआत की थी, जो पिछले हफ्ते गुरुवार को 8916 रुपये प्रति बैरल के भाव पर बंद हुआ था। बताते चलें कि शुक्रवार को गांधी जयंती के मौके पर एमसीएक्स बंद था। आज कारोबार के दौरान, कच्चे तेल की कीमतें 8720 रुपये प्रति बैरल के इंट्राडे हाई से लेकर 8644 रुपये प्रति बैरल के इंट्राडे लो तक पहुंच चुके थे।

90 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंची डब्ल्यूटीआई क्रूड की कीमतें-oilprice.com के मुताबिक, सोमवार को दोपहर 12:20 बजे के करीब अंतरराष्ट्रीय बाजारों में डब्ल्यूटीआई क्रूड की कीमतें 1.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 90.11 डॉलर प्रति बैरल पर थीं। ब्रेंट क्रूड का भाव 0.61 प्रतिशत गिरकर 101.6 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। इनके अलावा, मुर्बन क्रूड 1.30 प्रतिशत की तेजी के साथ

110.8 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया था।

सऊदी-समर्थित सेनाओं ने बड़े पैमाने पर शुरू किए मिलिट्री ऑपरेशन-यमन में सऊदी-समर्थित सेनाओं ने ईरान-समर्थित हूतियों के कब्जे वाले इलाकों को वापस लेने के लिए बड़े पैमाने पर मिलिट्री ऑपरेशन शुरू किए हैं। हूतियों ने लाल सागर और अदन की खाड़ी के बीच बाब अल-मंडेब चोकपॉइंट पर कब्जा कर लिया था। केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया ने बताया कि लंबे समय से सप्लाई में रुकावट के बावजूद, ओपेक+ के प्रमुख सदस्य अगले महीने प्रोडक्शन कोटा में कोई बदलाव न करने पर सहमत हुए हैं। तेल की कीमतें फिर से 100 डॉलर प्रति बैरल की ओर बढ़ रही हैं, जबकि फ्यूल पंपों पर डीजल की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई हैं। इसके जवाब में, जी7 देश अपने इमरजेंसी ऑयल रिजर्व जारी कर रहे हैं।

आरबीआई ने बैंकिंग प्रणाली से 2.10 लाख करोड़ की नकदी निकाली

मुंबई। बैंकिंग प्रणाली में भारी अतिरिक्त नकदी के बीच भारतीय रिजर्व बैंक ने सोमवार को दो एक दिवसीय परिवर्तनीय दर रिवर्स रेपो नीलामियों के जरिये प्रणाली से 2,10,192 करोड़ रुपए की नकदी निकाली। पहली नीलामी के दौरान केंद्रीय बैंक को दो लाख करोड़ रुपए की अधिसूचित राशि के मुकाबले 2,10,688 करोड़ रुपए की बोलियां मिलीं। उसने 5.24 प्रतिशत की भारित औसत दर पर 2,00,050 करोड़ रुपए स्वीकार किए।

दूसरी नीलामी में बैंकों की प्रतिक्रिया सुस्त रही, जहां 50,000 करोड़ रुपए की अधिसूचित राशि के मुकाबले सिर्फ 10,142 करोड़ रुपए की बोलियां मिलीं, जिसे केंद्रीय बैंक ने पूरी तरह स्वीकार कर लिया। पिछले दो महीनों में केंद्रीय बैंक ने बैंकिंग प्रणाली से अतिरिक्त नकदी निकालने और एक

दिवसीय मुद्रा बाजार की दरों को रेपो दर के अनुरूप बनाए रखने के लिए कई वीआरआरआर नीलामियां आयोजित की हैं। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, चार अक्टूबर तक बैंकिंग प्रणाली में लगभग 5.16 लाख करोड़ रुपए की अधिशेष नकदी रहने का अनुमान है। बैंकों द्वारा एफ.सी.एन.आर. (बी) जमा में भारी बढ़ोतरी के कारण बैंकिंग प्रणाली नकदी से भरपूर है। इसके अलावा, महीने के अंत में वेतन और पेंशन भुगतान सहित सरकारी खर्च ने भी बैंकिंग प्रणाली में नकदी को बढ़ाने का काम किया।

सेल का कच्चे इस्पात का उत्पादन में मामूली बढ़त

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड का कच्चे इस्पात का उत्पादन चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में सालाना आधार पर एक प्रतिशत बढ़कर 96 लाख टन हो गया। कंपनी ने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में हॉट मेटल का उत्पादन दो प्रतिशत बढ़कर 1.02 करोड़ टन हो गया, जबकि तैयार इस्पात का उत्पादन एक प्रतिशत बढ़कर 83.9 लाख टन रहा। कंपनी ने कहा कि कुल बिक्री योग्य इस्पात उत्पादन में तैयार इस्पात की हिस्सेदारी अप्रैल-सितंबर, 2025 के 86.8 प्रतिशत से बढ़कर 89.2 प्रतिशत हो गई।

मुद्रा बाजार

रुपया के मुकाबले अन्य मुद्राएं

मुद्रा	रुपया
एक अमेरिकी डॉलर	96.29
एक यूरो	108.19
एक ब्रिटिश पाउंड	126.69
एक आस्ट्रेलियन डॉलर	67.40
एक जापानी येन	00.60

परफेक्ट हैचरीज एंड पोल्ट्री प्रोडेक्ट इंडिया प्रा. लि.

864 मारुति शोरूम के सामने
फोन- 2412223,9329428085
जिंदा बायलर्स बड़ा- फार्म रेट 126 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स मीडियम- फार्म रेट 136 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स छोटा- फार्म रेट-146 नेट प्रति किलो
जिंदा मुर्गी लेयर कल्स - 85 नेट प्रति किलो
जिंदा काकरेल-मुर्गा- 180 रु. प्रति किलो
(जिंदा थोक फार्म रेट)

सराफा बाजार

दुल्हन श्री आभूषण
कमानिया गेट, सराफा बाजार-
मो. 9425860998,9826307100
सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइन भाव-152800 चांदी-228300

सोहन लाल एण्ड संस
रसल चौक फोन- 9425156095
सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइन भाव-152800 चांदी-228300

दाल- चावल भाव

महावर ट्रेडिंग कंपनी, गांधीगंज
फोन- 4067270, 9826035338
प्रति क्विंटल- राहर दाल एवरेज 9000-10000, मीडियम बोल्ड 10000-11500, फाइन 12500-13000, एकस्ट्रा बोल्ड 13500-14000, चना दाल एवरेज 7300-7500 चना दाल मार्का 7500-8000, मसूर दाल एवरेज 7200-7500, मसूर दाल फाइन 7500-8000, उड़द छिलका 8500-9500, फाइन 9500-10000, उड़द धुली 10000-10500, फाइन 11000-12000, मूंग दाल छिलका 9000-9500, मूंग दाल फाइन 9500-10000, मूंगदाल धुली 9000- 9500, फाइन 10000-10500। चावल - पुराना चावल सरना चालू 3200-3300, बेस्ट 3700-3800, बीपीटी चालू 4200-4500,फाइन 4800-5000,एचएमटी-5000-5500 फाइन-6000-6200, जेजेएल चालू 6500-6800, फाइन 7000-7200, बासमती कनकी चालू 3000-3300, बासमती कनकी मीडियम 3800-4000, बेस्ट 4500-5000, मोगरा- 5000-5500, दुबार- 5500-6000, तिबार- 7000-7500, बासमती 9000-10000, बेस्ट 10000-12000 पोहा- 4600-4700, फाइन 5200-5500, मुरमुरा- 5500-6000, फाइन-

लोहा भाव

अग्रवाल आयरन ट्रेडर्स
शास्त्री-ब्रिज 4004070, 2402070
भाव प्रति क्विं.- 6 एम एम 6200, 8 एम एम 5780, 10 एम एम 5600,12 एम एम, 5600 एवं 16 एम 5600 रु.। तार- 77 रु. किलो।

1,500 रुपए से ज्यादा टूटा सोने का भाव

नई दिल्ली। सोमवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का भाव 1,500 रुपए से ज्यादा टूट गया, जबकि चांदी में 1,100 रुपए से अधिक की तेजी दर्ज की गई। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय बाजार में दोनों कीमती धातुओं की कीमतों में बढ़त देखने को मिली।

बाजार में इस उतार-चढ़ाव के पीछे अमेरिकी अर्थव्यवस्था से जुड़े कमजोर आंकड़ों को प्रमुख वजह माना जा रहा है। हालिया आर्थिक आंकड़ों के बाद अक्टूबर में अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना कम हुई है। ब्याज दरों को लेकर नरम रुख की उम्मीद से सोने और चांदी जैसे ऐसे एसेट्स को सपोर्ट मिलता है, जिनसे नियमित ब्याज आय नहीं होती।

चांदी में उछाल

वैश्विक बाजार में स्पॉट गोल्ड 0.4 प्रतिशत बढ़कर 4,158.17 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। वहीं, दिसंबर डिलीवरी वाला अमेरिकी गोल्ड फ्यूचर 0.6 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,186.40 डॉलर प्रति औंस पर पहुंचा। स्पॉट सिल्वर भी 1.7 प्रतिशत चढ़कर 61.40 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। कमोडिटी मार्केट एक्सपर्ट्स ने सोने और चांदी की कीमतों को लेकर कहा था कि इस हफ्ते सोने और चांदी की कीमतों में फिर से भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है, क्योंकि अमेरिकी डॉलर में हलचल और अमेरिका-ईरान तनाव ने हालात को धुंधला कर दिया है। घरेलू मोर्चे पर, निवेशक बुधवार को भारतीय रिजर्व बैंक के मौद्रिक नीति फैसले पर नजर रखेंगे, जिसमें ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो सकती है। एक्सपर्ट्स ने कहा कि प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के सेवा पीएमआई आंकड़े, अमेरिकी व्यापार आंकड़े और उपभोक्ता धारणा के आंकड़े भी सर्राफा कीमतों को दिशा देंगे।

आरबीआई की एमपीसी बैठक शुरू

क्या 2023 के बाद पहली बार बढ़ेगी रेपो रेट ?

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की तीन दिवसीय महत्वपूर्ण बैठक सोमवार से शुरू हो गई है। कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में उछाल और बढ़ती महंगाई के जोखिमों के बीच वित्तीय बाजार में इस बार ब्याज दरों में बढ़ोतरी की पूरी संभावना दिख रही है।

साल 2025 में दरों में कुल 125 बेसिस प्वाइंट्स की कटौती करने के बाद केंद्रीय बैंक ने पिछली चार लगातार बैठकों में रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रखा था। हालांकि, अब बदले वैश्विक और घरेलू आर्थिक परिस्थितियों के कारण वर्ष 2023 के बाद पहली बार नीतिगत दरों में 25 बेसिस प्वाइंट्स की वृद्धि होने के मजबूत संकेत मिल रहे हैं। समिति अपने नीतिगत फैसले का एलान बुधवार, को करेगी, जिस पर पूरे बाजार की निगाहें टिकी हुई हैं।

आरबीआई की बैठक क्यों महत्वपूर्ण है और दरें बढ़ने की संभावना क्यों है?-रिजर्व बैंक की यह तीन दिवसीय बैठक ऐसे समय में हो रही है जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लगातार उच्च स्तर पर बनी हुई हैं। रिपोर्टिंग के समय ब्रेंट क्रूड लगभग 101.26 डॉलर प्रति बैरल और क्रूड ऑयल करीब 89.98 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। कच्चे तेल की इन ऊंची कीमतों और मुद्रास्फीति के बढ़ते जोखिमों ने केंद्रीय बैंक को मौद्रिक कड़ाई की दिशा में कदम उठाने के लिए प्रेरित किया है।

जीएसटी काउंसिल की बैठक बुधवार को, छोटे कारोबारियों को मिल सकती है बड़ी राहत

नई दिल्ली। जीएसटी काउंसिल की 57वीं बैठक बुधवार, 7 अक्टूबर को होने जा रही है, जिसमें टैक्स से जुड़े नियमों और प्रक्रियाओं में बड़े बदलाव पर चर्चा हो सकती है. इनका मकसद कारोबारियों के लिए टैक्स से जुड़ी प्रक्रियाओं को आसान बनाना, छोटे ई-कॉमर्स विक्रेताओं को जीएसटी रजिस्ट्रेशन के लिए प्लेटफॉर्म के वेयरहाउस का इस्तेमाल करने की इजाजत देना, असली खरीदारों के इनपुट टैक्स क्रेडिट की सुरक्षा करना और कम कीमत वाले मामलों से जुड़े कानूनी विवादों को कम करना शामिल है.

जीएसटी 2.0 प्रोसेस में सुधार के तहत लाए गए इन प्रस्तावों का मकसद रजिस्ट्रेशन और रिटर्न फाइलिंग को आसान बनाना और टैक्सपेयर्स व टैक्स विभाग के बीच विवादों को कम करना है.

जीएसटी अधिकारियों की गिरफ्तारी की शक्ति वापस!-नए प्रस्ताव के तहत सीजीएसटी एक्ट की धारा 69 में संशोधन की तैयारी है. अब तक कमिश्नर स्तर की मंजूरी पर अधिकारी सीधे गिरफ्तार कर सकते थे, लेकिन अब गंभीर धोखाधड़ी के मामलों में भी बिना कोर्ट ऑर्डर के गिरफ्तारी नहीं की जा सकेगी. यानी कि नए नियमों के तहत, किसी कारोबारी की गिरफ्तारी के लिए कोर्ट से पहले की मंजूरी अनिवार्य की जा सकती है.

आपराधिक कार्रवाई की सीमा बढ़ाना-अभी जीएसटी के तहत आपराधिक मुकदमा शुरू करने की न्यूनतम सीमा 1 करोड़ है. यानी कि जीएसटी से जुड़े कुछ गंभीर मामलों में अगर रकम 1 करोड़ से ज्यादा है, तो आपराधिक कार्रवाई की जा सकती है. बुधवार को होने वाली बैठक में कानून समितिद्वारा आपराधिक कार्रवाई शुरू करने के लिए टैक्स चोरी की इस लिमिट को बढ़ाकर सीधे 5 करोड़ करने पर विचार किया जा रहा है. हालांकि, इस नई लिमिट में भी फर्जी इनवॉइस (बिना माल की सप्लाई के सिर्फ बिल बनाना) के मामलों में राहत की कोई संभावना नहीं है.

सामान्य टैक्स विवाद में कोई गिरफ्तारी नहीं-किसी सामान या सेवा की टैक्स दर, उसकी कैटेगरी

या इनपुट क्रेडिट टैक्स को लेकर कारोबारी और टैक्स अधिकारी अपनी अलग-अलग राय रख सकते हैं क्योंकि टैक्स के नियम-कानून इतने जटिल होते हैं कि एक ही नियम को दो अलग-अलग लोग अलग तरीके से समझ सकते हैं. जब तक किसी मामले में जानबूझकर टैक्स चोरी करने या फर्जीवाड़ा साबित न हो, तब तक उसे गलती नहीं मानी जाएगी. ऐसे सामान्य टैक्स विवादों को अपराध की श्रेणी से बाहर रखा जाएगा.

छोटे ई-कॉमर्स विक्रेताओं को बड़ी राहत-ऑनलाइन सामान बेचने वाले छोटे कारोबारियों के लिए जीएसटी रजिस्ट्रेशन को आसान बनाने के मकसद से एक और प्रस्ताव है. इसके तहत, कारोबारी अमेजन-फ्लिपकार्ट जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के गोदामों या वेयरहाउस को ही अपना रजिस्टर्ड पता के तौर पर इस्तेमाल कर सकते हैं. इस नियम से करीब 9.5 लाख छोटे कारोबारियों के लिए हर उस राज्य में अलग से दुकान या ऑफिस किराए पर लेने, भारी सिक्योरिटी डिपॉजिट रखने और स्टाफ रखने का मेंटेनेंस खर्च पूरी तरह खत्म हो जाएगा, जहां उन्हें अपने माल की सप्लाई करनी होती है.

वास्तविक खरीदारों के आईटीसी की सुरक्षा-कई बार दुकानदार सामान खरीदने के बाद अपनी जेब से टैक्स की पूरी रकम चुकाने के बाद भी अपना इनपुट टैक्स क्रेडिट खो देते है क्योंकि आगे वाला सप्लायर सरकार को टैक्स नहीं भरता है. नए नियम के तहत, अगर खरीदार के पास सही इनवॉइस है, तो उसका आईटीसी सुरक्षित रहेगा और सरकार सीधे डिफॉल्ट करने वाले सप्लायर से वसूली करेगी.

देशबन्धु
ग्राहक सेवा

100 प्रतिशत गारन्टेड इलाज
क्या आपको गुप्त रोग है। अंडकोष, बवासीर, सेक्स से संबंधित रोगों के स्थायी इलाज के लिए मिलें
बिना ऑपरेशन
डॉ. विश्वास
राइट टाउन, प्रेम मंदिर, होटल पंकज पेलेश के पीछे
मो: 9827042596

नोट- पाठकों को सूचना दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्यवाही जैसे पैसा भेजना, कोई खर्च करना या प्रकाशित विज्ञापन के विश्वास पर किसी प्रकार संबंध बनाना आदि करने से पूर्व आवश्यक/संपूर्ण जानकारी कर लेवें।
देशबन्धु यह भी घोषित करता है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले किसी भी राजनैतिक, सामाजिक अथवा अन्य प्रकार के विज्ञापनों से देशबन्धु का कोई सरोकार नहीं है। अतः विज्ञापनदाता द्वारा जारी किये गये किसी भी प्रकार के दावे/ प्रस्तुतिकरण के लिये जिम्मेदार नहीं हैं।

प्रकाशक-गिरिराज चाचा, मुद्रक-मोहन सुरजन द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लिमि. के लिये देशबन्धु कॉम्पलेक्स नौदराब्रिज जबलपुर से प्रकाशित एवं श्रीजी प्रिंटर्स से मुद्रित, सम्पादक-अशोक मिश्रा, * (* पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार)
फोन संपादकीय-4006577 व्यवस्था - 4085031, 4085679, 2626244 आर.एन.आई. पंजी. क्रमांक 38276/71 डाक पंजीयन क्रमांक-एसएसपी जबलपुर /04/2020-2022 E mail- Jabdesh1@yahoo.com

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री
सीएम यूथ कॉन्क्लेव 2026
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री
युवा सोच, नये अवसर, एक साझा मंच
प्रख्यात गायक
जुबिन नौटियाल
एवं कबीर कैफे बैंड
द्वारा
भव्य लाइव प्रस्तुति
प्रात: 10:00 बजे
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
के साथ
6 अक्टूबर, 2026 | पूर्वाह्न 11:00 बजे
लाल परेड ग्राउंड, भोपाल
70+ स्टॉल, 15 विभागों की संयुक्त भागीदारी
युवाओं को अवसर, कौशल, रोज़गार, नवाचार एवं संभावनाओं से जोड़ने हेतु समर्पित मंच
स्टार्टअप एवं उद्यमिता
युवा उद्यमियों के फार्मास्युटिकल, मैन्युफैक्चरिंग, AI/मशीन लर्निंग और फूड प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों के स्टार्टअप्स की सहभागिता एवं प्रस्तुति
युवा नवाचार एवं प्रदर्शनी
AI, साइबर सिक्योरिटी, ड्रोन टेक्नोलॉजी, विज्ञान एवं नवाचार, कृषि क्षेत्र में रोज़गार, फ्यूचर रेडी एजुकेशन और टेक्नोलॉजी पर केन्द्रित
सार्वजनिक एवं निजी विश्वविद्यालयों की सहभागिता
विश्वविद्यालयों द्वारा कॅरियर मार्गदर्शन, नवाचार, उद्यमिता, तकनीकी शिक्षा एवं रोज़गार के अवसरों की जानकारी
कॅरियर एवं कौशल के अवसर
कौशल विकास, कॅरियर मार्गदर्शन और रोज़गार से जुड़ी जानकारी एक ही स्थान पर
शासकीय योजनाओं की जानकारी
पात्रता, पंजीयन, आवेदन प्रक्रिया, प्रशिक्षण और उपलब्ध सुविधाओं से संबंधित स्टॉल
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhypradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
D-11136/26
मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी
आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2026